HONER HOMES

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

HONER Signatis
your style. your signature.
KUKATPALLY - HITEC CITY

वर्ष-28 अंक : 152 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.3 2080 शनिवार, 19 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

THE BIGGEST GATED COMMUNITY
IN THE HEART OF CITY.

HONER HOMES

HONER
Signatis
your style. your signature.

KUKATPALLY - HITEC CITY

GRAND LAUNCH TODAY

PREMIUM & ULTRA-PREMIUM 3, 3.5 & 4 BHK APARTMENTS

27.5 Acres
18 Towers
G + 25 Floors
3266 Apartments
1695 to 3815 Sft. Unit Sizes
1.31 Lakh Sft. 2 Clubhouses
5 Acres Courtyard
20,000 Sft. Largest Community Gym

For Bookings Visit : Honer Signatis - IDL Lake Road, Kukatpally. (9 AM TO 7 PM)

ULTRA
3815 SFT | 4 BHK TOWERS
• Only 4 Apartments Per Floor
• All Corner View Units
• Maid Room

COME HOME TO A RARE SPECTACLE,
EVERY SINGLE DAY.

78278 66666
honerhomes.com

SCAN FOR MORE DETAILS

5 ACRES CENTRAL COURTYARD | 1.31 LAKH SFT TWO CLUBHOUSES

100+ Amenities

RARE FOR LIMITLESS CHEER
- Jogging Track
- Cycling Track
- Futsal Court
- Box Cricket
- Basketball Court
- Tennis Court
- Billiard Lounge
- Infinity Pool with Deck
- Indoor Games
- Double-height Squash Court
- Badminton Courts
- Golf Putting & Golf Simulation

RARE FOR THE MIND, BODY & SOUL
- Amphitheatre
- Central Court
- Tree Court
- Outdoor Gym
- Children's Play Area
- Aesthetic Water Point
- Pergola with Seating Arrangement
- Organic Garden
- Aerobic Station
- Pharmacy & Clinic

RARE CONVENIENCE AT EVERY STEP
- Separate Entry & Exit
- Grocery Store & ATM
- Driveway
- Connecting Pathways
- Garbage Chute
- Pet Park
- Conference Room
- Preview Theatre
- Senior Citizens Room
- Banquet Halls
- 140 Square Feet Sit-out
- Only 4 Apartments Per Floor

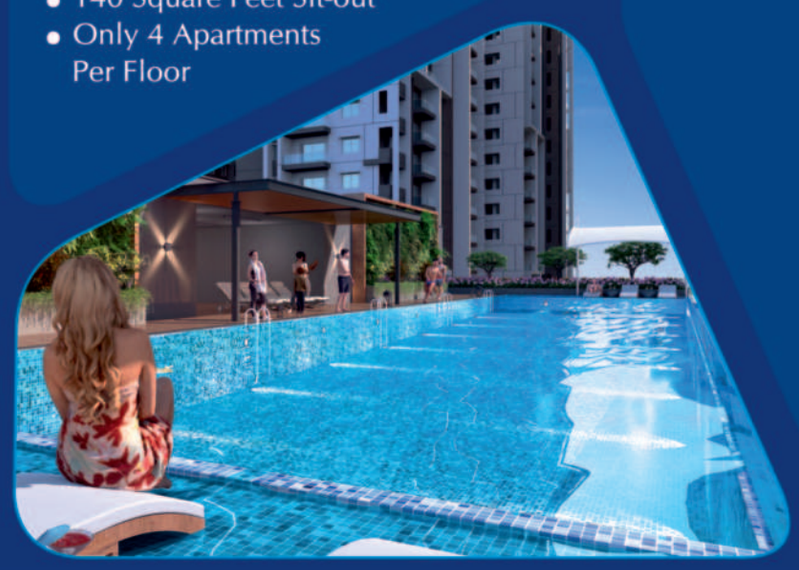

RARE FOR THE LITTLE MASTERS
- Creche with Exclusive Play Area
- Hobby Room for Toddlers
- Children's Play Area with Sand Bed
- School Bus Bay
- Traffic-free Driveway
- Skating Rink
- Board Games
- Art and Craft Gallery
- Kids' Pool with Deck
- Reading Lounge

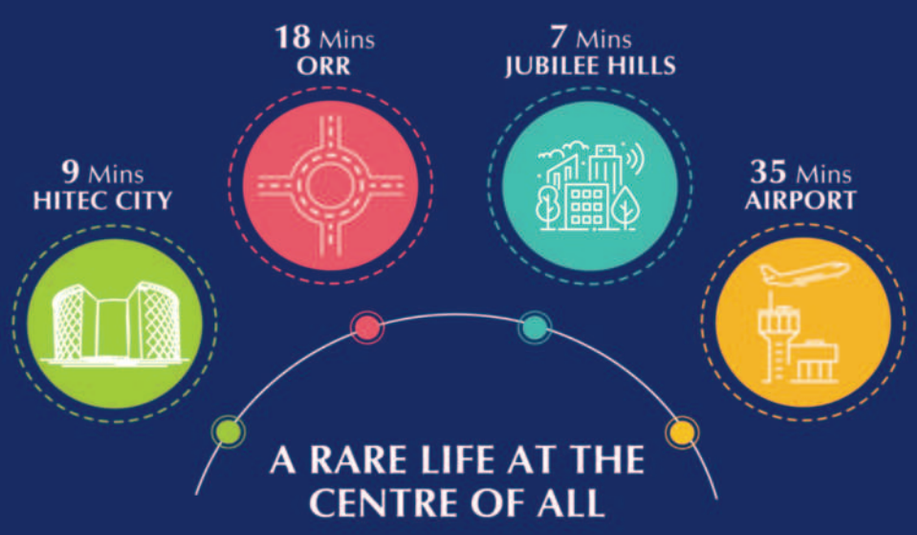

HONER Signatis
your style. your signature.

KUKATPALLY - HITEC CITY

TS RERA Reg. No. P02200005923

78278 66666

honerhomes.com

FOLLOW US ON:

SCAN FOR MORE DETAILS

For Bookings Visit : Honer Signatis - IDL Lake Road, Kukatpally. (9 AM TO 7 PM)

PROJECT APPROVED BY ALL MAJOR BANKS.

*Terms & Conditions apply. All norms, requirements pertaining to the environment, fire services, GHMC rules and regulations have been adhered to while designing HONER SIGNATIS.
This ad is conceptual and not a legal offering for Sale/Agreement.Disclaimer: This advertisement does not constitute an offer and/or acceptance and/or contract and/or any intention thereof and/or a disclosure under any statue of any nature whatsoever. The pictorial/other representation herein, the layout, number of buildings/towers/wings/structures, facilities, and amenities are merely creative imagination and an Architect's impression and are only indicative. The actual product may vary/differ from what is indicated herein. The photograph contained herein may be stock/standard photography used for the purpose and have been taken at location other than the project site and are used to indicate a conceptual lifestyle.

Project Approved by GHMC | A Member of CREDAI HYDERABAD | NAREDCO TELANGANA | MEMBER

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 152 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.3 2080 शनिवार, 19 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

अब चांद से केवल 113 किमी दूर चंद्रयान-3 का लैंडर

निचली कक्षा में लाने के लिए थ्रस्टर फायर किए, लैंडर ने चंद्रमा की तस्वीरें भेजी

बेंगलुरू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर अब 113 x 157 किमी की कक्षा में आ गया है। यानी अब उसकी चंद्रमा से सबसे कम दूरी 113 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 157 किमी है। इसरो ने डीबूस्टिंग के जरिए चंद्रयान की कक्षा घटाई है। डीबूस्टिंग यानी स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार को धीमी करना।

इसरो अब डीबूस्टिंग का दूसरा ऑपरेशन 20 अगस्त को रात 2 बजे परफॉर्म करेगा। इसके बाद लैंडर की चंद्रमा से न्यूनतम दूरी 30 किमी और अधिकतम दूरी 100 किलोमीटर रह जाएगी। सबसे कम दूरी से ही 23 अगस्त को शाम 5:47 बजे सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास किया जाएगा।

इससे पहले 17 अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर-रोवर से अलग किया गया था। सेपरेशन के बाद लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा, 'थैंक्स फॉर द राइड मेट'। इस दौरान लैंडर पर लगे कैमरे ने प्रोपल्शन मॉड्यूल की फोटो के साथ चंद्रमा की भी तस्वीरें खींची। 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी, ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके।

कोविड ने सहयोग का मूल्य समझाया

पीएम मोदी ने जी-20 देशों से नवाचार खोलने का किया आग्रह

गांधीनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर में शुक्रवार को जी-20 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। कोविड-19 महामारी ने हमें याद दिलाया है कि स्वास्थ्य हमारे निर्णयों के केंद्र में होना चाहिए। इसने हमें सहयोग का मूल्य समझाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 देशों से प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा देने का आग्रह किया और उनसे जनता की भलाई के लिए नवाचार खोलने की भी अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने, तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत में हम एक समावेशी और समग्र दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं, हम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं,

चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली को बढ़ावा दे रहे हैं और सभी को सस्ती स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वैश्विक उत्सव समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का एक प्रमाण है। पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल समाधान और नवाचार हमारे प्रयासों को न्यायसंगत और समावेशी बनाने के उपयोगी साधन हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य के लिए वैश्विक पहल विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को एक आम मंच पर लाएगी। आइए अपने नवाचारों को जनता की भलाई के लिए खोलें। आइए हम फंडिंग के दोहराव से बचें। उन्होंने कहा, आइए हम प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा प्रदान करें। यह पहल वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतर को कम करने में मदद करेगी। यह हमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के हमारे लक्ष्य के एक कदम करीब ले जाएगी। उन्होंने जी-20 सदस्यों को बताया कि भारत लोगों की साझेदारी की मदद से वैश्विक समय सीमा से पहले ही तपेदिक (टीबी) को खत्म कर देगा। पीएम मोदी ने कहा, हमने देश के लोगों से टीबी उन्मूलन के लिए नि-क्षय मित्र या टीबी उन्मूलन के लिए मित्र बनने का आह्वान किया है। इसके अंतर्गत लगभग 10 लाख रोगियों को नागरिकों द्वारा अपनाया गया है। अब हम 2030 के वैश्विक लक्ष्य से काफी पहले टीबी उन्मूलन हासिल करने की राह पर हैं।

जातीय गणना पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

बिहार सरकार बोली-सर्वे का काम पूरा

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में जाति आधारित गणना पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले पर किसी भी तरह की रोक लगाने से मना कर दिया है। सुनवाई के दौरान बिहार सरकार की ओर से बताया गया है कि बिहार में सर्वे का काम पूरा हो चुका है। आंकड़े भी अपलोड कर दी गई है। जिसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने बिहार में हो रही जातिगत गणना का ब्योरा रिलीज कराने की मांग कर दी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि बिहार सरकार का पक्ष सुने बिना कोई रोक नहीं लगाई जा सकती। इससे पहले 14 अगस्त को सुनवाई टल गई थी। इस मामले पर दाखिल की गई दूसरी याचिकाएं भी 18 अगस्त को लिस्टेड थीं। आज सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई।

एक अगस्त को पटना हाईकोर्ट ने दिया था फैसला :

पटना हाईकोर्ट ने जातीय गणना को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं 1 अगस्त को खारिज कर दी थीं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सरकार चाहे तो गणना करा सकती है। इसके तुरंत बाद नीतीश सरकार ने जातीय गणना को लेकर आदेश जारी कर दिया था। सरकार ने सभी डीएम को आदेश दिया कि हाईकोर्ट के फैसले के आधार पर जातीय गणना के बचे काम को पूरा करें। पिछले एक सप्ताह से यह काफी तेजी से हो रहा है। पटना जैसे बड़े जिले का काम लगभग पूरा होने वाला है। विभागीय सूत्रों की माने तो लगभग यह काम खत्म हो चुका है। डेटा कलेक्शन का काम भी पूरा हो गया है।

मणिपुर में फिर हिंसा, 3 की मौत

पुलिस का दावा-जंगल में कटी लाश मिली, बॉडी पर चाकू के निशान थे

इंफाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। शुक्रवार सुबह करीब 5.30 बजे उखरुल के लिटन के पास थोवई कुकी गांव में गोलीबारी हुई। जिसमें गांव के 3 वॉलंटियर्स के मारे जाने की खबर है। कुकी समुदाय के संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के स्पोक्सपर्सन का कहना है कि मैतेई लोगों के हमले में मरने वालों में 26 साल का जामखोगिन, 35 साल का थांगखोकाई और 24 साल का हॉलेंसन शामिल है। लिटन पुलिस ने बताया कि सुबह-सुबह भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद पुलिस ने आसपास के गांवों और जंगलों में तलाशी ली। जहां से उन्हें तीन लोगों के शव मिले। तीनों के शरीर पर तेज चाकू से चोट के निशान हैं और उनके अंग भी कटे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस महिला की याचिका पर सुनवाई जिसने दावा किया था कि भीड़ ने उसके कपड़े फाड़ दिए और उसकी परेड निकाली, लेकिन राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान पुलिस उसकी मदद के लिए नहीं आई। इस मामले पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मणिपुर सरकार को नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई को हिंसा भड़की थी, जो अब तक जारी है।

अपना पक्ष रखेंगे अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। असंसदीय व्यवहार के लिए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को निलंबित किया गया था। संसद की विशेषाधिकार समिति अधीर रंजन चौधरी के निलंबन की जांच कर रही है। इसे लेकर आज समिति की बैठक भी हुई। बता दें कि संसद के मानसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के चलते अधीर रंजन चौधरी को संसद से निलंबित कर दिया गया था। विशेषाधिकार समिति ने कांग्रेस नेता को भी अपना पक्ष रखने का मौका देने का फैसला किया है।

भारतीय विज्ञान संस्थान में बैठक करने से रोका तीस्ता सीतलवाड़ का प्रशासन पर गंभीर आरोप

बेंगलुरू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बेंगलुरू स्थित प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान में उन्हें बैठक करने से रोका गया। सीतलवाड़ ने कहा कि संस्थान में होने वाली उनकी बैठक को अंतिम समय में बर्खास्त कर दिया गया। तीस्ता सीतलवाड़ को 'सांप्रदायिक सद्भाव और न्याय' विषय पर अपने विचार रखने थे।

खबर के अनुसार, 'ब्रेक द साइलेंस' नामक संगठन ने बुधवार शाम में भारतीय विज्ञान संस्थान में यह बैठक बुलाई थी। यह बैठक संस्थान के सीसीई लेक्चर हॉल में आयोजित होनी थी। तीस्ता सीतलवाड़ का आरोप है कि आखिरी समय में यह बैठक रद्द कर दी गई और उन्हें हॉल में जाने से रोक दिया गया। सीतलवाड़ का आरोप है कि संस्थान की कैंटीन के बाहर बगीचे में उन्हें यह बैठक करनी पड़ी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश के जरिए तीस्ता सीतलवाड़ ने यह बात कही। सीतलवाड़ के अनुसार 40 छात्र और प्रोफेसर्स उनके लेक्चर में शामिल हुए। सीतलवाड़ ने कहा कि कल मुझे बेंगलुरू के प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान में अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा। कुछ प्रोफेसर्स और छात्रों ने मुझे सीसीई हॉल में सांप्रदायिक सद्भाव और न्याय विषय पर लेक्चर देने के लिए बुलाया था।

कैग रिपोर्ट : अफसरों ने रिपोर्ट खारिज की नाराज गडकरी बोले-जिम्मेदारी तय करें

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली-हरियाणा के बीच बन रहे द्वारका एक्सप्रेस-वे के निर्माण को लेकर कैग की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सप्रेस-वे के निर्माण में अनुमान से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अफसरों ने रिपोर्ट खारिज कर दी थी। अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अफसरों के रिएक्शन पर निराशा जताई है। गडकरी ने गुरुवार को हाई लेवल मीटिंग में कैग की रिपोर्ट पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। इस महीने की शुरुआत में कैग की रिपोर्ट आई थी। इसमें दावा किया गया कि भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे द्वारका एक्सप्रेस-वे में अनुमान से ज्यादा लागत लग रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैबिनेट कमेटी ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने 29.06 किमी लंबे द्वारका एक्सप्रेस-वे को 18.20 करोड़ प्रति किलोमीटर के बजट से बनाने की मंजूरी दी थी। लेकिन नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने इसका बजट बढ़ाकर 7287.29 करोड़ रुपए कर दिया। इस हिसाब से प्रति किलोमीटर सड़क बनाने में 251 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कैग की रिपोर्ट पर नितिन गडकरी की प्रतिक्रिया से पहले सड़क परिवहन मंत्रालय का जवाब सामने आया था। मंत्रालय ने कैग के दावे को खारिज किया था। मंत्रालय ने कहा कि ये एक्सप्रेस वे भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बना है, जिसके लिए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति से मंजूरी ली गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 19 अगस्त, 2023 4

सुविचार

आकांक्षा, अज्ञानता और असमानता - यह बंधन की त्रिमूर्तियां हैं।

पुलिस ने वाईएस शर्मिला को घर में ही नजरबंद रखा

विरोध स्वरूप शर्मिला ने उतारी पुलिस की आरती

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को नगर पुलिस ने तब रोक दिया जब वह पूर्व आह्वान पर सीएम केसीआर के विधानसभा क्षेत्र गजवेल का दौरा करने निकल रही थी। शहर पुलिस शर्मिला के घर पहुंची और उन्हें घर में नजरबंद कर दिया। लोटस पॉन्ड के पास शर्मिला के आवास पर भारी तनाव का माहौल रहा लोटस पॉन्ड पर भारी पुलिस तैनाती की गई है। हालांकि, शर्मिला ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस के व्यवहार के विरोध में उनकी स्वागत आरती उतारी। बाद में, उन्होंने अपने आवास पर उपवास रखा। इस मौके पर बोलते हुए शर्मिला ने साफ किया कि आज शाम तक अनशन जारी रहेगा।

शर्मिला ने सीएम केसीआर पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि सीएम बेघर गरीब परिवारों को मकान आवंटन की अनदेखी करते हुए अपने लिए बड़े महल बना रहे हैं। उसने पूछा कि क्या लोग सीएम के लिए वोटिंग मशीन हैं? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सीएम राज्य की जनता का वोट पाकर गायब हो जाएंगे और कुंभकर्ण की तरह सो जाएंगे। उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने में कोई शर्म नहीं है, जबकि गजवेल के लोग झोपड़ियों में रह रहे हैं।

उन्होंने बीआरएस पार्टी के नेताओं को डकैतों की राज्य कमेटी करार दिया। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी एक भी योजना है जो राज्य में लागू की गयी हो? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या राज्य सरकार द्वारा दलितों को डबल बेडरूम का घर दिया गया है? सभी निर्वाचन क्षेत्रों में यह कहा जा रहा है कि दलित बंधु योजना में अनियमितताएं हो रही हैं। केसीआर ने खुद विधायकों के साथ बैठकर दलित बंधु योजना में अनियमितताओं पर खुफिया रिपोर्ट के बारे में उनसे बात की।उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने उनसे किए गए अपने कई वादों से मुकरकर लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दलित बंधु लाभ केवल बीआरएस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा है। राज्य के 17 लाख दलितों में से केवल 36,000 को ही अब तक दलित बंधु का लाभ मिला है। उन्होंने मांग की कि योजना की रूपरेखा को राज्य की पूरी जनता के सामने रखा जाना चाहिए।

वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्त का बूथ स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का आग्रह

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्त, धर्मेंद्र शर्मा ने चुनावों के सुचारू संचालन के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षित करने के लिए राज्य स्तर, जिला स्तर और विधानसभा स्तर के मास्टर प्रशिक्षकों के एक समूह को संबोधित किया। वह शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा आयोजित एक बैठक में प्रशिक्षकों के एक समूह के साथ बातचीत कर रहे थे। शर्मा ने निर्बाध चुनावी प्रक्रिया के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सफल चुनावों को सुविधाजनक बनाने में राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों, जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों और बीएलओ के लिए लगातार चरणों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रत्येक प्रतिभागी को एक भागीदारी प्रमाणपत्र प्राप्त होता है। विकास राज ने यह भी बताया कि 10 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, 5 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और 5 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर के मास्टर ट्रेनर्स की एक टीम ने बैठक में भाग लिया। अतिरिक्त सीईओ लोकेश कुमार और संयुक्त सीईओ सरफराज अहमद ने भी मास्टर प्रशिक्षकों को बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता मेरी सुरक्षा हैं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और पीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने आज स्पष्ट किया कि लोगों के लिए काम करने वाले अधिकारियों के प्रति उनके मन में हमेशा अत्यधिक सम्मान है, लेकिन आश्चर्य है कि वह उन सरकारी अधिकारियों पर कैसे चुप रह सकते हैं, जो ऐसा कहते हैं अगले विधानसभा चुनाव में सीएम केसीआर जीतेंगे? उन्होंने पार्टी मुख्यालय गांधी भवन में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उच्च न्यायालय की सलाह के बावजूद उन्हें पुलिस सुरक्षा नहीं दे रही है। एक सांसद और राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में, क्या मेरी सुरक्षा हटा दी जाएगी? जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, तब हमने सीएम केसीआर को पर्याप्त सुरक्षा दी थी। फिर भी मैं जनता का आदमी हूं और सुरक्षा से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मैं बिना सुरक्षा के कहीं भी आ जाऊँगा। क्या केसीआर बिना सुरक्षा के उस्मानिया और काकतीय विश्वविद्यालयों में आ सकते हैं? रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि केसीआर उन्हें हराने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपना सुरक्षा कवर हटाने के राज्य सरकार के फैसले से नहीं डरते। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लाखों कार्यकर्ता उनकी सेना हैं और उन्होंने यह भी कहा कि वे उनकी सुरक्षा हैं, साथ ही आश्चर्य जताया कि क्या बीआरएस पार्टी में यह कहने की हिम्मत है।

रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए बहुमत और अल्पसंख्यक के बीच कोई अंतर नहीं है और कहा कि कांग्रेस पार्टी में अल्पसंख्यक बहुत बड़ी स्थिति में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस

पार्टी ने अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं किया है और कहा कि राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों को एक भी प्रतिशत डबल बेडरूम घर नहीं दिए गए हैं। उन्होंने इस बात पर व्यंग्य किया कि बीआरएस पार्टी दिल्ली पहुंचकर कमल पार्टी में बदल जाएगी।

दो माह में अपने घर लौटेंगे सीएम केसीआर : बंडी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता और पार्टी सांसद बंदी संजय ने आज मुख्यमंत्री केसीआर पर जमकर निशाना साधा। सरदार सरवई पपन्ना को श्रद्धांजलि देने के बाद करीमनगर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर अगले दो महीनों में अपने घर लौट आएंगे। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का शराब की दुकानों के लाइसेंस देने के लिए आवेदनों की बिक्री से 2000 करोड़ कमाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रुपये कमा रही है. सालाना 50 हजार करोड़ की शराब की बिक्री. प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के लिए बोली लगा रही है। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों पार्टियां तेलंगाना में महंगा चुनाव चाहती हैं। बंडी संजय ने इस बात पर गुस्सा जताया कि केसीआर ने अपने 9 साल के शासनकाल में एक भी राशन कार्ड नहीं दिया।

खड़े ट्रक में कार टकराने से दो की मौत

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, जहीराबाद में बीदर रोड पर एक कार खड़े ट्रक से टकरा गई। कार में सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अविराजू (27) और वीरेश (30) के रूप में हुई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने कहा कि ट्रक किसी समस्या के कारण सड़क किनारे खड़ा था लेकिन कार चला रहे व्यक्ति को इसका पता नहीं चला, जिससे टक्कर हो गई।

एक अन्य घटना में, शुक्रवार को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की एक बस ने अपनी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा रहमत नगर के पास हुआ। यात्रियों ने बताया कि हादसे के बाद बस चालक और कंडक्टर भाग निकले। इस दुर्घटना के कारण यूसुफगुडा इलाके में भीषण जाम लग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

दमरे महाप्रबंधक ने उन्नत कोच रखरखाव सुविधा का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शुक्रवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर उन्नत कोच रखरखाव सुविधा (पिट लाइन) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल भरतेश कुमार व वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। क्षमता वृद्धि कार्यों के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे यात्री कोचों की रखरखाव गतिविधि को सुविधाजनक बनाने के लिए जोन भर के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर कोच रखरखाव सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन तेलंगाना राज्य के राजधानी क्षेत्र में स्थित एससीआर पर प्रमुख जंक्शन स्टेशनों में से एक है, जहां दैनिक आधार पर कई यात्री ट्रेनें निकलती और समाप्त होती हैं। इससे पहले, वॉशिंग साइडिंग पर पिट लाइन गैर-मानक स्थिति में थी, जिससे पूर्ण रेक रखरखाव में कठिनाई होती थी। तदनुसार, सिकंदराबाद स्टेशन पर वॉशिंग साइडिंग पर भी नवीनतम और मानक रखरखाव सुविधाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और यात्री ट्रेनों के प्रभावी और सुरक्षित रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए, लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत कोच रखरखाव सुविधा का निर्माण किया गया है। सिकंदराबाद स्टेशन डिपो में कोचिंग ट्रेनों के प्राथमिक रखरखाव के दौरान रेक की सुरक्षित जांच की सुविधा के लिए वॉशिंग साइड - II पर कोच रखरखाव सुविधा को सेंटर फॉर एडवांस्ड मैंटेनेंस टेक्नोलॉजी के डिजाइन के अनुसार उन्नत किया गया है। उन्नत सुविधा एक बार में लगभग 26 कोचों के रखरखाव को सक्षम बनाती है। इसके अलावा, यात्री डिब्बों के प्रभावी और उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए पिट लाइन पर उचित प्रकाश और जल निकासी की सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कोच रखरखाव सुविधा के उन्नयन के लिए सिकंदराबाद मंडल की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्नत पिट लाइन सुविधा कोचों के रखरखाव के लिए उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करेगी और यात्री ट्रेन सेवाओं के संचालन को अधिक प्रभावी ढंग से सुविधाजनक बनाएगी। उन्होंने कहा कि यहां प्रदान की गई उन्नत सुविधाएं रेल उपयोगकर्ताओं की आरामदायक यात्रा अनुभव की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद करेंगी।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रभावी ढंग से किया जाए : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को शहर में कचरा संग्रहण बिंदुओं को हटाने और प्रारंभिक चरण में कुशल डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को कमिश्नर ने माधापुर और अयप्पा नगर में जीवीपी हटाए गए स्थानों का निरीक्षण किया। इस मौके पर कॉलोनीवासियों से उठाये गये जीवीपी के बारे में पूछा गया. कॉलोनी के निवासियों ने आयुक्त को समझाया कि लिफ्टिंग के कारण कोई समस्या नहीं है और जीवीबी की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि स्वच्छ ऑटो दैनिक संग्रह के लिए घर-घर आ रहा है। इसके बाद कमिश्नर पर्वतपुर कॉलोनी गए और जब जीवीबी निरीक्षण कर रहा थे, तो कचरा लेकर आए एसएफए पर कॉलोनीवासी नाराज हो गए। उन्होंने वहां आये उपनिवेशवादियों से इसका कारण जानने को कहा। उन्होंने कमिश्नर को समझाया कि सुबह की ड्यूटी पर जाने के कारण स्वच्छ ऑटो रोज नहीं आ रहा है, इसलिए वह जीवीबी में आकर कूड़ा डाल रहे हैं। इस मौके पर प्रमंडलीय आयुक्त एवं अपर स्वच्छता आयुक्त को एसएफए के खिलाफ नाराजगी जताते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। इसके बाद उन्होंने जुबली हिल्स में संचालित गौशालाओं का दौरा किया और स्वच्छता से संबंधित पहलुओं के बारे में जानकारी ली। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी, एडिशनल कमिश्नर उपेन्द्र रेड्डी, डीसी और अन्य मौजूद थे।

हैदराबाद डिवीजन ने 68वीं डीआरयूसीसी बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे की 68 वीं मंडल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक शुक्रवार को हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने की। 19 नामांकित सदस्यों में से एम. पद्मा देवेंदर रेड्डी विधायक, मेदक सहित 15 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। लोकेश विश्नोई ने चालू वित्तीय वर्ष में जुलाई-2023 तक हैदराबाद मंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदस्यों को अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चयनित स्टेशनों सहित हैदराबाद डिवीजन में की गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बताया। इसके अलावा, उन्होंने सदस्यों को यात्री सुविधा कार्यों और विभिन्न चल रही परियोजनाओं के विकास के बारे में जानकारी दी। सदस्यों ने मंडल द्वारा की गई विकासात्मक गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और विभिन्न कार्यों को पूरा करने और अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चयनित स्टेशनों के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। बाद में, सदस्यों ने विभिन्न ट्रेनों के लिए अतिरिक्त स्टॉपेज के प्रावधान, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी यात्री सुविधाओं के प्रावधान, ट्रेनों की समय की पाबंदी, स्टेशनों और ट्रेनों की सफाई आदि पर चर्चा की। अध्यक्ष ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके सुझावों, अभ्यावेदनों की लागू दिशानिर्देशों व मानदंडों के तहत जांच की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक वाई. बालाजी किरण और अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

ईसीआई ने स्वीप नोडल अधिकारियों को सशक्त बनाया : मनोज साहू

नोडल अधिकारियों के दो दिवसीय ईसीआई सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के दृढ़ प्रयास में, उप चुनाव आयुक्त (डीईसी) मनोज साहू ने व्यापक कार्मिक प्रशिक्षण की दिशा में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के रणनीतिक बदलाव पर जोर दिया। इस पहल का लक्ष्य चुनावों के दौरान उच्चतम संभव मतदाता भागीदारी हासिल करना है। तेलंगाना राज्य के सभी 33 जिलों के जिला स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) नोडल अधिकारियों के लिए दो दिवसीय ईसीआई सम्मेलन के उद्घाटन पर बोलते हुए, श्री साहू ने इस उपक्रम के महत्व को रेखांकित किया। श्री साहू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश भर में लगभग 7 करोड़ संभावित मतदाता (कुल मतदाताओं का लगभग 8 प्रतिशत), जिनमें मुख्य रूप से शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित शहरी युवा शामिल हैं, अभी भी अछूते हैं। उन्होंने कहा कि स्वीप गतिविधियाँ, जिनका उद्देश्य मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देना है, इन आयु समूहों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नामांकित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तेलंगाना राज्य में 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान कम मतदान पर चिंता व्यक्त करते हुए, श्री साहू ने 2018 के विधानसभा चुनावों में 73.37 प्रतिशत मतदान की तुलना बाद के लोकसभा चुनावों में कम 62.77 प्रतिशत से की। उन्होंने अधिकारियों से लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने, सोशल मीडिया, नवीन दृष्टिकोण और लगातार मतदाता सहभागिता को नियोजित करने के अपने प्रयासों को दोगुना करने का आग्रह किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, ईसीआई में स्वीप के निदेशक संतोष अजमेरा ने तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक बूथ-स्तरीय योजना, लक्षित हस्तक्षेप और चुनावी साक्षरता पहल की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त सीईओ श्री सरफराज अहमद ने मतदाता जागरूकता, शिक्षा और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य में स्वीप गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कॉलेज कार्यक्रमों और स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों के साथ जुड़ाव जैसी सफल पहलों पर प्रकाश डाला, जिससे राज्य में पहली बार मतदाता नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

चुनाव अधिकारी ने किया केबीआर पार्क मतदाता नामांकन केंद्र का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने शहरवासियों से इस अवसर का उपयोग करने को कहा है क्योंकि केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें मतदाता सूची में त्रुटियों को ठीक करने और जिनका नाम नहीं है उन्हें पंजीकृत करने का अवसर दिया है। केबीआर पार्क में बनाए गए मतदाता नामांकन अभियान केंद्र का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। इस मौके पर पार्क में टहल रहे लोगों से पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में कोई गलती होने पर अपने विवरण में बदलाव कर सकते है। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने तथा सभी योग्य लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने की मंशा से मतदाता नामांकन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख पार्कों, थीम पार्कों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर नामांकन के लिए जागरूकता के साथ-साथ फॉर्म-8 और फॉर्म-6 के आवेदन कैसे भरे जाएं, यह भी बताएंगे। इस अवसर रक आयुक्त के साथ अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, संयुक्त आयुक्त मंगतायारु, डीसी प्रशांति और अन्य ने भाग लिया।

शमशाबाद क्लासिक कन्वेंशन में 19 अगस्त से पूज्य गिरी बापु महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाली शिवकथा में भाग लेने के लिए बतौर सम्मानित अतिथि जगदीश रेड्डी (डीसीपी, राजेन्द्रनगर), इन्द्रकरण रेड्डी (पर्यावरण मंत्री), महेश बैंक चेयरमैन रमेश बंग, श्री कृष्णा गौशाला के सुरेशजी महाराज को आमंत्रित करते हुए आयोजक नरेन्द्रकुमार गोयल, श्रीकिशन अग्रवाल व अन्य।

महापुरुषों का याद करना सराहनीय : मधुसूदन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले के अपर समाहर्ता मधुसूदन ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद तेलंगाना महान व्यक्ति की जयंती और पुण्यतिथि का आयोजन करना बहुत ही सराहनीय है। शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित सरदार सरवई पपन्ना जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि सरदार सरवई पपन्ना का जन्म 18 अगस्त, 1650 को वारंगल जिले के घनपुर मंडल, तातिकोंडा में गौड़ कुलनतुम्बा में हुआ था। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद को परिवार तक सीमित नहीं रखा और राज्य के लिए समाज के लिए काम किया, बल्कि उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक आम आदमी भी लगन से मेहनत करे तो शासक बन सकता है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशन्ना एवं सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

NOTICE

नोटिस वास्ते जाहिर करने वजह

(Civil Procedure Code Appendix 'H' Form no.4)

न्यायायल श्रीमान अपर जिला एवं सेंशन न्यायाधीश, सोजतसिटी

बइजलास श्रीमती नीतू आर्य (आर.एच.जे.एस.)

प्रार्थी- किरणसिंह व अन्य बनाम

अप्रार्थी- अमराराम व अन्य

सी.ए.ओ. - 10/2023

बाबत्

बनाम- श्री बोहराराम सीरवी परिहारिया वल्द श्री राजाराम, कौम सीरवी, साकिन बेरा नीचला, बहेड हरियामाली तहसील सोजत जिला पाली राजस्थान, हाल निवासी बोलाराम क्रोस रोड, सेरिलिंगमपल्ली, मियापुर के वी रंगारेड्डी, तेलंगाना-500045

इस अदालत में दरख्वास्त पेश है कि

लिहाजा आपको इत्तला दी जाती है कि तारीख 09 माह 09 सन् 2023 बरोज 10.00 बजे, वार ..... बजे दिन को अदालत हाजा में असालतन या अदालतन हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह करो, वरना दरख्वास्त मजकूर एक तरफा सुनी व फैसला की जावेगी।

बसव्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत आज दिनांक 07 माह 08 सन् 2023 जारी किया।

ओहदा

सम्मन बनाम मुदायलाह बिनावर कायमी तनकीहात (आर्डर रुल 1 व 5 जाब्ता दीवनी)

अज अदालत- श्रीमान अपर जिला न्यायाधीश, सोजत

बइजलास - श्रीमती नीतू आर्य (आर.एच.जे.एस.)

मुदई- किरणसिंह व अन्य बनाम मुदायलाह- अमराराम व अन्य

अर्न्तगत धारा 43 नियम 1 सी.पी.सी.

मुकदमा नम्बर सी.ए.ओ - 09/2023

बनाम-

श्री बोहराराम सीरवी परिहारिया वल्द श्री राजाराम, कौम सीरवी, साकिन बेरा नीचला, बहेड हरियामाली तहसील सोजत जिला पाली राजस्थान, हाल निवासी बोलाराम क्रोस रोड, सेरिलिंगमपल्ली, मियापुर के वी रंगारेड्डी तेलंगाना-500045

हरगाह कि प्रार्थीगण ने आपके खिलाफ एक प्रार्थना पत्र अर्न्तगत धारा 43 नियम 1 सी.पी.सी. का दायर किया है, लिहाजा आपको ब-जरिये इस तहरीर के दावे की जवाबदेही के लिए तारीख 09 माह 09 सन् 2023 को दिन 10 ए.एम. बजे दिन के अदालत हाजा मे असालतन मार्फत् ऐसे वकील के जो हालत मुकदमे से वाकिफ किया गया हो व कुल अमूर अहम मुताबिक जवाब दे सके, हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और आपको हिदायत दी जाती है कि जुमले दस्तावेज जिन पर आप अपनी जवाबदेही की ताईद मे इस्तेमाल करना चाहता हो, उस दिन पेश करो।

आगाह रहो कि अगर वकील मजकूर आप हाजिर न हुए तो वाद आपकी गैर हाजरी मे सुना व फैसला किया जायेगा।

बसिश्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 07 माह 08 सन् 2023 को जारी किया गया।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को

जल्द भारत लाने का रास्ता साफ, अमेरिकी अदालत ने ठुकराई याचिका

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यापारी तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। जिसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा उसे भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणपत्र जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। 'सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया' में 'यूनाइटेड स्टेट डिस्ट्रिक्ट' के न्यायाधीश डेल एस फिशर ने 10 अगस्त के अपने आदेश में लिखा, ''अदालत ने एक अलग आदेश जारी कर तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है।'' बहरहाल, राणा ने इस आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट' में याचिका दाखिल की है और उस पर सुनवाई होने तक उसके भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया है।

राणा ने जून में अमेरिकी अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी, जिसमें उसे भारत प्रत्यर्पित किए जाने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार किया गया था।

न्यायाधीश फिशर ने अपने आदेश में कहा कि राणा ने अपनी याचिका में दो मूल दलीलें पेश की हैं। उन्होंने कहा कि पहली दलील यह है कि संधि के तहत उसे प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता, क्योंकि भारत उसके खिलाफ उन कृत्यों के लिए अभियोग चलाना चाहता है, जिन्हें लेकर अमेरिका की एक अदालत ने उसके खिलाफ आरोप लगाए थे और उसे बरी कर दिया था। तथा दूसरा तर्क यह है कि सरकार ने यह बात साबित नहीं की है कि यह मानने का संभावित कारण है कि राणा ने भारत में वे अपराध किए जिन्हें लेकर उसके खिलाफ अभियोग चलाया जाना है। न्यायाधीश ने दोनों ही दलीलें खारिज कर दीं।

इस फैसले के खिलाफ याचिका लगाई

न्यायाधीश के इस आदेश के बाद राणा के वकीलों पैट्रिक ब्लेगन और जॉन डी क्लिने ने 'यूनाइटेड स्टेट कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द नाइंथ सर्किट' में इसके खिलाफ याचिका दायर की। अमेरिका सरकार ने राणा द्वारा दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार करने का जून में आग्रह किया था।

एनआईए कर रही जांच

भारत में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रहा है। इन हमलों के दौरान अजमल कसाब नामक आतंकवादी जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 21 नवंबर 2012 को भारत में फांसी की सजा दी गई। बाकी आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने हमलों के दौरान ढेर कर दिया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिक सहित कुल 166 लोगों की जान गई थी।

एमपी की अवहेलना मामले में छतरपुर के पूर्व कलेक्टर और सीईओ को 7-7 दिन की सजा, जुर्माना भी लगाया

जबलपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने छतरपुर के पूर्व कलेक्टर शीलेंद्र सिंह और जिला पंचायत के सीईओ अमर बहादुर सिंह को सात-सात दिन की सजा सुनाई है। साथ ही पचास-पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला कोर्ट की अवहेलना से जुड़ा है। पिछले महीने कोर्ट ने उन्हें इस मामले में दोषी करार दिया था। जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने अपने फैसले में छतरपुर के पूर्व कलेक्टर शीलेंद्र सिंह और जिला पंचायत के सीईओ अमर बहादुर सिंह को कोर्ट का आदेश न मानने का दोषी करार दिया था। पहले 11 अगस्त को सजा सुनाई जानी थी। हालांकि, मामला टला और शुक्रवार को सजा सुनाई गई है। छतरपुर में पहली बार किसी कलेक्टर और अपर कलेक्टर को न्यायालय की अवहेलना के मामले में दोषी करार दिया गया है। छतरपुर स्वच्छता मिशन के तहत रचना द्विवेदी जिला समन्वयक को छतरपुर से बड़ा मलहरा स्थानांतरित कर दिया गया था। संविदा नियुक्ति में स्थानांतरण करने का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता का ट्रांसफर कर दिया गया था। इस ट्रांसफर के खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने स्टे दिया था। रचना त्रिपाठी के बड़ा मलहरा ज्वाइन न करने के कारण उसे सेवा से पृथक कर दिया गया था। उसके खिलाफ उसने दोबारा न्यायालय में शरण ली। न्यायालय को अपने अधिवक्ता के माध्यम से बताया कि न्यायालय के आदेश का पालन नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता को नौकरी से निकाल दिया गया है। अन्य किसी व्यक्ति को अपीलार्थी की जगह सेवा में रखा गया है। इस संबंध में याचिकाकर्ता रचना द्विवेदी का कहना है कि दोनों जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के पास में लगातार ज्वाइनिंग करने के लिए चक्कर लगाती रही।

रविंद्र जडेजा की विधायक पत्नी रिवाबा के साथ

'बहस' क्यों हुई और क्या हुआ था, बीजेपी सांसद ने बताया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की विधायक रिवाबा जडेजा और सांसद पूनमबेन माडम के बीच हुई तकरार का मामला अब थमता हुआ नजर आ रहा है। मामले को बढ़ता देख जामनगर से सांसद पूनम माडम ने मीडिया के सामने स्पष्टीकरण दिया और उन्होंने कहा कि रिवाबा उनकी छोटी बहन हैं। बता दें कि मेरी माटी मेरा कार्यक्रम के तहत लखोटा झील पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम था। इस दौरान पूनम माडम चप्पल पहनकर हार अर्पित करने गई थीं। वहीं रिवाबा जडेजा चप्पल उतारकर स्मारक पर पहुंची। आरोप है कि पूनम माडम ने टिप्पणी की कि कुछ लोग स्मार्ट बनते हैं। इसके बाद रिवाबा को गुस्सा आया और उन्होंने वहीं पर पहले मेयर और फिर सांसद पूनम माडम को खरी-खोटी सुना दी थी। मीडिया की मौजूदगी में तीन महिला नेताओं के साथ हुआ झगड़ा वायरल हो गया था। झगड़े के बाद मेयर बीना कोठारी ने इस पूरे मामले को बीजेपी का आंतरिक और पारिवारिक मामला करार दिया था। वहीं रिवाबा जडेजा ने कहा था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद अब पूनम माडम की सफाई आई है। पूनम माडम ने कहा, 'जो कुछ हुआ। वह बहुत कम समय में हो गया। यह गलतफहमी के चलते हुआ। ग्रुप फोटो के लिए एक डेढ़ मिनट में जो संवाद हुआ। उसके अलावा न आगे कुछ और न पीछे कुछ है। बीजेपी एक परिवार है। वह हमेशा रहेगा। परिवार में कई बार बर्तन खटक जाते हैं। लेकिन कोई बड़ी बात नहीं है।' पूनम माडम ने कहा कि वायरल वीडियो एक छोटी गलतफहमी का नतीजा है। बड़ा कुछ भी नहीं है। पूनम माडम ने कहा कि हर एक कार्यकर्ता कोशिश करता है। पार्टी के लिए काम करता है। पूनम माडम जब मीडिया के बीच आई थीं तो नरम नजर आ रही थीं।

चिन्यालीसौड़ में हेलिकॉप्टर की हुई आपातकालीन लैंडिंग, तीन सवारियों को लेकर भरी थी उड़ान

उत्तरकाशी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। चिन्यालीसौड़ में हेलिकॉप्टर की आपातकालीन लेंडिंग हुई। जानकारी के अनुसार देहरादून सहस्त्रधारा से डेली सर्विस हेलिकॉप्टर सेवा तीन सवारियों को लेकर चिन्यालीसौड़ और गोचर हवाईपट्टी के लिए उड़ा था। हेलिकॉप्टर ने पहले एक सवारी को चिन्यालीसौड़ उतारा। उसके बाद गोचर हवाईपट्टी के लिए टेकऑफ़ किया। जैसे ही हेलिकॉप्टर कुछ दूरी पर उड़ा तो हेलिकॉप्टर के पंखे में खराबी आने के कारण दुर्घटना को भाँपते हुए पायलेट ने वापस चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी में आपातकालीन लेंडिंग कर दी। सभी लोग सुरक्षित हैं। गोचर की सवारियों को टेक्सी से देहरादून भेजा जा रहा है।

बीजेपी को वोट देने वालों को बताया था राक्षस

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला पर दिल्ली में दर्ज हुई शिकायत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने बीजेपी वोटर्स को राक्षस बताया था। उनके इसी बयान पर उनके खिलाफ बुधवार (16 अगस्त 2023) को दिल्ली के रोहिणी थाने में शिकायत दी है। बीजेपी नेता संजय गुप्ता ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। रणदीप सुरजेवाला हरियाणा के कैथल में जन आक्रोश रैली को संबोधित कर रहे थे। इस रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'वो सभी लोग जो बीजेपी को वोट देते हैं वो राक्षस हैं, वो सभी लोग जो बीजेपी की विचारधारा का समर्थन करते हैं उनमें राक्षसी प्रवृति है। मैं ऐसे लोगों को महाभारत की धरती से खड़े होकर शाप देता हूं।'

अनुराग ठाकुर ने की आलोचना

बीजेपी समर्थकों को राक्षस बुलाने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, 'यह कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है, वे बीजेपी को वोट देने वालों को 'राक्षस' कहते हैं; इसका मतलब है कि वे भारत के 140 करोड़ लोगों को 'राक्षस' कह रहे हैं।'

मध्यप्रदेश के प्रभारी बनाए गये रणदीप सुरजेवाला

कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरजेवाला को मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया है। पार्टी ने मध्य प्रदेश के लिए अपने प्रभारी जयप्रकाश अग्रवाल को कार्यमुक्त करते हुए महासचिव रणदीप सुरजेवाला को राज्य के प्रभारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंप दी। मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

कर्नाटक के प्रभारी थे सुरजेवाला

कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला फिलहाल कर्नाटक के प्रभारी हैं जहां कुछ महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी जीत मिली थी। हाल ही में सुरजेवाला को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। हाल ही में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी को कांग्रेस के मुद्दे पर घेरा था।

मुझे गधे पर बैठाकर शहर में जुलूस निकाले जनता

कांग्रेस विधायक ने जताई अजीब ख्वाहिश

श्योपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अपने विवादित बयानों और प्रदर्शनों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल एक बार फिर अपनी अजब ख्वाहिश को लेकर चर्चा में हैं। इस बार विधायक जंडेल ने इच्छा जताई है कि जनता उन्हें गधे पर बैठाकर शहरभर में जुलूस निकाले और फिर मरघट पर ले जाकर पूजा-पाठ करे। हालांकि, विधायक ने यह ख्वाहिश बारिश की कामना के लिए टोटके के रूप में अपनाने जताई है। लेकिन विधायक की इस अजीब इच्छा को लोग सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने मीडिया के सामने गधे पर बैठाकर जुलूस निकालने की इच्छा जाहिर की है। विधायक का मानना है कि क्षेत्र के मुखिया को गधे पर बिठाकर घुमाया जाए और आखिरी में श्मशान पहुंचकर पूजा प्रार्थना की जाए तो तत्काल बारिश हो जाती है। विधायक का कहना है कि यह एक आजमाया हुआ टोटका है जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल खबरों में कहीं देखा था। इसे लेकर अब वह श्योपुर की जनता से अपील कर रहे हैं कि वो भी इस टोटके को करे। इस क्षेत्र के मुखिया यानी विधायक को गधे पर बैठाकर गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाले तो इंद्रदेव प्रसन्न होंगे और बारिश जरूर होगी। यह बता दें कि ग्वालियर-चंबल संभाग में बारिश के इस सीजन में अल्पवर्षा के चलते धान की फसल करने वाले किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। बिजली भी काम मिल रही है। इस वजह से ट्यूबवेल ठीक से नहीं चल पा रहे। इस हालात में किसानों की फसल पर बुरा असर न पड़े, इसलिए विधायक ने खुद को गधे पर बैठाकर जुलूस निकालने की इच्छा जाहिर की है। पता हो कि विधायक जंडेल आए दिन अजीब बयानबाजी और प्रदर्शनों को लेकर राजनैतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बने रहते हैं। वे दो साल पहले बाढ़ के मुद्दे को लेकर विधानसभा में कुर्ता फाड़ प्रदर्शन कर चुके हैं, तो कई दफा बिजली के पोल पर चढ़कर बिजली सप्लाई चालूकर सुर्खिया बटोर चुके हैं।

नूंह हिंसा पर दिल्ली एचसी की महिला वकीलों ने सीजेआई को भेजा लेटर पीटिशन

हेट स्पीच पर दें कार्रवाई का आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट की महिला वकील फोरम ने भारत के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र याचिका भेजी है। इसमें हरियाणा में नूंह हिंसा के बाद कुछ समुदायों विशेष के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान करने वाले सोशल मीडिया पर जारी वीडियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। 101 महिला वकीलों द्वारा साइन की गई इस लेटर पेटिशन में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह हरियाणा सरकार को नफरत भरे भाषण की घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने, कानून के मुताबिक ऐसे वीडियो पर प्रतिबंध लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दे। दरअसल नफरत भरे भाषण और हिंसा भड़काने वाले वीडियो के प्रसार पर महिला वकीलों ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अपनी याचिका में बताया कि वह लोग दिल्ली और गुड़गांव में रहने वाले कानूनी पेशे से जुड़ी और दिल्ली हाई कोर्ट महिला वकील फोरम के सदस्य हैं। उन्होंने अपनी याचिका में कोर्ट से कहा कि हम इसके माध्यम से, आपके संज्ञान में इस तथ्य को लाना चाहते हैं कि नफरत भरे भाषण वाले वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। उन्होंने कोर्ट से कहा कि हम हरियाणा राज्य को नफरत फैलाने वाले भाषण की घटनाओं को रोकने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा बार-बार जारी किए गए निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें तुरंत उनपर प्रतिबंध लगाने के लिए तत्काल और शीघ्र दिशा-निर्देश चाहते हैं। ये वीडियो नफरत फैलाने वाले भाषण को बढ़ावा देते हैं और डर का माहौल पैदा करते हैं।

'दोपहर में क्लास नहीं', दिल्ली के बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए एक्शन प्लान तैयार

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के स्कूलों में हीटवेव से निपटने के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया गया है। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने सुझाव दिया कि गर्मी में दोपहर के समय स्कूलों में क्लास न हो। प्रपोजल में कहा गया है कि हीटवेव से बचने के लिए स्कूल की छतों को सफेद रंग से रंगा जाए जिसे आमतौर पर 'कूल रूफ' या 'ठंडी छत' भी कहा जाता है। ज्यादा तापमान वाले इलाकों में मेडिकल मोबाइल वैन की सुविधा हो ताकि किसी भी आपात स्थिति में जरूरतमंदों को अस्पताल पहुंचाया जा सके या उन्हें मेडिकल एड दिया जा सके। इन सुझावों के साथ डीडीएमए ने अपना प्रपोजल नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी को भेजा है। डीडीएमए के प्रस्ताव में कहा गया है कि गर्मी के मौसम में स्कूल, अस्पतालों में बिजली की पर्याप्त

आपूर्ति हो, शिक्षकों को गर्मी में क्लास के भीतर बचाव के लिए ट्रेनिंग दी जाए और अस्पतालों में डेडिकेटेड बेड की सुविधा रखी जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने कहा कि इस प्लान को खासतौर पर उन क्षेत्रों में लागू किया जाने की जरूरत है, जहां तापमान के बढ़ने से हालात बिगड़ने का खतरा रहता है। आमतौर पर तापमान बढ़ने से घरों, स्कूलों की छत और दीवार अत्यधिक गर्म हो जाती हैं। इससे कमरे के भीतर उमस बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं है।

दिल्ली के पास हीटवेव से निपटने का नहीं कोई प्लान

डीडीएमए के एक अधिकारी के मुताबिक, जांच और सुझावों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को शामिल किया गया और प्रपोजल पर फिर से विचार के लिए एनडीएमए को भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि प्रपोजल में सुझावों की लिस्ट तैयार की गई है, जो हीटवेव के प्रभाव को कम करने के लिए इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पिछले साल राजधानी में बहुत गर्मी पड़ी और तब दिल्ली के पास गर्मी से निपटने के लिए कोई एक्शन प्लान नहीं था। इसी को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

दिल्ली के इन वार्डों में लागू होगा एक्शन प्लान

हीट एक्शन प्लान को लागू करने के लिए उन वार्डों को चुना जाएगा जहां मई 2019 में तापमान अधिक दर्ज किया गया। इनमें हरकेश नगर, ख्याला, वजीरपुर, बिजवासन, विश्वास नगर, हरि नगर, जहांगीरपुरी, दिल्ली गेट और शास्त्री पार्क जैसे वार्ड शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डीडीएमए ने बताया कि तब नरेला में धरती की सतह का अधिकतम तापमान 60.48 डिग्री और नजफगढ़ में 59.06 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इन वार्डों में पानी, बिजली, स्वास्थ्य, आवास, खाना पकाने और स्वच्छता तक पहुंच सहित पहलुओं पर विचार करते हुए हीटवेव भेद्यता का विश्लेषण किया गया।

घाटी में आतंकवाद के बाद तेजी से फैल रहा नशे का कारोबार

चपेट में 7 लाख युवा- डीजीपी ने दी चेतावनी

जम्मू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकवाद के अलावा एक और खतरा तेजी से बढ़ रहा है और युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। घाटी में युवाओं को ड्रग्स और नशीले पदार्थों की लत लग रही है। जिसे लेकर जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने भी चिंता जताई है और कहा है कि अगर इस चुनौती से नहीं निपटा गया तो ये आतंकवाद से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर हमने ध्यान नहीं दिया तो एक बहुत बड़ा दर्द हमारा इंतजार कर रहा है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि हमें ये मानना होगा कि ये बहुत गंभीर और बड़ी समस्या है। मौजूदा दौर में नशीली दवाओं के जिस खतरे का जम्मू-कश्मीर के लोग सामना कर रहे हैं वो आतंकवाद से भी बड़ा खतरा है। डीजीपी ने बताया कि अब पाकिस्तान में मौजूद एजेंसियां आतंकवाद के साथ-साथ नशीली दवाओं का कारोबार भी कर रही हैं, जिससे उन्हें आतंक के लिए फंडिंग जुटाने में तो आसानी होती ही है, साथ ही सामाजिक अपराध को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। अब पाकिस्तान के रास्ते ड्रग्स तस्करी तेज हो गई है। ठीक ऐसा ही पंजाब में किया गया, जब वहां उग्रवाद की समस्या खत्म हो गई तो नशीली दवाओं से प्रभावित किया गया। डीजीपी ने बताया कि वो इस दिशा में कई तरह के कदम भी उठा रहे हैं।

'राज्य सरकार करेगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 रद्द'

उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने की घोषणा

बेंगलूरू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को रद्द करने का निर्णय लिया है।

यह है मामला

बता दें, देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लागू की जानी है। केंद्र सरकार ने साल 2020 में इसकी घोषणा की थी और 2021 में कर्नाटक देश का पहला ऐसा राज्य बना था, जहां यह लागू की गई थी। तत्कालीन बीजेपी के मुख्यंत्री बसवराज बोम्मई ने एनईपी लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन अब इसे रद्द करने का फैसला लिया गया है। कर्नाटक के

वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में एनईपी को वापस लेने की घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि सत्ता में आने के बाद हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को रद्द करने का वादा किया था। हम उस वादे के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे पूछा कि कर्नाटक में सबसे पहले एनईपी लागू करने की इतनी जल्दी क्यों थी? गुजरात और उत्तर प्रदेश में एनईपी लागू क्यों नहीं की गई? उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक की शिक्षा प्रणाली देश के लिए एक मॉडल है। यही कारण है कि बेंगलुरु आज आईटी हब है। हमारी अच्छी शिक्षा प्रणाली के कारण ही राज्य के कई लोग विदेशों में अच्छे पदों पर हैं। गौरतलब है, इससे पहले सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि राज्य में अगले शैक्षणिक वर्ष से राष्ट्रीय शिक्षा नीति रद्द कर दी जाएगी। सीएम ने कहा था कि कुछ तैयारियां करने के बाद एनईपी को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने और सरकार बनने तक शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया था। छात्रों की पढ़ाई में बाधा न आए इसे देखते हुए फैसला लिया गया यह नीति इस साल जारी रहेगी। इस साल की शुरुआत में जुलाई में, कर्नाटक के प्राथमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा था कि राज्य शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को नहीं अपनाने का फैसला किया है,

'हार्ट स्पेशलिस्ट' ने मैट्रिमोनियल साइट्स से 22 महिलाओं को बनाया शिकार, शादी का झांसा देकर लूटे 4.50 करोड़

अहमदाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। शादी के लिए मनपसंद जीवनसाथी ढूंढने के लिए लोग मैट्रिमोनियल साइट्स का सहारा लेते हैं। चैटिंग, फोन और वीडियो कॉल्स से शुरू हुआ सफर शादी तक पहुंचता है और लोग पूरी जिंदगी एक-दूसरे के साथ बिताने का फैसला करते हैं। अहमदाबाद की एक डर्मेटोलॉजिस्ट भी अपना हमसफर ढूंढने के लिए मैट्रिमोनियल साइट पर आई, लेकिन उसको क्या पता था कि उसे यहां लाखों रुपये की चपत लग जाएगी। जिसके साथ वह अपनी पूरी जिंदगी बिताने के सपने देख रही थी उसने उसका दिल तो तोड़ा ही, साथ में 18 लाख रुपये भी ठग लिए। ब्रिटेन का यह हार्टस्पेशलिस्ट 22 महिलाओं को अपने प्यार के जाल में फंसाकर साढ़े 4 करोड़ रुपये लूट चुका है, लेकिन उसका भांडा तब फूटा जब डर्मेटोलॉजिस्ट ने उसके अचानक गायब होने की खबर पुलिस को दी। जब जांच शुरू हुई तो पता चला कि दिलों का इलाज करने वाला यह हार्ट स्पेशलिस्ट न जाने कितनी लड़कियों के दिलों के साथ खेल चुका है और उन्हें करोड़ों रुपये की चपत भी लगा चुका है। अगस्त की शुरुआत में 35 वर्षीय डर्मेटोलॉजिस्ट ने वूमेन हेल्पलाइन नंबर पर डॉक्टर के अचानक लापता होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि डॉक्टर दिलिप कुमार, जिससे वह मैट्रिमोनियल साइट पर मिली थी, अचानक गायब हो गया है। इसके बाद साइबर क्राइम हेल्पलाइन के जरिए यह मामला सीआईडी (क्राइम) के पास पहुंचा तो पता चला कि इस डॉक्टर ने अलग-अलग प्रोफाइल्स के जरिए 30-40 महिलाओं को अपना निशाना बनाया। सीआईडी के साइबरसेल के एक सदस्य ने बताया कि पहले तो डर्मेटोलॉजिस्ट यह मानने को ही तैयार नहीं थीं कि उनके साथ फ्रॉड हुआ है और जिसके साथ वह जिंदगी बिताने के सपने देख रही थीं, ये फ्रॉड करने वाला भी वही है। जांच में पता चला कि खुद को हार्ट स्पेशलिस्ट बताने वाले इस शख्स की अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मैट्रिमोनियल साइट्स पर 30-40 प्रोफाइल हैं। जब किसी महिला को उस पर भरोसा हो जाता था तो वह मेडिकल इमरजेंसी या अन्य कारण बताकर पैसों की डिमांड करता था। इतना ही नहीं उनसे खुद को महंगे-महंगे गिफ्ट देने के लिए भी कहता था। सीआईडी के अधिकारियों ने बताया कि कई महिलाएं उससे इतनी ज्यादा आकर्षित थीं कि वह उसके खिलाफ कोई बयान देने को ही तैयार नहीं थीं इसलिए उन्हें विश्वास दिलाया गया

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 19 अगस्त- 2023

महिलाओं को बराबरी का हक

यह पहली बार हुआ है कि महिलाओं के प्रति प्रयोग की जाने वाली भाषा को परिष्कृत करने करने का प्रयास किया गया है। इसके पहले संविधान में महिलाओं और पुरुषों के बीच के भेद को समाप्त करने के लिए समय-समय पर कई प्रावधान किए जा चुके हैं। देखा जाए तो अपने यहां किसी की बोली और भाषा से ही पता चल जाता है कि वह कितने सभ्य समाज का अंग है। किसी संस्था और व्यक्ति की पहचान इससे भी होती है कि वह अपने व्यवहार में किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहा है। वह जब किसी महिला के प्रति उपयोग करने वाले शब्दों का उच्चारण करता है तो उससे भी उसकी सामाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि कैसी है का पता चल जाता है। देखा जाए तो देश के अधिकतर समाजों में स्त्रियों के प्रति बहुत सारे ऐसे शब्द इजाद किए गए हैं जिसे सभ्य समाज में अपमानजनक कहा जाता है। इस तरह के शब्द जब चलन में आ जाता है तो धीरे-धीरे वह प्रशासनिक और अदालती कामकाज तक में भी अपनी पहुंच बना लेता है। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई ने ऐसे शब्दों के प्रयोग पर नाराजगी तो जाहिर की ही साथ ही उन्हें अदालती भाषा से बाहर करने का फैसला भी किया। एक टीम बना कर ऐसे शब्दों की पहचान की गई, जो महिलाओं के लिए प्रायः समाज में रूढ़ और अपमानसूचक थे। यही नहीं उन शब्दों की जगह कौन से शब्द अच्छे हो सकते हैं ऐसे शब्दों और वाक्यों के विकल्प भी तलाशे गए और फिर 'हैंडबुक आन कांबैटिंग जेंडर स्टीरियोटाइप' शीर्षक से तीस पन्नों की एक पुस्तिका प्रकाशित तैयार की गई। इसमें उन शब्दों की सूची प्रकाशित की गई है, जो अदालती कामकाज में अब प्रयोग में नहीं आ सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उन रूढ़ हो चुके शब्दों के बजाय उनके सम्मानजनक विकल्पों का उपयोग किया जाए। यह पुस्तिका वकीलों और न्यायाधीशों दोनों के लिए है, ताकि वे भविष्य में जिरह करते समय इसका ध्यान रखें। यह पहली बार है जब किसी सीजेआई का ध्यान अदालती भाषा में घुसपैठ कर चुके स्त्रियों के प्रति इस्तेमाल होने वाले रूढ़ और अपमानसूचक शब्दों की तरफ गया। इस साल महिला दिवस पर उन्होंने इस पर न सिर्फ अफसोस जाहिर किया, बल्कि उन शब्दों को हटाने का उपक्रम भी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं के प्रति किसी भी ऐसे शब्द का उपयोग नहीं होना चाहिए, जिससे उनका सम्मान आहत होता हो। सीजेआई की पहल से निस्संदेह अदालत की भाषा में महिलाओं की सम्मानजनक जगह बनेगी। यह उन तमाम संस्थाओं के लिए भी नजीर बनेगी, जो बिना सोचे-समझे कुछ भी अनाप-शनाप बकते रहते हैं। जाहिर है इसका असर धीरे-धीरे बौद्धिक समाज और फिर उसके नीचे समाज पर भी दिखना शुरू होगा। देखा गया है कि शिक्षा का स्तर उठने के बावजूद महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया संकीर्ण ही है। उन्हें अपमानित करने की मंशा से लोक और शास्त्रीय भाषा में भी बहुत सारे ऐसे शब्द गढ़ लिए गए हैं, जिन्हें गाली ही कहा जा सकता है। आंचलिक भाषा में तो और भी हालत खराब है। इनके अलावा भी बहुत सारे ऐसे शब्द गढे गए हैं, जो अपमानजनक हैं और सामान्य कामकाज की भाषा में चलन में आ चुके हैं। जैसे, बिन व्याही मां। सर्वोच्च न्यायालय ने इसकी जगह केवल मां शब्द का प्रयोग करने का सुझाव दिया है। इसी तरह के शब्दों की लंबी सूची है। जब शीर्ष संस्थाएं भाषा को लेकर सावधानी बरतना शुरू करती हैं, तो उसका प्रभाव नीचे तक पहुंचने लगता है। जाहिर है लोग अब महिलाओं के प्रति इन रूढ़ हो चुके शब्दों से परहेज करेंगे। समाज में महिलाओं के प्रति लैंगिक भेदभाव के अनेक स्तर हैं, लेकिन उनकी भाषा भी एक है। अब वह सुनिश्चित हो सका है कि महिलाओं के प्रति लोग परिष्कृत भाषा का ही उपयोग करेंगे। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने जो ताजा पहल की है उससे निश्चित ही महिलाओं के प्रति समुचित सम्मान बढ़ेगा।

नेपाल के फिर से हिन्दू राष्ट्र की ओर बढ़ते कदम

राज सक्सेना

नेपाल का इतिहास बहुत उथल-पुथल भरा रहा है। अपने विनिर्मितिकरण से ही अनेक रक्तरंजित गृहयुद्ध इसके इतिहास में दर्ज हैं। अपनी स्थापना से ही नेपाल स्वयं को एक मात्र हिन्दू राष्ट्र के रूप में विश्व के इतिहास में दर्ज कराए रहा। किन्तु राजशाही के विरुद्ध नेपाली कम्युनिस्ट पार्टियों के सशस्त्र विद्रोह के पश्चात 18 मई 2006 को अपनी पुनर्स्थापित सार्वभौमिकता का उपयोग करके नयी नेपाली प्रतिनिधि सभा ने, राजा के अधिकार में कटौती कर दी तथा नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित कर दिया। नवनिर्वाचित संविधान निर्माण करने वाली संविधान सभा की पहली बैठक द्वारा 28 मई 2008 में नेपाल को औपचारिक रूप में एक संघीय गणतन्त्रात्मक राष्ट्र घोषित किया गया। सितंबर 2015 में नेपाल की जनप्रतिनिधि सभा से नया संविधान पास किया गया जिसके अनुसार नेपाल से औपचारिक रूप से विश्व का एकमात्र हिंदू राष्ट्र होने का दर्जा छीन कर उसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का दर्जा दे दिया गया। हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने एवं पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनने की घोषणा से नेपाल के हिंदुओं में यद्यपि बहुत आक्रोश देखा गया मगर इसका कोई अधिक विरोध सड़कों पर नहीं आया। इस बात को देखते हुए नेपाल की 'नेपाल जनता पार्टी' जो भारत की भारतीय जनता पार्टी की तर्ज पर बनी एक हिंदुओं की पार्टी होने का दावा करती है, ने नेपाली वर्ष विक्रम संवत 2061 में दल का औपचारिक गठन कर अपना भविष्य हिंदुओं के बीच तलाशने की चेष्टा प्रारम्भ की। वर्ष 2021 की नेपाल की जनगणना के अनुसार नेपाल में 81.79 प्रतिशत आबादी हिंदुओं की है। दूसरे नंबर पर बौद्ध 8.2 प्रतिशत है, मुसलमानों की संख्या 5.09% के साथ तीसरी बड़ी संख्या है। पिछले एक दशक के दौरान नेपाल में हिंदुओं और बौद्धों की जनसंख्या में कमी आई है जबकि मुसलमानों एवं ईसाइयों की संख्या बढ़ी है। नेपाल जनता पार्टी को इसमें भी भारत की भांति काफी संभावना नजर आ रही है। नेपाल जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष खेमनाथ का मानना है कि तुष्टिकरण की नीति एवं पहाड़ी एवं तराई क्षेत्र के लोगों के बीच खेमेबंदी कराकर वर्तमान सरकार देश के माहौल को बिगाड़ रही है। यही कारण है कि सभी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों का जनाधार धीरे-धीरे खिसकता जा रहा है। भारत की तर्ज पर पड़ोसी देश नेपाल में भी यह राजनीतिक दल 'नेपाल जनता पार्टी' तेजी से उभरने लगा है जो करीब तीस वर्षों से स्थापित राजनैतिक दलों के लिए भविष्य में खतरा बन सकता है। 'नेपाल जनता पार्टी' एनजेपी का चुनाव चिन्ह, भाजपा की तरह कमल है। विचारधारा के स्तर पर भी समानता है। दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मक मानवतावाद से ऊर्जा लेकर एनजेपी भी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रास्ते पर चल निकली है। स्थानीय निकाय चुनाव में पहली बार 17 सीटें जीतकर एनजेपी ने सफलता की राह पर पहला कदम तो रख ही दिया है। नई दिल्ली के दौरे पर आए एनजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष खेमनाथ आचार्य का दावा है कि 81% से ज्यादा हिंदू आबादी वाले नेपाल के अगले आम चुनाव के लिए पार्टी ने काफी बड़ी तैयारी की है। 275 सीटों वाली नेपाली सांसद प्रतिनिधि सभा में आधे से अधिक सीटों पर फोकस करके काम किया जा रहा है। महीने भर पहले काठमांडू में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी खोल दिया गया है। बिहार भैरहवां में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। ढाई महीने में पार्टी में चालीस हजार से अधिक नए सदस्यों को जोड़ा गया है।

राजस्थान में वसुंधरा राजे के साथ भाजपा कर रही है खेला ?

अशोक भाटिया

राजस्थान विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा फूंक-फूंक के कदम रख रही है। हालांकि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की भूमिका पर अभी सस्पेंस बरक़रार है लेकिन, ये भी सही है कि वसुंधरा को इग्नोर करना भाजपा के लिए मुश्किलें भी खड़ी कर सकता है।दरअसल, भाजपा ने इसी साल के अंत में होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र कमेटी के गठन की घोषणा की। इन दोनों समितियों में वसुंधरा का नाम नहीं है।भाजपा ने चुनाव प्रबंधन समिति की कमान नारायण पंचारिया को सौंपी है तो संकल्प समिति के संयोजक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल बनाए गए हैं। राजस्थान चुनाव को लेकर गठित दोनों कमेटियों में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को जगह नहीं मिल सकी है। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि राजस्थान की सियासत में वसुंधरा राजे के साथ क्या 'खेला' हो गया है? राजस्थान की सियासी जंग फतह करने की कवायद में भाजपा जुटी है। भाजपा ने सूबे के चुनाव को लेकर दो महत्वपूर्ण कमेटियों का गठन किया है, लेकिन किसी में भी वसुंधरा राजे को जगह नहीं दी गई है। वसुंधरा राजे प्रदेश में भाजपा की सबसे बड़ी नेता हैं। वो राज्य में दो बार की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और तीसरी बार मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में भी शामिल हैं। इसके बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री फेस को लेकर अपने पत्ते नहीं खोल रही है जबकि वसुंधरा खेमा लगातार प्रेशर पॉलिटिक्स का दांव चल रहा है। बता दें कि भाजपा पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में किसी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने के बजाय सामूहिक नेतृत्व में उतरना चाहती है। भाजपा मोदी के चेहरे पर ही किस्मत आजमाने की कोशिश में है। कई नेता इसके संकेत भी दे चुके हैं जिसके चलते लगता है कि वसुंधरा राजे ने पार्टी के चुनावी अभियान से किनारा किया हुआ हैं। न ही गहलोत सरकार के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन में नजर आईं और न ही भाजपा की बैठकों में दिख रही हैं। वसुंधरा राजे के करीबी और सात बार के विधायक रहे देवीसिंह भाटी साफ तौर पर कह चुके हैं कि राजस्थान में वसुंधरा राजे के मुकाबले ऐसा कोई चेहरा नहीं जो भाजपा की सत्ता में वापसी करवा सके। वसुंधरा को चेहरा नहीं बनाया जाता है तो उनके समर्थक तीसरा मोर्चा बनाएंगे। भाजपा जिस तरह से मास लीडर और स्थानीय नेताओं को साइड लाइन कर रही है, ये भाजपा के लिए ठीक नहीं है। राजस्थान में यह हुआ तो भाजपा को यहां भी हार का सामना करना पड़ेगा। राजस्थान में भाजपा का अब तक प्लान है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनावी रण में उतरेगी। चुनावी अभियान को धार देने की मुहिम को सीधे नरेंद्र मोदी संभाल रहे हैं। इसके लिए उन्होंने राजस्थान नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक भी की थी जिसमें उन्होंने भाजपा के सांसदों से फीडबैक लिया था। वसुंधरा राजे भी सांसदों के साथ हुई बैठक में शिरकत की थी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर किसी तरह के कोई संकेत नहीं दिए हैं। ये इस बात का संकेत है कि राजस्थान चुनाव में भाजपा केंद्र सरकार के काम और प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर जोर लगा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में अलग ही नारा गूंज रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी से बैर नहीं है और वसुंधरा राजे की खैर नहीं। पार्टी पिछले चुनाव में वसुंधरा राजे को आगे करके चुनाव लड़ा था, जिसका खामियाजा भी उठाना पड़ा था। यही वजह है कि भाजपा इस बार किसी तरह का कोई राजनीतिक रिस्क लेने के मूड में नहीं है। ऐसे में किसी भी स्थानीय चेहरे को आगे करने की बजाय सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव में उतरने की स्ट्रैटेजी बना रखी है। राजस्थान की सियासत में वसुंधरा राजे को भाजपा के चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प समिति में जगह नहीं मिलने से उम्मीद खत्म नहीं हुई हैं। अभी भी उनके पास विकल्प बचा हुआ है। राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर सबसे अहम माने जाने वाले इलेक्शन कैंपेन कमेटी की घोषणा होना बाकी है। किसी भी चुनावी राज्य में पार्टी के दिग्गज नेताओं की इलेक्शन कैंपेन कमेटी के चैयरमेन पद पर काबिज होने की होती है, क्योंकि यह वह व्यक्ति होता है जिसके पास पूरी पार्टी के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी होती है। वसुंधरा राजे की नजर निश्चित तौर पर इलेक्शन कैंपेन कमेटी की कमान अपने हाथों में लेने पर है, क्योंकि इस कमेटी पर काबिज होने से एक बात साफ हो जाएगी कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हो सकती हैं। इसीलिए वसुंधरा राज का विरोधी खेमा यह नहीं चाहता कि उन्हें कैंपेन कमिटी की जिम्मेदारी दी जाए हालांकि, जनाधार और सियासी पकड़ के मामले में वसुंधरा राजे राजस्थान भाजपा की सबसे बड़ी नेताओं में एक हैं । वैसे बता दें कि भाजपा ने कई बार चाहा कि वसुंधरा को राज्यपाल या केंद्र में मंत्री पद देकर मान बढ़ाया जाए लेकिन वसुंधरा ने राजस्थान ना छोड़ने की बात कहकर मना कर दिया। लेकिन अब जब राज्य चुनाव की चौखट पर खड़ा है उस वक्त उनकी अनदेखी वसुंधरा के गले नहीं उतर रही है । इसके पूर्व जब उनकी मुलाकात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई थी तब इस मुलाकात का उद्देश्य ये जानना था कि आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी क्या भूमिका रहेगी? करीब 1 घंटे तक चली बैठक में वसुंधरा को कुछ आश्वासन के साथ जयपुर रवाना कर दिया गया। बैठक में क्या हुआ, ये पता नहीं चल सका है। लेकिन जानकारों की मानें तो राजस्थान में आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता की बाट जोह रही भाजपा के लिए वसुंधरा को दरकिनार करना भारी पड़ सकता है। साल 2018 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था। इन चुनावों में कांग्रेस ने 200 में से 100 सीटों पर जीत दर्ज की थी, वहीं भाजपा 73 सीटों पर सिमट गई थी। 13 सीटें निर्दलीय के खाते में गई थी, तो वहीं बीएसपी 6 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। बहुमत से 1 सीट दूर गहलोत ने सबसे पहले बीएसपी के 6 विधायकों को कांग्रेस में मर्ज करवा दिया और कुछ निर्दलीय विधायकों के समर्थन से वो अपनी सरकार के पांच साल पूरे करने जा रहे हैं। राजस्थान के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो साल 1990 से अब तक किसी भी मुख्यमंत्री ने पांच साल पूरे करने के बाद वापसी नहीं की है। हर बार भाजपा और कांग्रेस एक-एक बार सत्ता में रही है। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कुछ कल्याणाकरी योजनाओं ने भाजपा के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। वहीं राज्य भाजपा में चल रही गुटबाजी भी उसके लिए एक बड़ा संकट बनकर उभरी है। यही वजह है कि राज्य में भाजपा की तरफ से कौन मुख्यमंत्री का चेहरा रहेगा इस पर कुछ भी क्लीयर नहीं है लेकिन राजस्थान की सबसे प्रभावशाली नेता और दो बार की मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा के लिए इस बार का चुनाव उनके राजनीतिक कद को तय करने वाला माना जा रहा है। सियासी हलकों में ऐसी भी चर्चा है कि भाजपा वसुंधरा राजे पर किसी भी तरह से दांव लगाने को तैयार नहीं हो सकती है क्योंकि कांग्रेस नेता सचिन पायलट लगातार पूर्व की वसुंधरा राजे सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं। कुछ दिनों पहले सचिन पायलट ने वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मौन रहकर धरना प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि वसुंधरा ने भी सचिन पायलट को जवाब देने में देरी नहीं करते हुए कोटा की रैली में साफ कह दिया था कि अधर्मी व्यक्ति को कभी राजयोग नहीं मिलता है।

महिला शिक्षा और जागरूकता से जुड़ा मानवाधिकारों का प्रश्न

संजीव ठाकुर

मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सी धा - सी धा शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई है1 इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पहलू की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही है1 मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। महिला शिक्षा तथा जागरूकता के अभाव में देश में सर्वाधिक मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की शिकार महिलाएं तथा बच्चे ही हैं।

अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे-सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है,और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है। मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है।

वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी। फल स्वरूप विश्व में समानता उदारता बंधुत्व के विचारों को बल मिलना शुरू हुआ, 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन एवं अमेरिका में दास प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बने। बीसवीं शताब्दी के आते-आते मानव अधिकारों को लेकर कई विश्वव्यापी सामाजिक परिवर्तन हुए जिसके अंतर्गत बालश्रम का विरोध एवं विभिन्न देशों में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। 1864 में जेनेवा समझौता से अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सिद्धांतों को ताकत प्राप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार को मान्यता प्राप्त हुई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मानव अधिकार संरक्षण संस्था बनी जो पूरे विश्व में अलग-अलग देशों में होते मानव अधिकार उल्लंघन पर नियंत्रण रखती है। पर ऐसा कुछ नहीं है। जो शक्तिशाली व्यक्ति है, राष्ट्र है, वह अपनी मनमानी करता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ और मानव अधिकार आयोग मूकदर्शक बना रहता है । इसका सबसे ताजा उदाहरण अफगानिस्तान पर तालिबानी आतंकवादियों का कब्जा है, अमेरिका, अफगानिस्तान छोड़कर चला गया। और अफगानिस्तान पर बर्बर युग की वापसी के साथ तालिबानी आतंक को अफगानिस्तान की जनता बुरी तरह झेल रही है। एवं महिलाएं तथा बच्चे हर स्तर पर अपमानित प्रताड़ित हो रहे हैं। ना तो संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ कर पा रहा है, और ना ही मानव अधिकार आयोग।अफगानिस्तान की आवाम ने पूरी दुनिया से गुहार लगाकर अपनी जान बचाने की अपील की थी,पर वे अभी भी तालिबानियों का आतंक रहने पर मजबूर हैं। 213 में पाकिस्तान के कारागृह में मौत की सजा काट रहे भारतीय कैदी सरबजीत सिंह पर वही के कैदियों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने पर उनकी मृत्यु हो गई मानव अधिकार आयोग चुप था।

म्यानमार में भी मानवाधिकारों के उल्लंघन की खुली घटनाएं देखी गई, मानव अधिकार आयोग शांत है। पर ऐसा भी नहीं है कि हम मानव अधिकार नियमों तथा आयोग के प्रति एकदम निराश हो जाएं। मानवाधिकार की धाराएं अच्छी एवं सशक्त हैं। मानवाधिकार के संदर्भ में जो संविधान बने हैं, उसमें किसी को भी गुलाम या दासता की हालत में ना कि नहीं रखा जा सकता, किसी को न तो शारीरिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती है।

ना ही किसी के प्रति अमानुषिक एक अपमानजनक व्यवहार किया जा सकता है। ऐसा किया जाता है और संविधान की धारों में प्रावधान होता है जो कड़ी से कड़ी सजा दे सकता है। मानवीय मूल्यों और संविधान के संदर्भ में हमें आशावादी दृष्टिकोण अपनाकर ज्यादा से ज्यादा कानून पर विश्वास रख, इन घटनाओं को रोकना चाहिए। भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 1993 में किया गया था। मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर जांच एवं सजा का प्रावधान भी रखा गया है। वस्तुतः शिक्षा के साथ मानव अधिकार संविधान के बारे में भी आम जन को हमें ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की आवश्यकता होगी।

184 वर्षों में बदल गई है तस्वीरों की दुनिया

योगेश कुमार गोयल

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए कई-कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था और उसके सप्ताह भर बाद फोटो लेने के लिए फिर से उस स्टूडियो तक जाना पड़ता था। उस जमाने में घर में कैमरा रखना और उससे अपने तथा परिजनों के फोटो खींचना लोगों का सपना हुआ करता था लेकिन अब फोटोग्राफी की दुनिया बिल्कुल बदल चुकी है। अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर बहुत कम ही हैं। फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है।

दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरुआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था। विश्व फोटोग्राफी दिवस की शुरूआज आज से करीब 184 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली 'फोटोग्राफी प्रक्रिया' माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'फोटोज' (प्रकाश) और 'ग्राफीन' (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार 'फोटोग्राफी' शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रैंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों की जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

मूँछ की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अदालत के बाहर भैया मजनू अपनी मुँछों पर ताव दे रहे थे। अपनी मर्दानगी को इन्हीं मूँछों से नापते-तोलते थे। इसी मर्दानगी के चक्कर में अपनी साली का खून कर बैठे। खून करने का कोई पछतावा नहीं था। पत्नी को छोड़ घर के सभी लोगों ने केस को रफा-दफा करने के लिए वकील पर दबाव बनाने लगे।

वकील ने कहा – मैं औरत थोड़ी न हूँ, जो मुझ पर अपनी मर्दानगी दिखाने की कोशिश कर रहे हो। केस खुद तुम्हारी पत्नी ने ठोका है। दम हो तो उसी के सामने अपनी मूँछों पर हाथ फेरकर दिखाओ।

मजनू ने कहा – ऐ काले कोर्ट। ज्यादा चपड़-चपड़ मत कर। तुझे अच्छी तरह से पता है कि जिस दिन तू ईमानदारी के पक्ष में केस लड़ने लगेगा उस दिन तेरी दुकान बंद हो जाएगी। बीवी-बच्चे भूखे मरने लगेंगे। तेरे जैसे बड़े खुशकिस्मत हैं कि दुनिया भर में बेईमानी, पाप, अत्याचार भरा पड़ा है जिससे तुम जैसों की दुकान चलती है।

खुद बेईमानी की आँच पर पकी रोटियाँ खाने जैसा नामर्दी की बात करता है और चला है मुझे मेरी मर्दानगी सिखाने। वकील कुछ कहना चाहता था कि मजनूँ फिर से **बोल उठा** – मर्दानगी न हो तो पुरुष की जिंदगी बेकार है। जीने को तो मच्छर-मक्खी भी जी लेते हैं, लेकिन वह जीना भी कोई जीना होता है। पैसा फेंककर मैं पेरोल पर अंदर-बाहर होने का खेल खेलकर ऊब चुका हूँ।

वह तो मेरी मर्दानगी है कि मैं इतना सब कुछ होते हुए भी टस से मस नहीं होता। मेरी पत्नी को समझा कि वह केस वापस ले ले। वरना मेरी मर्दानगी को उबाल मारने में देर नहीं लगेगी। जो हश्र साली का हुआ है वही उसके साथ भी हो सकता है। वकील के साथ पत्नी भी खड़ी थी। यह सब सुन वह भड़क उठी - मैं तेरी धमकियों से डरने वाली नहीं हूँ।

मैं औरत हूँ औरत। जो कापुरुषों को जन्म दे सकती है, वह कापुरुषों को मार भी सकती है। मेरी बहन की हत्या करने को मर्दानगी समझते हो तो मैं थूकती तुम्हारी ऐसी मर्दानगी पर। शम्मा-परवानों के बखानो में आने वाली स्त्री डरावनी बनने में देर नहीं लगाती। उसे अबला समझने की भूल करना आ-बला जैसी होगी। औरत का औरतपन मर्दानगी पर भी भारी पड़ता है। मजनू कुछ कहना चाहता था कि पत्नी ने चप्पल लेकर उसके गाल पर ऐसा मारा कि उसकी मूँछों पर भी निशाना पड़ गया। थोड़ी देर पहले वह जिन मूँछों पर ताव दे रहा था वही मूछें उसमें घृणा पैदा कर रही थीं।

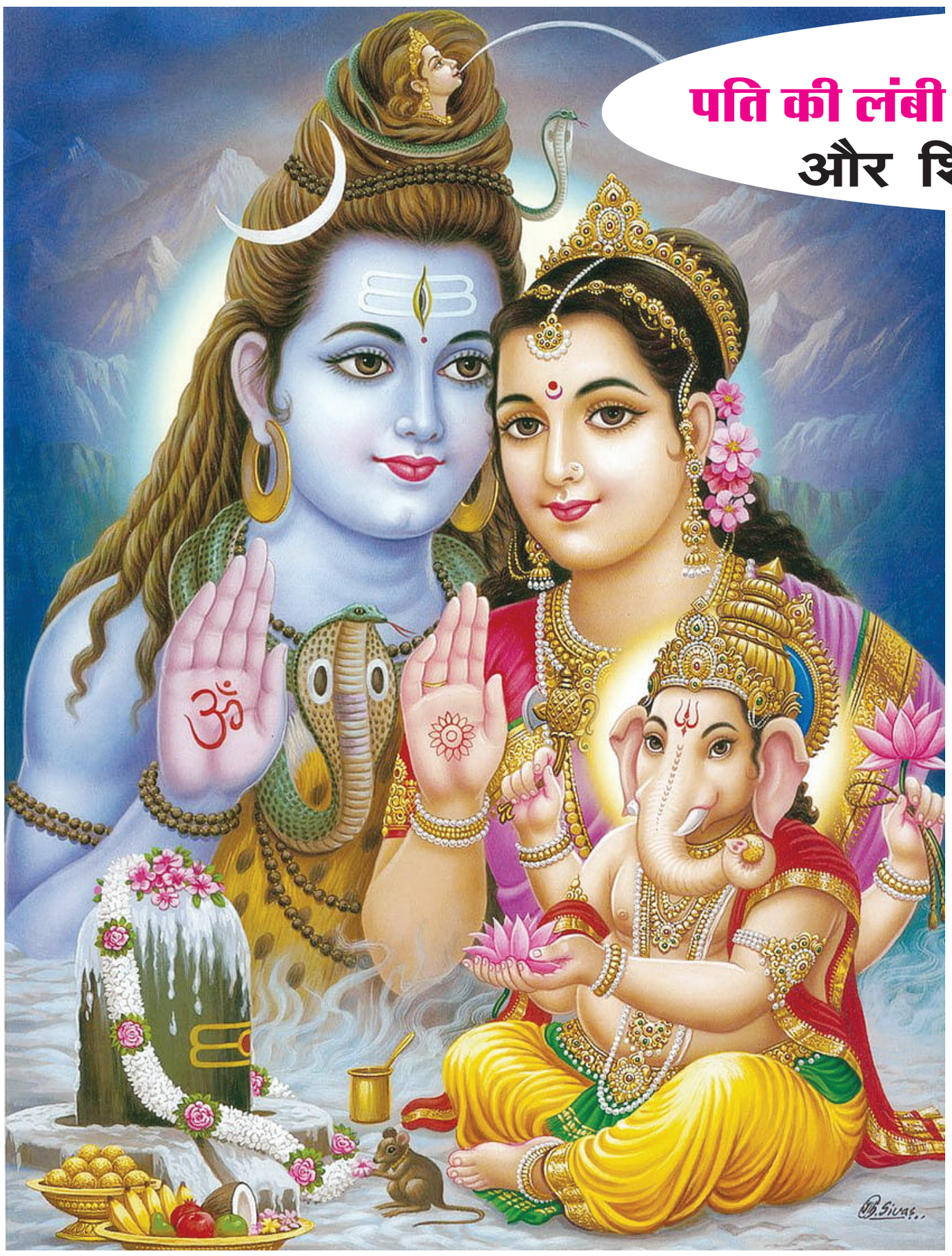

पति की लंबी उम्र के लिए हरियाली तीज व्रत और शिव-पार्वती का अभिषेक

शनिवार, 19 अगस्त को सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया है। इसे हरियाली तीज कहा जाता है। ये महिलाओं के लिए साल के सबसे बड़े व्रतों में से एक है। इस दिन किए गए व्रत उपवास से जीवन साथी को लंबी उम्र, सेहत और सौभाग्य मिलता है, ऐसी मान्यताएं हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, हरियाली तीज पर व्रत करने के साथ ही शिव-पार्वती का अभिषेक भी करना चाहिए। जो लोग व्रत नहीं कर रहे हैं, उन्हें अभिषेक जरूर करना चाहिए। अगर अभिषेक करने का भी समय नहीं है तो घर में या किसी अन्य मंदिर में शिवलिंग पर जल और बिल्व पत्र चढ़ा सकते हैं।

हरियाली तीज व्रत से जुड़ी खास बातें

अधिकतर महिलाएं ये व्रत निर्जल होकर रखती हैं, यानी वे पूरे दिन कुछ भी खाती-पीती नहीं हैं, पानी भी नहीं। कुछ महिलाएं इस व्रत अन्न नहीं खाती हैं, वे पानी, दूध के साथ ही फलाहार करती हैं।

तीज व्रत देवी पार्वती से जुड़ा है।

हिन्दी पंचांग के हर महीने में दो तीज आती हैं। इस तरह पूरे में साल में कुल 24 तीज होती हैं। जिस साल में अधिक मास रहता है, उस साल कुल 26 तीज हो जाती हैं, जैसी इस बार हुई हैं।

मान्यता है कि पुराने समय में देवी पार्वती ने शिव जी को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस व्रत से शिव जी प्रसन्न हुए, देवी के सामने प्रकट हुए और मनचाहा वरदान दिया था। माना जाता है कि उस दिन तीज तिथि ही थी। तीज तिथि पर देवी का तप सफल हुआ था, इसी वजह से तीज तिथि पर देवी के लिए व्रत-उपवास किया जाता है। इस दिन सार्वजनिक जगहों पर जैसे किसी मंदिर में या किसी पार्क में पौधे लगाने की परंपरा भी है।

ऐसे कर सकते हैं शिव-पार्वती का अभिषेक

अभिषेक की शुरुआत गणेश पूजा के साथ करनी चाहिए। गणेश जी की प्रतिमा पर जल चढ़ाएं। पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद फिर से जल चढ़ाएं।

गणेश जी का श्रृंगार करें। दूर्वा चढ़ाएं। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें।

गणेश जी की पूजा के बाद शिव-पार्वती का अभिषेक करें। शिवलिंग और देवी प्रतिमा पर जल, दूध, पंचामृत चढ़ाएं। इसके बाद फिर से जल चढ़ाएं।

शिवलिंग का श्रृंगार चंदन और बिल्व पत्र से करें। देवी को लाल चुनरी, कुमकुम सुहाग का सामान चढ़ाएं। श्रृंगार करें। मिठाई और मोसमी फलों का भोग लगाएं।

धूप-दीप जलाकर आरती करें। पूजा में शिव जी और देवी पार्वती के मंत्रों का जप करें। शिव जी के ऊँ नमः शिवाय और देवी मंत्र ऊँ गौर्यै नमः का जप कर सकते हैं।

पूजा के बाद दिनभर व्रत के नियमों का पालन करें। शिव-पार्वती की कथा पढ़ें, सुनें। जप-ध्यान करें। शाम को फिर पूजा करें और अगले दिन यानी चतुर्थी तिथि पर एक बार फिर पूजा करें, इसके बाद ये व्रत पूरा हो जाता है।

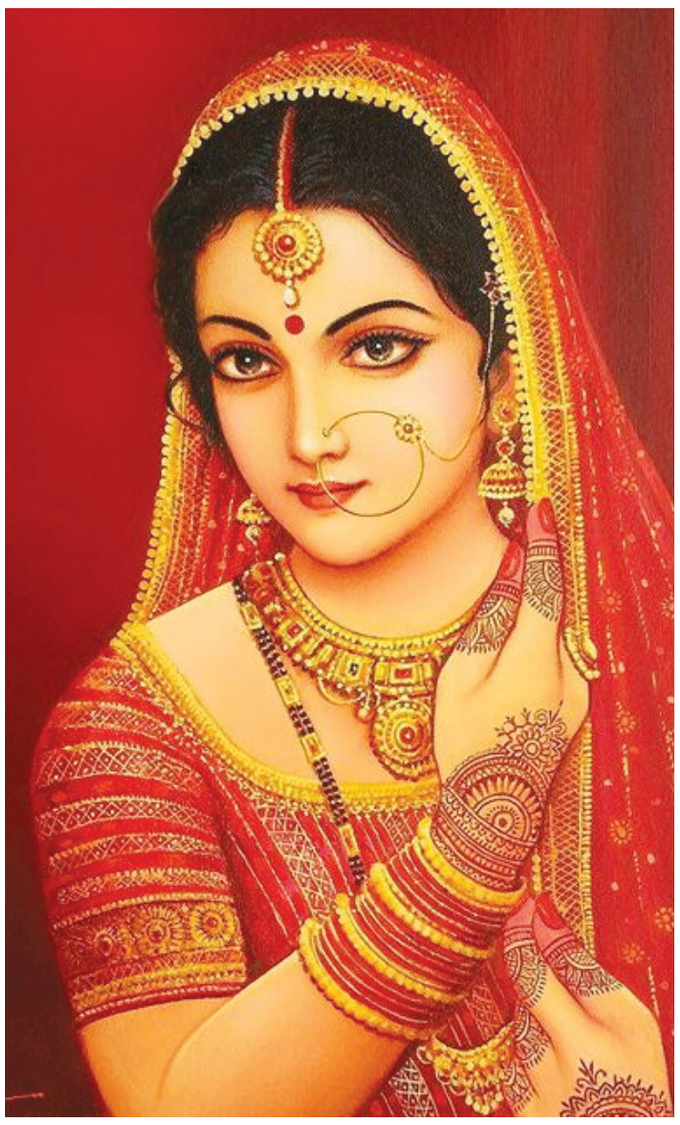

शिवेश्वर महादेव की पूजा करने से मिलता है शिव गणों में स्थान

धार्मिक नगरी उज्जैन में एक ऐसा शिव मंदिर है, जिसके बारे में अवंती खंड के स्कंद पुराण में उल्लेख है कि यदि इस शिवलिंग का सच्चे मन से पूजन अर्चन किया जाए तो पूजन करने वाला भक्त शिव गणों में शामिल हो जाता है। 84 महादेव में 37वां स्थान रखने वाले श्री शिवेश्वर महादेव की महिमा अत्यंत निराली है, जिनका मंदिर रामजनार्दन मंदिर की सीढ़ी के पास विष्णु सागर पर स्थित है। मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा बताते हैं कि स्कंद पुराण के अवंती खंड में मंदिर की कथा कुछ यह बताती है कि एक समय महाकाल वन में रिपुंजय नामक राजा राज्य किया करते थे। वे इतने सेवाभावी राजा थे कि उनके शासनकाल में कोई भी दुखी नहीं था, लेकिन यह राजा शिव की नहीं बल्कि भगवान विष्णु की पूजा अर्चना किया करते थे। इस नगरी में भगवान शिव की पूजा कोई नहीं करता था। एक दिन भगवान शिव ने अपने गणेश नामक गण को उज्जैन भेजा और उन्हें कहा कि महाकाल वन में एक शिवलिंग की स्थापना करो। गण ने वैद्य का रूप धारण किया और इसी नगरी में रहने लगा उसने औषधियों के माध्यम से कई लोगों की असाध्य बीमारियों को भी ठीक कर दिया। धीरे-धीरे उसकी ख्याति इतनी बढ़ने लगी कि राजा रिपुंजय की पत्नी बहुला देवी ने पुत्र ना होने कि अपनी समस्या को भगवान शिव के गण जो कि वैद्य के रूप में इस नगरी में रह रहे थे। उन्हें बताया लेकिन वैद्य ने राजा की आज्ञा के बिना रानी बहुला देवी को इलाज करने से मना कर दिया। जिस समय राजा और रानी वैद्य के सामने उपस्थित हुए उसी समय वह गण अंतर्ध्यान हो गए और उनके स्थान पर एक शिवलिंग का निर्माण हो गया।

राजा रानी ने इसी शिवलिंग का पूजन-अर्चन किया, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया कि राजन तुम्हारे यहां पुत्र होगा। क्योंकि यह शिवलिंग शिव के गण के रूप में था इसीलिए इसका नाम शिवेश्वर के रूप में विख्यात हुआ। कथा यह भी बताती है कि शिवेश्वर पुत्र प्रद लिंग है, इसकी अर्चना से शिव गण का पद प्राप्त होता है। मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा बताते हैं कि यह शिवलिंग अत्यंत चमत्कारी है। मंदिर का गर्भग्रह तो छोटा है लेकिन मंदिर में भगवान शिवेश्वर की विशालकाय प्रतिमा है। मंदिर में भगवान शिव के साथ ही माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी जी की प्रतिमा भी है। यहां सभी त्योहार धूमधाम से मनाए जाते हैं और विशेष अवसरों पर भगवान का श्रृंगार भी किया जाता है।

अशुभ ग्रह योग से बचने के लिए सावन शनिवार-रविवार को शिव पूजा का विशेष संयोग

17 अगस्त को सूर्य कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में आ गया है। जिससे अब सूर्य और शनि का दृष्टि संबंध बन रहा है। जो कि 17 सितंबर तक रहेगा।

इस अशुभ योग के चलते कई लोग परेशान हो सकते हैं। इस अशुभ योग से बचने के लिए सावन के शनिवार और रविवार को शिव पूजा का विशेष संयोग बन रहा है। इस योग में की गई शिव पूजन से हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं।

इस दिन रुद्राभिषेक और शनिदेव का तेलाभिषेक करने के बाद चांदी के नाग नागिन की पूजा करनी चाहिए। फिर उन्हें पवित्र नदी में बहा देना चाहिए।

शिवजी का अभिषेक करने से पितृदोष भी खत्म होता है। इसके साथ ही शनिदेव का तेल से अभिषेक करने से भी हर तरह की परेशानियां खत्म हो जाती हैं।

19 अगस्त को सावन शनिवार और तीज का संयोग सावन के शनिवार को शिवजी की

पूजा से शनि दोष में राहत मिलती है। जरूरतमंद लोगों को कपड़े और अन्न दान के साथ ही जूते-चप्पल का भी दान करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। इस बार शनिवार को हरियाली तीज का संयोग भी बन रहा है। इस तिथि पर भगवान शिव-पार्वती की पूजा के साथ, व्रत और दान करने से सुख-सौभाग्य बढ़ता है। शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। उम्र बढ़ती है। संपत्ति और धन लाभ भी होता है।

शिव और शनि पूजा

सावन के शनिवार को की गई पूजा से शनि के अशुभ प्रभाव से होने वाली तकलीफों से राहत मिलती है। जो लोग शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढय्या से परेशान हैं उनके लिए 19 अगस्त को आने वाला शनिवार बहुत खास है। इस दौरान सावन मास होने से पूजा का फल और बढ़ जाएगा।

20 अगस्त को हस्तादित्य संयोग

20 अगस्त को सावन महीने के रविवार को हस्त नक्षत्र होने से हस्तादित्य योग बन रहा है। इस योग में की गई शिव पूजा पाप और दोष नाशक मानी जाती है। साथ ही इस दिन अमृतसिद्धि योग भी बन रहा है। इस संयोग में की गई सूर्य और शिव पूजा करने से सूर्य-शनि समसप्तक योग का अशुभ फल कम होगा और शुभ फल बढ़ जाएगा।

सिंह राशि में बना चतुर्ग्रही योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य आज अपनी स्वराशि सिंह राशि में प्रवेश कर गए हैं। इसके साथ ही इस राशि में पहले से ही मंगल, बुध और चंद्रमा ग्रह विराजमान है। ऐसे में इन चार ग्रहों की युति से चतुर्ग्रही योग का निर्माण हो रहा है। संयोग की बात ये है कि ये योग आज ही रहेगा, क्योंकि कल चंद्रमा और मंगल दोनों की राशि परिवर्तन कर रहे हैं। चंद्रमा और मंगल दोनों ही कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगेष ऐसे में चतुर्ग्रही योग बनने से मेष से लेकर मीन राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलेगा। लेकिन कुछ राशियां ऐसी है जिन्हें अचानक धन लाभ के साथ बिजनेस, नौकरी में तरक्की मिल सकती है। आइए जानते हैं कि सिंह राशि में चतुर्ग्रही योग बनने से किन राशियों को मिलेगा बंपर लाभ।

चतुर्ग्रही योग बनने से इन राशियों को मिलेगा विशेष लाभ

वृषभ राशि -इस राशि में ग्रहों की युति चौथे भाव में हो रही है। ऐसे में इस राशि के जातकों का काफी अच्छा दिन जाने वाला है। परिवार का पूरा साथ मिलेगा। इसके साथ ही सुख-सुविधा के साथ अपार धन-संपदा मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रह सकता है। लंबे समय से अटका हुआ काम अब पूरा हो सकता है।

मिथुन राशि -इस राशि में चतुर्ग्रही योग तीसरे भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातक काफी फुर्तिले रहेंगे। आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। ऐसे में आप हर क्षेत्र में सफलता पा सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीत सकता है। । नौकरी पेशा लोगों को भी लाभ मिल सकता है।

तुला राशि -इस राशि में चतुर्ग्रही योग ग्यारहवें भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को समाज में मान-सम्मान मिलेगा। आपके काम की तारीफ हर कोई करेगा। आपके अंदर नेतृत्व करने की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। अगर कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो इस दौरान कर सकते हैं। इसमें सफलता अवश्य प्राप्ति होगी। अचानक धन लाभ हो सकता है।

चतुर्ग्रही योग इस राशि में दसवें भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके काम से उच्च अधिकारी प्रसन्न हो सकते हैं। ऐसे में पदोन्नति और इंक्रीमेंट मिल सकता है। आय के नए स्त्रोत खुलेंगे।

हो चुकी हैं बॉडी शेमिंग का शिकार

ओ माई गॉड-2 के लिए अक्षय ने नहीं ली फीस फिल्म के लिए फाइनेंशियल रिस्क भी उठाई

वियाकॉम के सीईओ बोले- बजट को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया

अक्षय कुमार ने ओ माई गॉड-2 के लिए एक रुपए भी चार्ज नहीं किया है। यह खुलासा वायकॉम मोशन पिक्चर के सीईओ अजीत अंधारे ने किया है। पहले खबर आ रही थी कि ओ माई गॉड-2, 150 करोड़ रुपए के बजट में बनी है। अजीत ने इसे भी बकवास बताया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया में फिल्म के बजट को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया, जो कि सही नहीं है। कहा ये भी जा रहा था कि अक्षय ने इस फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपए से ज्यादा फीस चार्ज की। हालांकि अब इन खबरों पर भी विराम लग गया है।

'हमारे साथ-साथ अक्षय ने भी रिस्क लिया'

वायकॉम मोशन पिक्चर के सीईओ अजीत अंधारे ने पिंकविला से कहा- अक्षय कुमार ने इस फिल्म के लिए एक सिंगल रुपए भी नहीं लिया। उन्होंने हमारे साथ फाइनेंशियल और क्रिएटिव रिस्क भी उठाई। फिल्म के बजट को बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। मैं और अक्षय काफी वक्त से एक दूसरे को जानते हैं। स्पेशल 26, टॉयलेट एक प्रेम कथा और ओ माई गॉड के पहले पार्ट के वक्त से ही हमारा संबंध है। अजीत ने आगे कहा- अक्षय के बिना ओ माई गॉड-2 बन ही नहीं सकती थी। किसी एक के लिए ऐसी फिल्म बनाना संभव नहीं था। अक्षय ने इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओ माई गॉड-2 की मेकिंग में 50 से 60 करोड़ रुपए तक का खर्चा आया है। फिल्म ने अभी तक 85 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस हिसाब से फिल्म को हिट माना जा सकता है।

पहले जो खबरें थीं, उसके हिसाब से फिल्म को पहले ही फ्लॉप घोषित कर दिया गया था। हालांकि अब खुद वायकॉम मोशन पिक्चर के सीईआ कह रहे हैं कि फिल्म का बजट 150 करोड़ जितना नहीं था।

इस हिसाब से फिल्म नुकसान में नहीं बल्कि मुनाफे में है। फिल्म के डायरेक्टर अमित राय का भी यही कहना है कि सिर्फ अक्षय कुमार की वजह से ओ माई गॉड-2 बन पाई है। अमित राय ने कहा कि उन्होंने ओ माई गॉड-2 की सक्रिप्ट को करण जौहर, आशुतोष गोवारिकर और सोनी जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस को दिखाया था।

हालांकि उन सभी ने फिल्म की कहानी को रिजेक्ट कर दिया था। वो अक्षय कुमार थे, जिन्हें यह सक्रिप्ट पसंद आई। अमित के मुताबिक, उनकी सक्रिप्ट किसी कोने में पड़ी रहती या लोग उस पर चने खा रहे होते। वो तो भला हो अक्षय कुमार का जिन्होंने इस पर काम किया. जिसके परिणाम स्वरूप आज हम फिल्म देख पा रहे हैं।

ओ माई गॉड 2 का टोटल कलेक्शन 85.05 करोड़ रुपए है। इस वीकेंड पर फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। गदर-2 के साथ क्लैश होने पर फिल्म को नुकसान हुआ है। क्लैश न होने की दशा में अब तक फिल्म का कलेक्शन 100 करोड़ से ज्यादा होता। हालांकि ओवरसीज में फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 111.8 करोड़ रुपए है।

पैसों के लिए कभी काम नहीं किया, कहा- गलत तरीके से आने वाले पैसे नहीं चाहिए : राजकुमार राव

राजकुमार राव की सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' के पार्ट 2 पर भी रोशनी डाली।

बहुत ज्यादा खुशी थी कि राज और डीके ये सीरीज बना रहे हैं क्योंकि इन दोनों को ये शैली-गैंगस्टर, कॉमेडी, एक्शन कॉमेडी का कॉम्बिनेशन करना बहुत अच्छे से आता है। मुझे यकीन था कि यदि ये दोनों इतने सारे जॉनर को मिक्स करके कुछ बनाएंगे तो वह वाकई में अलग होगा।

मुझे याद है जब पहली बार मैंने इसकी सक्रिप्ट पढ़ी थी तब मेरा पहला रिएक्शन था कि कितनी बढ़िया सक्रिप्ट लिखी गई है। पढ़ने में इतना मजा आया, तो इसका हिस्सा बनकर अनुभव तो वाकई में मजेदार होगा। सक्रिप्ट पढ़ते-पढ़ते मुझे 90 के दशक के गाने, वो दौर खूब याद आए।

दुलकर सलमान का मैं बहुत बड़ा फैन हूं, जिस तरह का काम उन्होंने अब तक अपने करियर में चुना है, मुझे वह बेहद पसंद है। जब पता चला कि दुलकर फिल्म में मेरे को-स्टार रहेंगे तो मुझे सुनकर काफी खुशी हुई।

क्या है ना, कई एक्टर्स ऐसे होते हैं जो या तो सिर्फ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं या फिर एक्शन, लेकिन दुलकर के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनका करियर ग्राफ मैंने देखा है, इन्होंने अलग-अलग काम किया है, अलग-अलग इंडस्ट्री में। मुझे पता है कि वो अपने कैरेक्टर को कहीं भी ले जा सकते हैं।

खत लिखना। हमारी सीरीज में खत का एक बहुत अहम पार्ट है। 90 के दशक में ज्यादा मोबाइल वगैरह नहीं होते थे तो आप खत ही लिखते थे, वो मैंने भी रियल लाइफ में किया है। मैंने भी कई खत लिखे हैं, तो हां, वो ये करते हुए मुझे मेरे बीते हुए दिन याद आ गए।

साथ ही हम थिएटर में फिल्में देखने जाते थे। मेरे पेरेंट्स मुझे हमेशा परमिशन दे देते थे। यहां तक कि जब भी कॉलेज बंक करके फिल्म देखने जाता तो मैं घर में बोलकर जाता था। अपनी मां को बता देता था, ऑफिशियल बंक मारता था। मैंने ब्लैक में भी टिकट खरीदी है, जिसमें बहुत मजा आता था।

मैंने कभी पैसों के लिए काम नहीं किया। हां, कई बार ऐसे मौके आए जहां लोगों ने कहा कि आप ये कर लो, पैसे मिल जाएंगे, लेकिन मैंने नहीं चुना, क्योंकि उससे रातों की नींद उड़ जाती है। जो पैसा खराब नीयत से आता है या खराब तरीके से आता है, मुझे वह नहीं चाहिए। मुझे मेरी सुकून की नींद बहुत पसंद है। जितना मिला, उतना मेरे लिए ठीक है।

जी हां, 'स्त्री 2' का पहला शड्यूल पूरा हो चुका हैं। नर्वसनेस तो है क्योंकि हमें भी पता है कि ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। बहुत लोग है जो इस फिल्म को बहुत प्यार करते हैं। हम उसी शिद्दत और उसी प्यार से बना रहे है जो हमने पहले बनाई थी।

'स्त्री' एक अच्छी फिल्म है, जिसकी लॉयल फैन फॉलोइंग है। मेरी कोई फिल्म अच्छी होती है तो मैं उसे अच्छा कहता हूं और यदि बेकार होती है तो वह भी एक्सेप्ट करता हूं। हम उस फिल्म को बहुत ईमानदारी से बना रहे हैं, क्योंकि हमें यह भी हिट करवानी है। हमने पहला पार्ट भी सिर्फ पैसे कमाने के इरादे से नहीं बनाया था, इस बार भी हम मजे करते-करते ये फिल्म बना रहे हैं, पूरी सादगी के साथ। चुनौतीपूर्ण तो होता है क्योंकि आपने वह किरदार 5 साल पहले निभाया था। फिर से उस किरदार में ढलने के लिए, मैं फिर से वह फिल्म देख रहा हूं, 2-3 बार देख चुका हूं। 5 साल का गैप एक लंबा गैप है, इस बीच आप कई सारे किरदार निभा चुके हो, तो इतना आसान नहीं उस किरदार में फिर से ढलना।

जब रियल ड्रीम गर्ल से मिले आयुष्मान खुराना : हेमा मालिनी के साथ किया डांस, बोले- इस पल के लिए आभारी हूं

आयुष्मान खुराना जल्द ही 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आएंगे। इसी बीच उन्होंने रियल ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी से मुलाकात की, जिसका एक वीडियो आयुष्मान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में आयुष्मान 1977 की फिल्म ड्रीम गर्ल के सॉन्ग 'ड्रीम गर्ल' पर हेमा के साथ डांस करते हुए दिखाई दिए।

वीडियो में आयुष्मान, हेमा के साथ हाथों में हाथ डालकर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान हेमा लाइट पिंक साड़ी में काफी खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा- इस पल के लिए आभारी हूं, @dreamgirlhemamalini जी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।

वीडियो सामने आते ही फैंस हेमा मालिनी की खूबसूरती की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सचमुच वह एक ड्रीम गर्ल हैं। मैम के लिए बहुत सारा सम्मान'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि वह 74 साल की हैं'। तीसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, 'वाह, बहुत सुन्दर लग रहा है'। आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' इसी महीने 25 तारीख को रिलीज होगी। राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2019 में आई फिल्म ड्रीम गर्ल का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान एक बार फिर पूजा बनकर फैंस को हसाएंगे। फिल्म में आयुष्मान और अनन्या के अलावा अन्नू कपूर, राजपाल यादव, परेश रावल, असरानी, मनजोत सिंह और विजय राज भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

अनिल शर्मा और सनी देओल की जोड़ी बनी 300 करोड़ी

बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाने वाली निर्देशक अनिल शर्मा की सनी देओल, अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर और मनीष वाधवा स्टारर फिल्म 'गदर 2' ने रिलीज के सातवें दिन 280 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करते हुए पूरे देश में अपनी कामयाबी का परचम लहरा दिया है। फिल्म हिंदी के अलावा दूसरी किसी भारतीय भाषा में रिलीज नहीं हुई है, इसके बावजूद फिल्म का ये कारोबार उन फिल्म निर्माताओं के लिए एक सबक है जो इन दिनों हर फिल्म को चार से लेकर 10 भारतीय भाषाओं में रिलीज करने की अफरातफरी में हैं। फिल्म ने शुक्रवार की दोपहर तक की टिकट बिक्री और शाम की एडवांस बुकिंग में ही 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पार कर लिया है।

देश में हिंदी में रिलीज हुई फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई का आंकड़ा भी फिल्म 'गदर 2' अगले कुछ हफ्तों में छू सकती है। सिर्फ आठ दिन में 300 करोड़ रुपये कमाना भी इस फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। सबसे कम दिनों में ये कारनामा करने वाली 'गदर 2' दूसरी फिल्म है। इससे पहले शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने ये आंकड़ा रिलीज के छह दिनों में पार कर लिया था।

निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म 'गदर 2' के आठ दिन में 300 करोड़ रुपये कमाने और उससे पहले इसी साल फिल्म 'पठान' के सिर्फ छह दिनों में 300 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लेने को हिंदी सिनेमा के लिए शुभ संकेत माना जा रहा है। हिंदी में रिलीज हुई फिल्मों मे 'गदर 2' 13वीं फिल्म है जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा की कमाई की है।

हिंदी में रिलीज फिल्मों में 300 करोड़ रुपये की कमाई तक पहुंचने वाली फिल्मों में 'बाहुबली 2' और 'केजीएफ चैप्टर 2' दोनों को 11-11 दिन लगे थे। आमिर खान की फिल्म 'दंगल' को 300 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचने में 13 दिन लगे थे, जबकि 16-16 दिन में 300 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्मों में 'संजू' और 'टाइगर जिंदा है' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'गदर 2' के अंतिम सीन में निर्देशक अनिल शर्मा इसकी सीक्वल बनाने की भी घोषणा कर चुके हैं। इस सीन में फिल्म के दूसरे हीरो उत्कर्ष शर्मा को भारतीय थल सेना की पंजाब रेजीमेंट की वर्दी में दिखाया गया है। फिल्म की तीसरी किस्त में भी सनी देओल का अहम किरदार होने की बात कही जा रही है। दोनों फिल्मों के लेखक शक्तिमान ने इस पर काम शुरू भी कर दिया है।

'मैं अपने पिता की किसी भी फिल्म का रीमेक नहीं बनाऊंगा': स्टार ममूटी के बेटे दुलकर सलमान

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी के बेटे दुलकर सलमान ने हिंदी में अपना ओटीटी डेब्यू नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' से कर लिया है। उनकी सुपरहिट तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' को भी रिलीज हुए एक साल पूरा हो चुका है। आने वाले समय में दुलकर 'किंग ऑफ कोठा' जैसी फिल्म में नजर आएंगे। दुलकर सलमान ने खुलासा किया कि उनके पिता उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं और जब वह बिजनेस मैनेजर से अभिनेता बनना चाहते थे तो उन्होंने ही अभिनेता का समर्थन किया था।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेता ने खुलासा किया है कि वह इंडस्ट्री में हमेशा अपने पिता को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा के रूप में देखते हैं, लेकिन इसके बावजूद वह कभी भी अपने पिता की किसी फिल्म का रीमेक नहीं बनाएंगे। पिछले दिनों भी अभिनेता ने खुलासा किया था कि वह ओरिजिनल कंटेंट को ज्यादा महत्व देते हैं और रीमेक फिल्मों से बचकर रहना चाहते थे। मशहूर स्टार ममूटी के बेटे दुलकर ने दुबई में एक कंपनी में बिजनेस मैनेजर के रूप में अपना करियर शुरू किया। हालांकि, सिनेमा और अभिनय के प्रति उनके प्यार ने उन्हें नौकरी छोड़ने पर मजबूर कर दिया और अभिनेता अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने लगे थे।

पिता की फिल्मों के रीमेक में काम नहीं करेंगे दुलकर

इंटरव्यू में आगे दुलकर सलमान से पूछा गया कि क्या वह अपने पिता की रीमेक फिल्मों में काम करेंगे तो अभिनेता ने कहा, 'मैं वास्तव में रीमेक में विश्वास नहीं करता। मेरा मानना है कि क्लासिक्स को अछूता छोड़ देना चाहिए। फिल्मों और गानों का रीमेक नहीं किया जाना चाहिए। रीमेक बनाने से बाद दर्शकों के ऊपर कोई बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता है। इसलिए मैं हमेशा ओरिजिनल कंटेंट पर फिल्में बनाने पर फोकस करता हूं।'

इस सीरीज में आ रहे हैं नजर

आपको बता दें कि वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' में दुलकर के अलावा राजकुमार राव, गुलशन देवैया, आदर्श गौरव और टी जे भानु की मुख्य भूमिकाएं हैं। अभिनेता सतीश कौशिक भी इस सीरीज में एक दिलचस्प किरदार निभा रहे हैं।

लाल सिंह चड्ढा देखकर राजामौली ने आमिर से कहा था-तुमने बहुत ओवरएक्टिंग की है : मंसूर खान

आमिर खान की पिछली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। अब आमिर के कजिन, फिल्म मेकर मंसूर खान ने इस बारे में एक खुलासा किया। उन्होंने बताया कि यह फिल्म देखकर राजामौली ने आमिर से कहा था कि फिल्म में उन्होंने बहुत ओवरएक्टिंग की है। 'आमिर का सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। उन्होंने एक दिन मुझे हंसते हुए बताया कि जब मैंने उनसे यह कहा था तब उन्हें फर्क नहीं पड़ा। बाद में जब राजामौली जैसे बड़े शख्स ने उनसे कहा कि ओवरएक्टिंग लग रहा है तब आमिर को लगा कि अगर इसको भी लग रहा है तो वाकई ओवरएक्टिंग होगा।'

मंसूर ने आगे कहा, 'मैं और आमिर एक दूसरे से काफी फ्रैंक हैं। हम एक दूसरे से फीडबैक शेयर करते हैं। मुझे फिल्म की सक्रिप्ट पसंद आई थी। मेरे ख्याल से राइटर अतुल कुलकर्णी ने अपना काम बहुत ही अच्छे तरीके से किया था पर मुझे लगता है कि आमिर इसमें ओवर एक्सप्रेशन दे गए। उनकी एक्टिंग थोड़ी ओवर हो गई और यह बात मैंने आमिर से भी कही थी। ओरिजिनल फिल्म में टॉम हैंक्स ने जो किया वो एकदम सटीक था।

आमिर के लिए था सेटबैक

मंसूर बोले, 'आमिर की इस फिल्म ने बॉयकॉट बॉलीवुड कॉल्स भी फेस किए। हालांकि, एक अच्छी फिल्म बॉयकॉट कॉल्स के बावजूद भी अच्छा परफॉर्म करती है। जब यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हुई तो यह आमिर के लिए सेट बैक था।' मंसूर ने 1988 में रिलीज हुई आमिर खान की डेब्यू फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का डायरेक्शन किया था। दोनों ने साथ में 'जो जीता वोही सिकंदर' और 'अकेले हम अकेले तुम' में भी साथ काम किया था।

फिल्म ने कमाए थे मात्र 58 करोड़

'लाल सिंह चड्ढा' पिछले साल 11 अगस्त के दिन रिलीज हुई थी। इसने पहले दिन मात्र 11 करोड़ रुपए की कमाई की थी। ओपनिंग वीकेंड पर इसका कलेक्शन 38 करोड़ रुपए रहा था। वहीं इसका लाइफटाइम कलेक्शन मात्र 58 करोड़ रुपए रहा। अद्वैत चंदन निर्देशित इस फिल्म में आमिर के अपोजिट करीना कपूर नजर आई थीं।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के पूर्व डायरेक्टर ने शो के एक्टर्स को बताया गिरगिट, दिए मजेदार जवाब

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बीते काफी वक्त से सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने कई तरह के आरोप लगाए थे। वहीं, अब शो के पूर्व डायरेक्टर मालव राजदा ने शो को लेकर कई तरह के खुलासे किए हैं। जिसके बाद यह एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। करीब 14 साल तक शो से जुड़े रहने वाले मालव राजदा ने शो के एक्टर्स को गिरगिट तक कह दिया है।

फैंस के साथ एक चैट सेशन में मालव राजदा से जब शो के एक्टर्स के साथ उनके बॉन्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल, अमित भट्ट, अज़हर शेख, पलक सिंधवानी, अंबिका राजनकर और अमित भट्ट जैसे एक्टर्स का नाम लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि शो के ज्यादातर कलाकार गिरगिट की तरह हैं। उनके इस बयान से हर कोई हैरान है।वहीं, जब राजदा से यह पूछा गया कि क्या वे शो में फिर से वापसी करेंगे तो उन्होंने इसेअसंभव बताया और फिल्म दिलजले का लोकप्रिय गाना हो नहीं सकता बजाया। यह पूछे जाने पर कि क्या शो के पुराने किरदार कभी वापस आएंगे और क्या शो को पहले की तरह बनाया जा सकता है, उन्होंने फिल्म लज्जा का गाना बड़ी मुश्किल बजाकर एक और मजेदार जवाब दिया। उन्होंने अपने, शैलेश लोढ़ा, भाव्या गांधी और जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल जैसे एक्ट्रेस के शो छोड़ने के पीछे के कारण को लेकर भी एक गाना बजाया। उन्होंने इसे लेकर इज्जत से जीना इज्जत से मरना और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग हमारी, अत्याचार के खिलाफ जंग हमारी गाने को बजाकर अपना जवाब दिया। असित मोदी को लेकर भी उन्होंने एक गीत को फैंस को सुनाया। असित कुमार मोदी के साथ उनके रिश्ते को उन्होंने फिल्म 1942: ए लव स्टोरी का गाना कुछ ना कहो, कुछ भी ना कहो बजाकर मजेदार जवाब दिया।

निर्देशन की दुनिया में लौटने को तैयार सुभाष घई, बनाएंगे इस फिल्म का सीक्वल?

सुभाष घई ने वर्ष 2014 में निर्देशन से ब्रेक लिया था। अब उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। वह एक बार फिर निर्देशन की दुनिया में लौटने को तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल दर्शकों के बीच लेकर आने की तैयारी में हैं। यह फिल्म कोई और नहीं बल्कि 'खलनायक' है। हाल ही में सुभाष घई ने डायरेक्शन के क्षेत्र में वापसी को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने 'खलनायक' के सीक्वल का भी संकेत दिया।

मिल रहे हैं और भी ऑफर

'खलनायक' के सीक्वल पर बात करते हुए सुभाष घई ने कहा कि 'कर्मा', 'राम लखन', 'सौदागर' जैसी आइकॉनिक फिल्में आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'खलनायक' और अन्य फिल्मों पर चर्चा हुई है। निर्देशक ने यह भी कहा कि उन्हें अन्य स्टूडियो से भी ऑफर मिल रहे हैं, लेकिन उन स्टूडियो की मानसिकता बहुत कमर्शियल है। ऐसे में निर्देशक का मानना है कि उनके पास जो पहले से मौजूद है, उसे ही कैसे बेहतर बनाया जाए।

इस बारे में चर्चा करते हुए सुभाष घई ने कहा कि उनके पास जो भी फिल्में पाइपलाइन में हैं, उनके बारे में दर्शकों को जल्द ही जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया कि वह बहुत जल्द निर्देशन की दुनिया में वापसी की प्लानिंग कर रहे हैं। इस दौरान निर्देशक ने 2014 में निर्देशन से ब्रेक लेने की वजह भी स्पष्ट की। सुभाष घई ने खुलासा किया कि फिल्मों के साथ आने वाले कमर्शियल अब काफी विकृत हो गए हैं। सुभाष घई ने यह भी कहा कि फिल्म बनाने के लिए एक बजट की जरूरत होती है। अगर सारे पैसे स्टार ले लेगा तो फिल्म कैसे बनेगी? उन्होंने कहा कि हर सक्रिप्ट का एक बजट होता है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही वह निर्देशन से दूर हैं, लेकिन किसी न किसी तरह लगातार सिनेमा में बने हुए हैं। बता दें कि करीब चार दशक तक अपनी फिल्मों से मनोरंजन करने वाले सुभाष घई ने अब टीवी की दुनिया में कदम रखे हैं। उनका शो 'जानकी' डीडी नेशनल पर प्रसारित होता है।

निजी संपत्ति पर मंदिर बनाने से धार्मिक भावनाएं नहीं हो सकतीं आहत

संविधान ने दिया है अधिकार- इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अपनी निजी संपत्ति पर मंदिर बनाने के अधिकार को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा कि निजी संपत्ति पर मंदिर बनाने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत दिया गया है। हाईकोर्ट में जिला मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें हिंदू संत आचार्य प्रमोद कृष्णम जी महाराज को उनकी निजी जमीन पर मंदिर या फिर किसी ऐसे ढांचे की नींव रखने से रोक दिया गया था।

'धार्मिक भावनाओं को नहीं पहुंच सकती ठेस'

आचार्य प्रमोद कृष्णम की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अपनी निजी संपत्ति पर अगर कोई शख्स मंदिर का निर्माण करता है तो इससे किसी अन्य समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंच सकती है। जस्टिस सलिल कुमार राय और जस्टिस सुरेंद्र सिंह की बेंच ने इस दौरान संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का हवाला दिया।

ये है पूरा मामला

दरअसल 2016 और 2017 में जिला मजिस्ट्रेट (संभल) ने आचार्य प्रमोद कृष्णम के खिलाफ फैसला सुनाते हुए आदेश दिया था कि वो जिला प्रशासन की इजाजत के बिना अपनी निजी संपत्ति पर किसी मंदिर की नींव नहीं रख सकते हैं। इसके बाद प्रमोद कृष्णम की तरफ से रिट याचिका दायर की गई थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसका निपटारा किया। हाईकोर्ट ने डीएम (संभल) के पारित आदेश को अनुमान पर आधारित बताया। जिसमें उन्होंने कहा था कि मंदिर के निर्माण से एक विशेष समुदाय की धार्मिक संवेदनाएं आहत होंगी और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होगी। हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि इस बात का कोई भी सबूत नहीं है कि मंदिर के निर्माण ने सार्वजनिक व्यवस्था को किसी तरह नुकसान पहुंचा है या फिर ये नैतिकता के खिलाफ है। याचिका दायर करने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा था कि वो कल्कि धाम का निर्माण कर रहे थे, क्योंकि वो एक प्रतिष्ठित हिंदू संत हैं और उन्हें गांव में श्री कल्कि धाम का पीठाधीश्वर बनाया गया है।

गोरखपुर में बढ़ने लगी डेंगू मरीजों की संख्या दो संदिग्ध रोगी मिले होगी एलाइजा जांच

गोरखपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर जिले में डेंगू रोगियों की संख्या बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई रैपिड जांच में दो संदिग्ध रोगी मिले। उनके नमूने एलाइजा जांच के लिए भेजे गए हैं। पुष्टि होने के बाद सरकारी आंकड़ों में डेंगू रोगियों की संख्या नौ हो जाएगी, जो अभी सात है। जिले में डेंगू के रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सक भी चिंतित हैं। लगभग सभी पैथोलाजी में प्रतिदिन दो-चार रिपोर्ट पाजिटिव आ रही है। लेकिन विभाग के आंकड़े अभी संक्रमण को बहुत कम बता रहे हैं। सरकारी आंकड़ों में अभी तक केवल सात लोग डेंगू से संक्रमित हुए हैं। शहर में बड़ी संख्या में लोग डेंगू से पीड़ित हैं। पैथोलाजी में रैपिड जांच पाजिटिव आने के बाद उपचार करा रहे हैं, महंगी होने से वे एलाइजा जांच के चक्कर में नहीं पड़ रहे हैं। इस वजह से सरकारी आंकड़ों में रोगियों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है।

चिराग-मांझी को मिलेंगी इतनी सीटें

कई सांसदों का होगा पत्ता साफ

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है। बीजेपी द्वारा अलग-अलग राज्यों पर फोकस किया जा रहा है, इसी लिस्ट में बिहार भी शामिल है। पार्टी ने यहां पिछले लोकसभा चुनाव जैसे नतीजे दोहराने की रणनीति बना ली है और इसी के साथ सीट बंटवारे पर भी फोकस किया जा रहा है। पार्टी चिराग पासवान और पशुपति पारस को कुल 6 सीटें दे सकती है, इनके अलावा अलग-अलग सहयोगियों में भी सीटों का बंटवारा किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी जीतनराम मांझी की पार्टी को एक और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को दो सीटें दे सकती है। बिहार में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं, पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा और जदयू ने साथ में चुनाव लड़ा था लेकिन इस बार दोनों पार्टियों के रास्ते अलग हैं। ऐसे में बीजेपी जदयू वाली सीटों की भरपाई अपने सहयोगियों को देकर करना चाहती है।

जदयू में सेंधमारी करेगी भाजपा

जानकारी के मुताबिक, बीजेपी जदयू में भी सेंधमारी के लिए तैयार है और करीब 6 जदयू के सांसद पाला बदलने को तैयार हैं। भाजपा हर कदम बेहद सोच समझकर लेना चाहती है, ऐसे में वह अपने करीब 3-4 सांसदों का टिकट भी काट सकती है जबकि कुछ सांसदों की सीट बदली जा सकती है। बीजेपी की ओर से लगातार अपने सांसदों को क्षेत्र में रहने की सलाह दी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी लगातार दिल्ली चक्कर लगा रहे सांसदों से परेशान है और उनसे क्षेत्र में रहने की अपील कर रही है। इतना ही नहीं अब केंद्रीय आलाकमान ने साफ कह दिया है कि बिना आधिकारीक काम के कोई भी सांसद दिल्ली में ना रहे, ऐसे सांसदों के टिकट पर ग्रहण भी लग सकता है।

बिहार में अभी क्या है स्थिति?

बिहार में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं, साल 2019 के चुनाव में भाजपा को 17, जदयू को 16 और लोक जनशक्ति पार्टी को 6 सीटें मिली थीं। हालांकि, तब बीजेपी और जदयू ने एक साथ चुनाव लड़ा था और जदयू को सीटों का फायदा भी मिला था। लेकिन 2024 में स्थिति अलग है, नीतीश कुमार केंद्र पर नज़र गढ़ाए बैठे हैं और इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर बीजेपी एनडीए में सहयोगियों को जोड़ने में जुटी है।

भगवान के सामने लूट ! पहले मंदिर में जोड़े हाथ

फिर चाकू दिखाकर पूर्व मंत्री की पत्नी के गहने उतरवाए

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां समाजवादी पार्टी की सरकार में पूर्व मंत्री और सांसद रहे शंखलाल मांझी की पत्नी अंजनी देवी के साथ एक अपराधी ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने बदमाश की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि अंजनी देवी मंदिर में पूजा करने गई थीं,

इसी दौरान बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाश ने मंदिर में हाथ जोड़े। वहीं अंजनी देवी भी मंदिर में भगवान की पूजा-अर्चना करने आई थीं। इसी बीच, बदमाश ने अंजनी के गले पर चाकू रख दिया और पहने हुए आभूषण को मांगने लगा। इसके बाद भयभीत होकर अंजनी ने सोने की अंगूठी,हीरे की अंगूठी, मंगलसूत्र,कान के टप्स उतर कर बदमाश को दे दिए। जिस मंदिर में बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया है, वह गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में है। वहीं, पुलिस अज्ञात बदमाश का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बदमाश की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मंदिर में लूट की घटना हुई है।

पुलिस बदमाश को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लेगी। बताया जा रहा है कि शंखलाल मांझी के घर के ठीक सामने एक पार्क है। यहीं पर मंदिर है। यहां पर शंखलाल मांझी के घरवाले अक्सर भगवान की पूजा-अर्चना करने के लिए आते हैं। मंदिर में कोई बदमाश इस तरीके की घटना को अंजाम देगा, इसके बारे में किसी को भी अंदेशा नहीं था। अंजनी देवी ने आरोपी बदमाश को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह डबल मर्डर केस में दोषी करार

सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया पटना हाईकोर्ट का फैसला

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल ने नेता और पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को डबल मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने दोषी करार दिया है। एक सितंबर को कोर्ट में उनकी सजा पर बहस होगी। इसके बाद कोर्ट सजा सुनाएगी। दरअसल, यह मामला 1995 का है। आरोप लगा था कि पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह ने अपने कहे अनुसार वोट नहीं देने पर छपरा के मसरख इलाके के रहने वाले राजेंद्र राय (47) और दारोगा राय (18) की हत्या करवा दी। आरोप था कि इन लोगों ने प्रभुनाथ सिंह समर्थित प्रत्याशी को अपना मत नहीं दिया था।

निचली अदालत ने दे दी थी रिहाई

पहले यह मामला निचली अदालत पहुंचा था। 2008 में

सबूतों अभाव में यहां से पूर्व सांसद को रिहाई मिल गई थी। इसके बाद यह मामला पटना हाईकोर्ट में पहुंचा। 2012 पटना हाईकोर्ट में मामला गया तो यहां पर निचली अदालत के फैसले को सही माना। इस फैसले के विरोध में राजेंद्र राय के भाई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

तीन जजों की बेंच ने की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों (जस्टिस किशन कौल, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस विक्रम नाम) की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। दोनों पक्ष की दलीलों को सुना। इस मामले प्रभुनाथ सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाया। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को डबल मर्डर केस में दोषी करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बिहार के डीजीपी को प्रभुनाथ सिंह को पेश करने का आदेश दिया है।

एमएलए अशोक सिंह की हत्याकांड में सजा काट रहे

बता दें कि पूर्व सांसद मसरख के तत्कालीन एमएलए अशोक सिंह की हत्याकांड में जेल में सजा काट रहे हैं। 2017 में कोर्ट ने इस मामले में प्रभुनाथ सिंह को इस केस में दोषी करार दिया था। पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह 2010 से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के साथ हैं। वह लालू प्रसाद के करीबी भी माने जाते हैं।

बिहार में सरेआम पत्रकार पर बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

मौत से मचा हंगामा

अररिया, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के अररिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है यहाँ एक अखबार के पत्रकार का गोली मारकर क़त्ल कर दिया गया। पत्रकार की पहचान विमल कुमार यादव के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि विमल को उनके आवास में गोली मारी गई है। घटना आज (18 अगस्त) प्रातः की है। वारदात को चार बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। फिलहाल, पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। प्राप्त खबर के अनुसार, अररिया जिले के रानीगंज स्थित विमल कुमार यादव के आवास पर तड़के चार अपराधी दाखिल हुए थे। उन्होंने विमल को जगाकर उनपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्रकार विमल को सीने में गोली मारी गई है। जैसे ही इस घटना की खबर बाहर लोगों को हुई तो हंगामा मच गया। पहले रानीगंज में लोगों ने हंगामा किया फिर अररिया पोस्टमार्टम स्थल पर भी हंगामा हुआ।

अभी मौके पर भारी पुलिस फोर्स की उपस्थित है। एसपी से लेकर स्थानीय सांसद भी पहुंच चुके हैं। कहा जा रहा है कि विमल को गोली लगने के पश्चात उनकी पत्नी ने चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया। मौके पर पहुंचे लोगों ने रानीगंज थाना को इसकी खबर दी। जिसपर थानाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पहुंचे। आनन-फानन विमल को चिकित्सालय पहुंचाया गया, मगर वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तत्पश्चात, शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर चिकित्सालय भेज दिया गया। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर पत्रकारों का जमावड़ा है। स्थानीय नेताओं के साथ पुलिस के बड़े अफसर भी वहां पहुंचे हैं। लोगों ने जल्द से जल्द हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं, पुलिस हालात को संभालने में जुटी हुई है। साथ ही बदमाशों की तलाश में भी जुट गई है।

यूपी में गंगा की बाढ़ होगी विकराल, अब खतरे की सीमा से 57 हजार क्यूसेक अधिक छोड़ा जा रहा पानी

शाहजहांपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गंगा में बाढ़ और विकराल हो जाएगी। खतरे का निशान करीब एक फीट तक डूब सकता है। शुक्रवार सुबह से गंगा नदी में नरौरा बैराज से 3.17 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। जबकि 2.50 लाख क्यूसेक खतरे की सीमा निर्धारित है। दो दिन बाद रविवार को जब यहां से तीन लाख 17 हजार 158 क्यूसेक पानी पास होगा तो बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के हालात खराब हो जाएंगे। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने भैंसार ढाई बांध की सुरक्षा के लिए 31 अगस्त तक अवर अभियंता को बाढ़ पर कैंप ड्यूटी निर्देश जारी कर दिए है। शुक्रवार सुबह नरौरा बैराज से डिस्चार्ज बढ़ाए जाने की रिपोर्ट मिलने पर प्रशासन में भी खलबली मच गई है। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने एडीएम वित्त एवं राजस्व को बाढ़ प्रभावित गांवों पर नजर रख, हर संभव मदद के दिशा निर्देश जारी किए हैं। गत दिनों छोडे गए 2.39 लाख क्यूसेक पानी के पास होने पर ही क्षेत्र के हालात बदतर बने हुए है। एसडीएम महेश कैथल ने बताया कि क्षेत्र में नायब तहसीलदार टीम के साथ सक्रिय है। शिविरों में रहने वाले बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन के साथ राहत सामग्री बांटी जा रही है। नजीबाबाद में पहाड़ों पर हो रही लगातार वर्षा के चलते एक बार फिर मध्य रात्रि को मालन नदी में उफान आ गया।

जीजा की करतूतः साली की छोटी सी भूल, मजबूर कर बनाए संबंध, फिर जो हुआ... जीते जी मर गई वो

आगरा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के फतेहाबाद थाना क्षेत्र में जीजा की काली करतूत की शर्मनाक घटना सामने आई है। आरोपी ने अपनी साली का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके बाद इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर डराना धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ संबंध बनाए। फिर उसे ब्लैकमेल करने लगा। साली के सब्र का बांध टूटा तो उसने पुलिस से शिकायत की।

बीजेपी के एमएलए मिश्रीलाल यादव को जान का खतरा

भाजपा के सांसद-विधायक पर ही एफआईआर दर्ज

दरभंगा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अलीनगर के बीजेपी विधायक मिश्रीलाल यादव को जान का खतरा है। सबसे बड़ी बात है कि उन्होंने हत्या की साजिश करने का आरोप अपनी ही पार्टी के मधुबनी से सांसद डॉ। अशोक कुमार यादव और विधायक डॉ। मुरारी मोहन झा पर लगाया है। पचाढ़ी स्थान के महंत राम उदित दास उर्फ मौन बाबा को भी आरोपित किया गया है। इस पूरे मामले में 31 नामजद और 60 से 70 अज्ञात लोगों पर रैयाम थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। दो अगस्त को थाने में इस संबंध में आवेदन दिया गया है। अब जाकर मामला सामने आया है। मिश्रीलाल यादव ने

आवेदन में जिक्र किया है कि वो सुबह में टहलकर दुकान पर चाय पीने के लिए बैठे थे। इसी दौरान उन्हें यह पता चला कि दर्जनों लोग उन्हें जान से मारने के लिए आ रहे हैं। इसके बाद वे चाय की दुकान से भाग गए। इस बात का भी जिक्र किया है कि ये सभी लोग उनके पुत्र की भी हत्या करवाना चाहते हैं।

सांसद ने अपने ऊपर लगे आरोप पर क्या कहा?

इस संबंध में बीजेपी सांसद डॉ.अशोक कुमार यादव ने कहा कि दो अगस्त को थाने में आवेदन दिया गया था। उस समय वे संसद की कार्यवाही में शामिल होने के लिए दिल्ली में थे। केस नौ अगस्त को दर्ज हुआ। उस दिन भी वे दिल्ली में ही थे। पुलिस ने मुझसे बात नहीं की और एफआईआर दर्ज कर ली। जो भी आरोप लगा है वो निराधार है।

मुरारी मोहन झा बोले- वह दिल्ली में थे

केवटी से बीजेपी के विधायक डॉ। मुरारी मोहन झा ने भी इस पूरे मामले में सफाई दी। उन्होंने कहा कि 18 जुलाई को ऑपरेशन कराने के लिए दिल्ली गए थे। वहां से चार अगस्त को दरभंगा लौटे। विधायक मिश्रीलाल यादव का आरोप गलत है। इस संबंध में रैयाम थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि दो अगस्त की शाम को आवेदन मिला था। पदाधिकारी को जांच के लिए आवेदन दिया गया तो कुछ बातें सत्य पाई गईं। इसके बाद वरीय पदाधिकारी के आदेश पर प्राथमिक दर्ज की गई है।

कानपुर का डर्टी टीचर ! ट्यूशन पढ़ने वाली छात्राओं को दिखाता था अश्लील वीडियो

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक शिक्षक पर आरोप है कि ट्यूशन आने वाली छात्राओं को वह मोबाइल पर अश्लील क्लिप दिखाता था और उनसे वैसा ही करने को कहता था। हालांकि, शिक्षक की इस करतूत के बारे में जैसे ही छात्राओं के परिजनों को पता चला उन्होंने इसकी तत्काल शिकायत पुलिस को की। वहीं, पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी शिक्षक को अरेस्ट कर लिया गया है। परिजनों का कहना है कि शिक्षक की करतूत से मासूम बच्चियां हफ्ते भर से भयभीत थीं, लेकिन डर की वजह से घरवालों को कुछ नहीं बता पा रही थीं। घरवालों के बार-बार पूछे जाने पर एक बच्ची ने शिक्षक की करतूत मां को बता दीं। इसके बाद मामला संज्ञान में आने के बाद परिजनों ने ट्यूशन टीचर के खिलाफ चमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। बच्चियों के परिजनों ने बताया कि आरोपी टीचर मोहम्मद आमिर पिछले पांच वर्षों से उनके घर पर कोचिंग पढ़ाने आता था। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया।

मुख्तार की बहू निखत 188 दिन बाद जेल से रिहा

चित्रकूट, 18 अगस्त (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी की बहू और मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो को गुरुवार रात जिला जेल से रिहाई मिल गई। इससे पहले दिन में लखनऊ में प्रभारी अपर जिला एवं विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) गौरव कुमार के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने डेढ़ लाख रुपये की दो प्रतिभूति तथा मुचलका दाखिल करने पर रिहाई का आदेश पारित किया। निखत बानो का जमानत प्रार्थना पत्र 11 अगस्त को उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया था। जमानत पत्रावली पर सुनवाई

के दौरान न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि अभियुक्त (निखत) को अपने पति से जेल में मिलने के लिए जाने से पूर्व ट्रायल कोर्ट की स्वीकृति लेना आवश्यक होगा। जमानत के आधार पर रिहाई आदेश जारी करने से पहले अभियुक्त का ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। इसके अनुपालन में जिला कारागार चित्रकूट की ओर से निखत को गुरुवार को लखनऊ में प्रभारी अपर जिला की अदालत में पेश किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निखत बानो की जमानत मंजूर की थी। निखत यूपी की जेल में बंद माफिया सरगना मुख्तार अंसारी के विधायक पुत्र अब्बास अंसारी की पत्नी हैं। निखत को जेल में अपने पति से गैरकानूनी तरीके से मिलने पर गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस एएस बोपन्ना और एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने शुक्रवार को राहत देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता एक महिला है और एक साल के बच्चे की मां है। निखत बानो को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार किया था जब वह चित्रकूट की जेल में अपने पति अब्बास अंसारी से मिलने आई थी। तलाशी के दौरान उसके पास से दो मोबाइल फोन, 20 हजार रुपये नकद और 12 रियाल बरामद किए गए थे। उसी समय उसके ड्राइवर नियाज को भी पकड़ा गया था।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, ससुराल वालों पर हत्या का आरोप, पति समेत दो हिरासत में

बरेली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली के शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव राठ में संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत हो गई। मायका पक्ष ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विवाहिता के पति के दूसरी युवती से संबंध हैं, जिसका विवाहिता विरोध कर रही थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पति समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है।

'वाहनों पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर लिखने वालों की खैर नहीं', सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। गुरुवार को चेन स्नेचिंग की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह छोटी-छोटी घटनाएं बड़ी बन जाती हैं। पुलिस की क्षेत्रों में पेट्रोलिंग नियमित रूप से कराई जाए। वाहनों पर जातिसूचक बोर्ड लगाकर कोई न चलने पाए। इस पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जाए। कार या बाइक पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर लिखने वालों की खैर नहीं होगी। सीएम ने कहा कि निर्माणाधीन विकास एवं निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर अभियान चलाकर गुणवत्ता के साथ में निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को प्रत्येक दशा में प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाए। वाई-20 के उद्घाटन समारोह में शिरकत करने के लिए गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की।

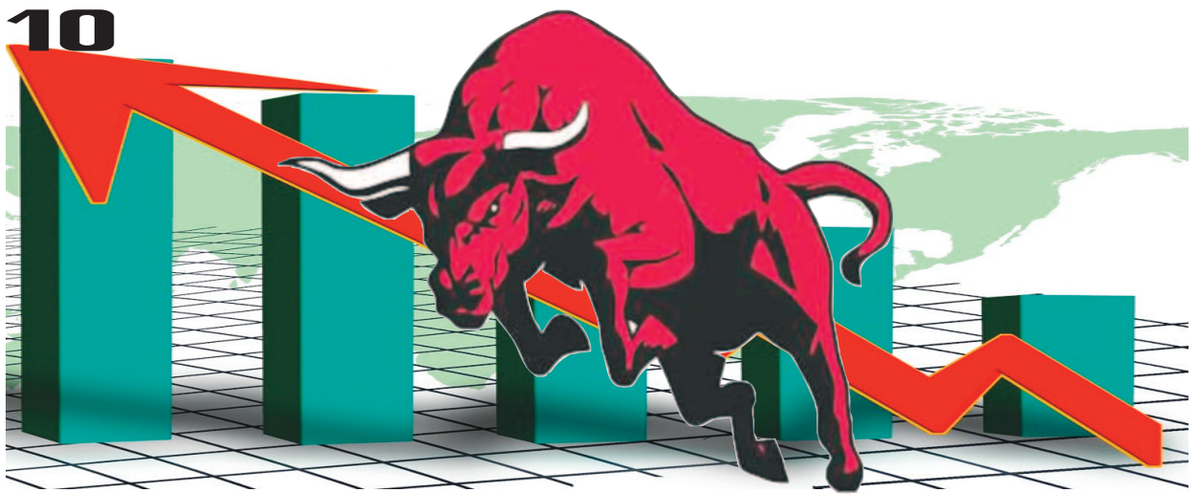

'भारत आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा' शोध रिपोर्ट्स का हवाला देकर पीएम ने कही ये बात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कुछ रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि भारत इक्विटेबल (समान) और सामूहिक समृद्धि हासिल करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। पीएम ने कहा कि देश आर्थिक प्रगति के नए युग के मुहाने पर खड़ा है और 2047 तक विकसित होने की राह पर है। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि उन्हें हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित दो व्यावहारिक शोधपरक रिपार्ट मिले। ये भारत की अर्थव्यवस्था में रुचि रखने वालों के लिए उत्सुकता पैदा करने वाले हो सकते हैं। इनमें एक एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट है दूसरी पत्रकार अनिल पद्मनाभन की रिपोर्ट है। पीएम ने कहा, 'इन विश्लेषणों से यह पता चलता है कि भारत न्यायसंगत और सामूहिक समृद्धि हासिल करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। इन रिपोर्टों की मुख्य बातों को

साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एसबीआई रिसर्च ने (आईटीआर रिटर्न के आधार पर) बताया है कि भारित औसत आय ने पिछले नौ वर्षों में एक सराहनीय छलांग लगाई है, जो आकलन वर्ष 2014 के 4.14 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 13 लाख रुपये हो गई। दोनों रिपोर्टों के कई आंकड़ों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि ये निष्कर्ष न केवल भारत के सामूहिक प्रयासों को दर्शाते हैं, बल्कि एक राष्ट्र के रूप में इसकी क्षमता को भी दोहराते हैं। उन्होंने कहा, बढ़ती समृद्धि राष्ट्रीय प्रगति के लिए शुभ संकेत हैं। निस्संदेह, हम आर्थिक समृद्धि के एक नए युग के शिखर पर खड़े हैं और 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने सपने को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 2022 के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में पांच संकल्पों का खुलासा किया था और 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना उनमें से एक था। पीएम ने भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति जैसी बुराइयों को दूर करने का आह्वान करते हुए इस लक्ष्य के आसपास अपनी सरकार के विभिन्न प्रयासों को रखने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि पद्मनाभन के आईटीआर आंकड़ों के अध्ययन से पता चलता है कि सभी आय वर्गों में कर आधार बढ़ रहा है और उनमें से प्रत्येक में कर फाइलिंग में न्यूनतम तीन गुना वृद्धि देखी गई है, कुछ ने तो लगभग चार गुना वृद्धि भी हासिल की है. शोध में राज्यों में आयकर फाइलिंग में वृद्धि के संदर्भ में सकारात्मक प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2023 के बीच आईटीआर फाइलिंग की तुलना करने से डेटा सभी राज्यों में बढ़ी हुई कर भागीदारी की एक आशाजनक तस्वीर पेश करता है। उदाहरण के लिए, आईटीआर डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि आईटीआर फाइलिंग के मामले में उत्तर प्रदेश राज्य शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। जून 2014 में उत्तर प्रदेश में 1.65 लाख आईटीआर फाइल किए गए थे, लेकिन जून 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 11.92 लाख हो गया। उन्होंने कहा कि एसबीआई की रिपोर्ट में एक उत्साहजनक पहलू भी सामने आया है। छोटे राज्यों और वह भी पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में पिछले नौ वर्षों में आईटीआर फाइलिंग में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

आरबीआई ने लोन अकाउंट में पेनल्टी को लेकर बैंकों- वित्तीय संस्थानों को जारी किए निर्देश, किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए नई गाइडलाइंस का एलान किया है। इसके तहत लोन अकाउंट्स में पेनल्टी को लेकर कई नियमों के बारे में निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने कहा है कि बैंक और रेगुलेटेड एंटिटी अपने रेवेन्यू बढ़ाने के लिए लोन अकाउंट्स पर पेनल्टी के विकल्प का इस्तेमाल ना करें।

रिजर्व बैंक ने बनाए नियम- जानें क्या हैं

रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर जारी कर दिया है जिसके तहत उसने बैंकों को बताया है कि वो लोन अकाउंट्स पर कैसे पेनल्टी के नियमों का पालन कर सकते हैं।

ये फैसला आरबीआई ने हाल के कई घटनाक्रमों के बाद लिया है जिसमें बैंक लोन के ऊपर लिए जा रहे इंटरेस्ट में ही पेनल्टी जोड़ दे रहे हैं और इसके आधार पर कर्जधारकों से इंटरेस्ट के ऊपर इंटरेस्ट ले रहे हैं।

आरबीआई ने नई गाइडलाइंस का एलान कर दिया है जिससे लोन डिफॉल्ट होने की स्थिति में बैंको के जरिए लिए जाने वाले जुर्माने को पीनल चार्ज के तौर पर देखा जाएगा ना कि पीनल इंटरेस्ट के तौर पर देखा जाए।

आरबीआई ने एक्स पर पोस्ट करके दी जानकारी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इन बदले हुए नियमों की जानकारी अपने एक्स(पूर्व में ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर दी है और आरबीआई के सर्कुलर को इस एक्स पोस्ट में शामिल किया है। इस पर जाकर इन बदली हुई गाइडलाइंस की पूरी जानकारी ली जा सकती है।

कब से लागू होंगी ये नई गाइडलाइंस

आरबीआई के सर्कुलर के मुताबिक ये नई गाइडलाइंस अगले साल यानी 1 जनवरी 2024 से लागू हो जाएंगी। सभी कमर्शियल बैंकों जिनमें स्मॉल फाइनेंस बैंक, लोकल एरिया बैंक और रीजनल रूरल बैंक इस नियम के दायरे में आएंगे और पेमेंट बैंकों पर भी ये नियम लागू होगा।

सोना हुआ महंगा, चांदी की चमक में भी इजाफा

चेक करें शहरों के हिसाब से नए रेट्स

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सोने-चांदी के दाम में बढ़त दर्ज की जा रही है। वायदा बाजार में आज सोना हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की चमक में भी इजाफा हुआ है। सोने की बात करें तो यह 0.18 फीसदी यानी 104 रुपये की तेजी के साथ 59,429 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था। वहीं सुबह 11 बजे तक यह 58,390 रुपये पर कारोबार कर रहा है। वहीं कल गोल्ड 58,290 रुपये पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी का हाल?

सोने के अलावा आज चांदी भी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। यह मार्केट खुलने के बाद 402 रुपये यानी 0.57 फीसदी की तेजी के साथ 70,450 रुपये पर कारोबार कर रही थी। सुबह 11 बजे इसके दाम में कुछ कमी आई है लेकिन फिर भी यह 382 रुपये की तेजी के साथ 70,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर है। गुरुवार की बात करें तो चांदी 70,018 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी का क्या है हाल?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी दोनों की कीमत में बढ़त दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को सोने के दाम में 0.2 फीसदी की तेजी देखी गई है और यह 1,892.02 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसमें 0.4 फीसदी की तेजी आई है और यह 1,921.90 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं चांदी की बात करें तो इसमें भी शुक्रवार को 0.6 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 22.82 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।चेन्नई- 24 कैरेट सोना 59,510 रुपये प्रति 10 ग्राम , चांदी 76,700 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रहा है। मुंबई- 24 कैरेट सोना 59,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रही है।

दिल्ली- 24 कैरेट सोना 59,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। कोलकाता- 24 कैरेट सोना 59,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। पुणे- 24 कैरेट सोना 59,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। जयपुर- 24 कैरेट सोना 59,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। लखनऊ- 24 कैरेट सोना 59,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-56 बजे
चंद्र-	कन्या में	कन्या..	08-03 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	10-08 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	12-18 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	14-32 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-39 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	18-29 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	20-07 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-42 बजे
		वृष--	23-28 बजे
		मिथुन..	01-28 बजे
		कर्क...	02-41 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-03**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्य अस्त- **18-36**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **22 -19** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , शनिवार **19 August**
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - **01-47** तक उप- हस्त
योग - सिद्ध - **21 - 18** - तक उप साध्य
करण- तैतिल - **09 -12** - तक उप- गर
विशेष:- स्वर्णगौरी-हरियाली तीज
व्रत -त्योहार - मधुश्रवा तीज

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:10 से 10:45 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:03 - 07:36 अशुभ	लाभ.	18:36 - 20:04 शुभ
शुभ.	07:36 - 09:10 शुभ	उत्पात	20:04 - 21:29 अशुभ
रोग	09:10 - 10:45 अशुभ	शुभ.	21:29 - 22:54 शुभ
उत्पात	10:45 - 12:20 अशुभ	अमृत	22:54 - 00:20 शुभ
चंचल	12:20 - 13:54 शुभ	चंचल	00:20 - 01:45 शुभ
लाभ	13:54 - 15:29 शुभ	रोग	01:45 - 03:10 अशुभ
अमृत	15:29 - 17:04 शुभ	काल	03:10 - 04:36 अशुभ
काल	17:04 - 18:36 अशुभ	लाभ	04:36 - 06:03 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप अपने निराशावादी रवैये के कारण कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह समझने का समय आ गया है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को धीमा कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित बदलाव देखेंगे।आज अपने साथी के साथ बाहर जाने का उपयुक्त समय है । इस समय का कुछ हलकी फुलकी बातो से आनंद ले ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपना घर और स्वास्थ्य त्याग देते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। अपने परिवार के सदस्यों के प्रति आपका प्रभुत्वपूर्ण रवैया केवल बेकार बहस को जन्म देगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

कुछ आघातों का सामना करते समय आपको अत्यधिक साहस और शक्ति प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। आप अपने आशावादी रवैये से इन पर आसानी से काबू पा सकते हैं। मनोरंजन और विलासिता पर ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च न करें। एक सुखद और अद्भुत शाम के लिए आपके घर पर मेहमानों की भीड़ उमड़ेगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

मेलजोल का डर आपको परेशान कर सकता है। इसे दूर करने के लिए अपने आत्मसम्मान को प्रोत्साहित करें। आर्थिक स्थिति ख़राब होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुक जायेंगे। नया रिश्ता लंबे समय तक चलने वाला और बेहद फायदेमंद रहेगा। आज कुछ गलतफहमियों के कारण आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते में खटास आ सकती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

गर्दन/पीठ में लगातार दर्द से पीड़ित होने की संभावना। खासकर जब इसके साथ सामान्य कमजोरी भी हो तो इसे नजरअंदाज न करें। आज आराम बहुत महत्वपूर्ण रहेगा. वित्तीय समस्याएँ आपकी रचनात्मक सोचने की क्षमता को नष्ट कर देती हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज एक विशेष दिन है क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण करने में सक्षम बनाएगा। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और वित्तीय सुरक्षा में वृद्धि करेगा। आज आपको निराशा महसूस होगी जब आपको पता चलेगा कि जिस पर आपने हमेशा भरोसा किया है वह आपके प्रति बहुत ईमानदार नहीं है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

हवाई महल बनाने में अपना समय बर्बाद न करें। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। अगर आप अपने पत्ते अच्छे से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त नकदी कमाएंगे। रिश्तेदारों और दोस्तों से अप्रत्याशित उपहार और उपहार। पिछली ख़ुशनुमा यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

यदि आपका बच्चा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है तो उसे डांटें नहीं। आपको उसे अगली बार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने नवोन्मेषी विचार का उपयोग करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपका सबसे प्यारा सपना साकार होगा. लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि बहुत ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानियाँ खड़ी कर सकती है। वित्तीय कठिनाइयाँ आलोचना और वाद-विवाद का कारण बन सकती हैं - उन लोगों को 'न' कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़्यादा खाने से बचें। आपके परिवार में किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि इस समय आपको पैसों से ज़्यादा उनके स्वास्थ्य की चिंता करनी चाहिए। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु व्यवहार से आपको परेशान कर सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की ज़रूरत नहीं है अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। याद रखें जिसे ठीक नहीं किया जा सकता उसे सहना होगा। आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपना कारोबार अच्छा कर सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

गैस की समस्या वाले मरीजों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। जो लोग लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे उन्हें आज कहीं से धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे जीवन की कई परेशानियां पल भर में खत्म हो जाएंगी। आप पाएंगे कि दोस्त और रिश्तेदार आपकी ज़रूरतों को नहीं समझेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने टीएक्यए के निवेश की खबरों का किया खंडन

रिपोर्ट्स के बाद शेयरों में उछाल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने शुक्रवार को उस रिपोर्ट का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि अबू धाबी की टीएक्यूए अदाणी समूह की बिजली इकाइयों में 2.5 अरब डॉलर तक का निवेश कर सकती है। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, "हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि कंपनी अबू धाबी नेशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) के साथ समूह में निवेश पर किसी तरह की चर्चा नहीं कर रही है। इससे पहले अबु धाबी नेशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) की ओर से भारत में खुद की उपस्थिति को दोगुना करने की खबरों के बीच अदाणी समूह की कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी पावर के शेयरों में शुक्रवार के कारोबार में मजबूती दिखी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड यूटिलिटीज में से एक और अबू धाबी सिक्योरिटीज एक्सचेंज (एडीएक्स) में दूसरा सबसे बड़ा स्टॉक टीएक्यूए अदाणी ग्रुप की फर्मों या किसी एक इकाई में 1.5 से 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने का इच्छुक है। टीएक्यूए ऊर्जा और पानी का कारोबार करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी है, यह चार महादेशों के 11 देशों में अपना कारोबार करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार टीएक्यूए ने अदाणी समूह के फर्मों में 19.5% तक की हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की मौजूदा वैल्यू 91,660 करोड़ रुपये

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की मौजूदा वैल्यू 91,660 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रमोटर्स की 68.28 फीसदी हिस्सेदारी है। मौजूदा मूल्य पर करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का मतलब 18,240 करोड़ रुपये (2.19 अरब डॉलर) का निवेश होगा। गुरुवार को कंपनी का शेयर 821.70 रुपये पर बंद हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों पक्ष एक रणनीतिक गठबंधन में प्रवेश करने और उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया में परियोजनाओं पर एक साथ काम करने पर विचार कर रहे हैं।

2005 में हुई थी अबु धाबी की कंपनी टीएक्यूए की स्थापना

2005 में स्थापित टीएक्यूए का बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण परिसंपत्तियों के साथ-साथ अपस्ट्रीम और मिडस्ट्रीम तेल और गैस संचालन में निवेश है। इसकी संपत्तियां संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कनाडा, घाना, भारत, इराक, मोरक्को, ओमान, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका में फैली हुई हैं।

अमेरिकी कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने भी अदाणी समूह में खरीदी हिस्सेदारी

भारतीय बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदाणी के साथ साझेदारी करके टीएक्यूए इस तेजी से विकसित हो रहे बाजार में मजबूत आधार हासिल कर सकता है।

खत्म हुआ रिलायंस के निवेशकों का इंतजार

21 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंज पर होगी जियो फाइनेंशियल सर्विसज की लिस्टिंग

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज से डिमर्जर के बाद अलग हुई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की 21 अगस्त, 2023 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग होगी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने रेग्यूलेटरी फाइलिंग में स्टॉक एक्सचेंज को लिस्टिंग की तारीख की जानकारी दी है। बाकी आईपीओ की लिस्टिंग के समान जियो फाइनेंशियल के स्टॉक की लिस्टिंग के लिए 21 अगस्त को स्पेशल प्री-ओपेन सेशन का आयोजन किया जाएगा। प्री-ओपन सेशन के बाद सुबह 10 बजे स्टॉक एक्सचेंज पर घंटी बजाकर औपचारिक रूप से शेयर में ट्रेडिंग की शुरूआत होगी।

10 अगस्त को डिमैट खाते में आ गए शेयर

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के रिलायंस इंडस्ट्रीज से डिमर्जर के लिए 20 जुलाई 2023 को जियो फाइनेंशियल के स्टॉक प्राइस की डिस्कवरी करने के लिए स्पेशल ट्रेडिंग का आयोजन किया गया था। इस स्पेशल ट्रेडिंग सेशन में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर एनएसई पर 273 रुपये पर सेटल हुआ था। जबकि बीएसई पर 261.85 रुपये पर प्राइस सेटल हुआ। जियो फाइनेंशियल के स्टॉक प्राइस की स्टॉक प्राइस के लिए हुए खास ट्रेडिंग सेशन के बाद जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मार्केट कैप 1,66,000 करोड़ रुपये यानी 20 अरब डॉलर आंका गया है।

डिमैट खाते में आ गए जियो फाइनेंशियल के शेयर

डिमर्जर के फॉर्मूले के मुताबिक जिस भी निवेशक के पास 19 जुलाई तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के जितने शेयर थे उन्हें उतने ही जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर्स अलॉट किए गए हैं। 10 अगस्त 2023 को पात्रता रखने वाले निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर क्रेडिट कर दिया गया है।

बंटवारे के बाद मुकेश अंबानी की पहली कंपनी की लिस्टिंग

आपको बता दें अंबानी भाईयों की कारोबारी राहें 18 वर्ष पहले 2005 में जुदा होने के बाद ये पहला मौका है जब रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के नियत्रंण वाली किसी कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग होने जा रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज 1977 में पूर्व चेयरमैन धीरूभाई अंबानी के नेतृत्व में स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुई थी। रिलायंस समूह के बंटवारे के बाद अनिल अंबानी के पास वित्तीय, टेलीकॉम, पावर और इंफ्रा से जुड़ा कारोबार चला गया था। मुकेश अंबानी के पास पेट्रोलियम कारोबार था। बाद में उन्होंने रिटेल सेक्टर में कदम रखते हुए रिलायंस रिटेल और टेलीकॉम सेक्टर में पांव जमाते हुए रिलायंस जियो को खड़ा किया।

लाल निशान में बंद हुआ बाजार सेंसेक्स 65000 के नीचे फिसला

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भी ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। बीएसई सेंसेक्स इस गिरावट के चलते 65000 के आंकड़े के नीचे जा फिसला। आईटी और मिडकैप शेयरों में आज बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 202 अंकों की गिरावट के साथ 64,948 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की निफ्टी 55 अंकों की गिरावट के साथ 19,310 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में आईटी सेक्टर के स्टॉक्स में बड़ी बिकवाली देखने को मिली है। निफ्टी आईटी 456 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। इसके अलावा बैंकिंग, फार्मा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि एफएमसीजी। मेटल्स, एनर्जी, मीडिया सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप सेक्टर के शेयर भी गिरकर क्लोज हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 9 स्टॉक तेजी के साथ और 21 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 14 शेयर तेजी के साथ 36 शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को नुकसान हुआ है। आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 303.39 लाख करोड़ रुपये पर आ गया जो इसके पहले सेशन में 303.90 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों को 51,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के ट्रेड में मारुति सुजुकी 0.98 फीसदी, रिलायंस 0.75 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.67 फीसदी, नेस्ले 0.67 फीसदी, एचयूएल 0.53 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.36 फीसदी, आईटीसी 0.24 फीसदी, एसबीआई 0.17 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.01 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

कौन हैं 'तिमुर तुरलोव', जिन्हें हिंडनबर्ग रिसर्च ने बनाया है अपना नया शिकार?

न्यूयार्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च भारत में अब काफी परिचित नाम बन चुकी है। इस कंपनी ने 2023 की शुरुआत में भारत के उस समय के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी और उनके कारोबारी साम्राज्य को निशाना बनाया था, जिसके असर से अब तक अडानी व उनकी कंपनियां उबर नहीं पाई है। उस हिंडनबर्ग रिसर्च ने अब कजाखस्तान के एक अरबपति को निशाना बनाया है।

हिंडनबर्ग ने लगाए ये आरोप

हिंडनबर्ग रिसर्च का ताजा शिकार बने हैं कजाखस्तान के कारोबारी तिमुर तुरलोव और उनकी कंपनी फ्रीडम होल्डिंग। तिमुर तुरलोव कजाखस्तान बेस्ड कंपनी फ्रीडम होल्डिंग के सीईओ हैं। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने फ्रीडम होल्डिंग पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। हिंडनबर्ग का कहना है कि फ्रीडम होल्डिंग ने रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है। इसके अलावा हिंडनबर्ग ने फेक रेवेन्यू दिखाने का भी आरोप लगाया है। वहीं फ्रीडम होल्डिंग ने हिंडनबर्ग के आरोपों को कयासबाजी बताया है।

इस तरह से कमाती है हिंडनबर्ग

दरअसल अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च दुनिया भर के अरबपतियों और उनकी कंपनियों को निशाना बनाकर कमाई करने के लिए कुख्यात है। हिंडनबर्ग रिसर्च जिस भी कंपनी को निशाना बनाती है, पहले उसके शेयरों को शॉर्ट करती है। उसके बाद वह टारगेट कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट जारी करती है। रिपोर्ट और उसमें लगे आरोपों के बाद स्वाभाविक तौर पर टारगेट कंपनी के शेयर गिरते हैं और इस तरह से हिंडनबर्ग को मोटी कमाई हो जाती है।

अडानी, डोर्सी, इकान भी बने निशाना

हिंडनबर्ग ने जनवरी 2023 में अडानी समूह को टारगेट पर लिया था। उसके बाद अडानी समूह के सभी शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। रिपोर्ट आने से पहले गौतम अडानी भारत व एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। उनकी गिनती दुनिया के तीन सबसे अमीर लोगों में होने लगी थी, लेकिन रिपोर्ट के बाद वह टॉप-30 से भी बाहर हो गए थे। उसके बाद हिंडनबर्ग रिसर्च ट्विटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी की नई स्टार्टअप स्क्वेयर इंक और अरबपति कार्ल इकान को भी निशाना बना चुकी है।

ऐसा हुआ है फ्रीडम पर असर

फ्रीडम होल्डिंग एक कैपिटल मार्केट कंपनी है, जो सेंट्रल एशिया व ईस्टर्न यूरोप में रिटेल ब्रोकरेज से लेकर इन्वेस्टमेंट बैंकिंग जैसी सर्विसेज प्रोवाइड करती है। यह कजाखस्तान बेस्ड मल्टीनेशनल कॉरपोरेट है, जो टेक फोकस्ड अमेरिकी एक्सचेंज नासडैक पर भी लिस्टेड है। इसकी बाजार वैल्यू रिपोर्ट आने से पहले 4.6 बिलियन डॉलर थी। फ्रीडम होल्डिंग ने भले ही हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया हो, लेकिन उसके ऊपर नकारात्मक असर पड़ा है।

भूमिहार के सहारे कांग्रेस की यूपी को साधने की कोशिश

अजय राय का क्यों टूटा था बीजेपी से दिल?

वाराणसी, 18 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के एक बड़े भूमिहार चेहरे अजय राय को कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कमान दे दी है। भले ही इस जाति वर्ग का यूपी की राजनीति में अधिक बर्चस्व नहीं रहा हो, लेकिन यह वर्ग अपनी अलग जगह बनाता दिखता है। कांग्रेस ने पिछले दिनों में लगातार यूपी में प्रयोग किए, लेकिन प्रदेश की सत्ता से करीब साढ़े तीन दशक से दूर पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी के संगठन को मजबूती देने के लिए अजय राय को सामने लाया गया है। कांग्रेस मानकर चल रही है कि अजय राय पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को निपटाकर संगठन को एक बार फिर भाजपा के मुकाबले में खड़ा करने में सफल होंगे। अजय राय इस प्रकार का दावा भी कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद वे भाजपा को उत्तर प्रदेश में उसके पुराने स्थान पर वापस भेजने का दावा किया गया है। बृजलाल खाबरी की जगह पर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाने संबंधी नोटिस पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी किया गया है।

दलित से सवर्ण राजनीति की तरफ कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी ने बृजलाल खाबरी को पिछले साल प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी थी। इसके बाद से दावा किया जा रहा था कि पार्टी सवर्ण के साथ-साथ दलित राजनीति को साधने का प्रयास करेगी। खाबरी ने अध्यक्ष बनने के बाद अपने इरादे भी साफ कर दिए थे। उन्होंने कहा था कि मैं ऐसी जाति से आता हूं, जिसे कभी सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। ऐसे में दलितों के सम्मान का मुद्दा उठाने की कोशिश की। हालांकि, इसके बाद अन्य दलों की ओर से दलितों के लिए किए जाने वाले कार्यों को गिनाना शुरू कर दिया गया। दलित सम्मान की आवाज बनी मायावती का उदाहरण दिया जाने लगा। पिछले दिनों में अखिलेश यादव ने भी पीडीए के जरिए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की राजनीति पर फोकस किया है। ऐसे में अजय राय के जरिए कांग्रेस सवर्णों को साधने की कोशिश करती दिख रही है।

अजय राय के अध्यक्ष बनने के बाद यूपी में विपक्षी गठबंधन इंडिया की अलग रणनीति पर चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, इंडिया में कांग्रेस के साथ-साथ अभी अखिलेश यादव और जयंत चौधरी दिख रहे हैं। अखिलेश वर्तमान समय में माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण को मजबूत करने के साथ-साथ इसमें गैर यादव पिछड़ों को साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। ऐसे में अखिलेश की राजनीति में कांग्रेस बाधा पहुंचाने के मूड में नहीं दिख रही है। पार्टी की ओर से अजय राय को आगे करके अब सवर्णों को साधने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, यूपी में भूमिहार वर्ग की पकड़ ब्राह्मण और राजपूत दोनों वोट बैंक के बीच दिखती है। अपनी इस सामाजिक पकड़ का फायदा उठाकर अजय राय भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर सकते हैं।

ऐसे हुआ था भाजपा से मोहभंग

अजय राय वाराणसी के दबंग नेताओं में शामिल थे। 3 अगस्त 1991 की सुबह वाराणसी के लहुराबीर इलाके में एक बड़ी घटना घटी। घर के बाहर अवधेश राय अपने छोटे भाई अजय राय के साथ बैठ कर बात कर रहे थे। उसी समय एक मारुति वैन आई और अवधेश राय को गोलियों से भून दिया गया। इसके तुरंत बाद अवधेश राय की मौत हो गई। अवधेश हत्याकांड में बाहुबली मुख्तार अंसारी समेत अन्य को आरोपी बनाया गया। करीब 32 सालों तक कोर्ट में यह केस चला। पिछले दिनों इस मामले में फैसला आया है। हालांकि, इस घटना के बाद अजय राय ने अपने भाई की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। भाजपा ने अजय राय को कोलअसला सीट से उम्मीदवार बनाया। अजय राय विधायक चुने गए। 2002 और 2007 में भी वे जीते।

लोकसभा चुनाव 2009 में उन्होंने वाराणसी लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी पेश की। भाजपा ने यहां से सीनियर नेता मुरली मनोहर जोशी को उम्मीदवार बना दिया। नाराज अजय राय ने भाजपा छोड़ दी। वे समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सपा ने उन्हें वाराणसी से उम्मीदवार बनाया। लेकिन, मुरली मनोहर जोशी के हाथों उनकी हार हुई। इसके बाद कोलअसला विधानसभा सीट पर हुए 2009 के उप चुनाव में वे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उतरे और जीते। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ले ली। 2012 के चुनाव से पहले हुए परिसीमन में कोलअसला विधानसभा सीट का अस्तित्व समाप्त हो गया। यह सीट पिंडरा विधानसभा सीट के नाम से जानी जाने लगी। 2012 के विधानसभा चुनाव में पिंडरा सीट से उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज की।

पिछले चुनावों में नहीं मिली जीत

अजय राय ने पिछले चार चुनावों में किस्मत आजमाई, लेकिन उन्हें जीत नहीं मिल सकी। यूपी विधानसभा चुनाव 2017 और 2022 में भाजपा के डॉ. अवधेश सिंह ने पिंडरा सीट पर जीत दर्ज की।

इन दोनों चुनावों में अजय राय तीसरे स्थान पर रहे। बसपा के बाबूलाल दोनों उप चुनाव में उप विजेता रहे। अजय राय ने लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में वाराणसी सीट पर पीएम नरेंद्र मोदी को चुनौती दी। हालांकि, कांग्रेस के संगठनकर्ता के तौर पर लगातार वे बने रहे हैं। अब प्रदेश अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे।

विदेश घुमाने के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर के 7 लोगों से प्रीमियम पैकेज के नाम पर ठगे थे रुपए, दिल्ली से 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर जिले में विदेश घुमाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली के एक हॉलिडे बुकिंग एजेंट ने ये ठगी की। आरोपियों ने विदेश यात्रा के प्रीमियम पैकेज के नाम पर ऑनलाइन लाखों रुपए वसूल कर लिए और फिर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने महिला समेत 2 एजेंट्स को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

इस मामले में पीड़ित रितेश सोनी ने बताया कि वो राजेंद्र नगर इलाके में टूर एंड ट्रैवलिंग का बिजनेस करता है। वो दिल्ली के युग हॉलिडे नाम की कंपनी के साथ मिलकर लोगों को विदेश यात्रा करवाता है। पहले यहां के स्थानीय लोगों से वो पैसा लेता है, फिर उसे युग हॉलिडे के मालिक कंचन कश्यप और अनिल शर्मा को देता है। जिसके बाद वे आगे की विदेश यात्रा की प्लानिंग कर ऑनलाइन बुकिंग करते हैं।

आरोपियों ने कई महीनों तक चक्कर कटवाया

पीड़ित ने बताया कि 8-9 महीने पहले रायपुर के करीब 7 लोगों ने उससे हॉलिडे ट्रिप के लिए संपर्क किया। उन्होंने नेपाल और सिंगापुर की विदेश यात्रा के लिए करीब 3 लाख 40 हजार रुपये दिल्ली की इस टूर कंपनी को ऑनलाइन भेजे। आरोपी कंचन और अनिल शर्मा ने कहा कि वह होटल बुकिंग से लेकर हवाई जहाज का कम दर में प्रीमियम पैकेज देंगे। लेकिन पैसे लेने के बाद वे बुकिंग के लिए टालमटोल करने लगे और फिर गायब हो गए।

इसके बाद रितेश सोनी ने राजेंद्र नगर थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस काफी दिनों से इनकी तलाश कर रही थी।

जांच में साइबर सेल की भी मदद ली गई। अब जाकर पुलिस ने आरोपी कंचन कश्यप और अनिल शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को रायपुर लाया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक करोड़ के इनामी मल्ला राजी रेड्डी की मौत

जगदलपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ से नक्सलियों ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में नक्लियों द्वारा बताया जा रहा है कि लंबी बीमारी से ग्रसित एक करोड़ के इनामी नक्सली मल्ला राजी रेड्डी की मौत हो गई है। इसकी जानकारी लगते ही पुलिस अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं, जिसमें नक्सली की पूरी कुंडली खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि दंडकारण्य के स्पेशल जोनल कमेटी के मेंबर के साथ ही समय-समय पर नक्सलियों की जानकारी से लेकर घटनाओं को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मल्ला राजी रेड्डी सूचना देता था। मल्ला राजी रेड्डी छत्तीसगढ़ से लेकर आंध्रप्रदेश, ओडिसा में काफी सक्रिय था।

साहिबगंज अवैध खनन मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला

हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने का आदेश

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। साहिबगंज खनन मामले में आज हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। कोर्ट ने विजय हांसदा के खिलाफ साहिबगंज में दर्ज एसटी/ एससी केस की जांच सीबीआई को सौंप दिया है। विजय हांसदा ने साहिबगंज में दर्ज एसटी/ एससी केस की जांच सीबीआई से कराने का अनुरोध करते हुए याचिका दायर की थी। कोर्ट में सीबीआई को एक माह में प्रारंभिक जांच पूरा करने का निर्देश दिया है। विजय हांसदा ने अपनी याचिका में बताया था कि साहिबगंज में हुए अवैध खनन को रोकने की कोशिश की तो उन्हें पंकज मिश्रा की तरफ से धमकी दी गयी थी। अवैध खनन और धमकी दिए जाने के दोनों मामलों की जांच के लिए हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में बताया गया था कि साजिश के तहत उनके खिलाफ साहिबगंज के थाने में एसटी/एससी केस दर्ज कराया गया।कोर्ट ने इस मामले में आदेश देते हुए सीबीआई से कहा है कि आप आरोपी और याचिकाकर्ता दोनों के आचरण की जांच करें। इस मामले में जांच के आदेश की प्रति प्राप्त होने के भीत इसकी रिपोर्ट पेश करें। गुरुवार को कोर्ट ने प्रार्थी विजय हांसदा द्वारा सीबीआई की जांच के इस याचिका को वापस लेने कि आग्रह को रद्द कर दिया था। विजय हांसदा ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा था पंकज मिश्रा और कई बड़े लोगों के द्वारा नींबू पहाड़ पर अवैध खनन पर जो शिकायत की थी। उस पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अवैध खनन में पंकज मिश्रा एवं अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की बजाय पुलिस ने उसके खिलाफ ही प्राथमिक की दर्ज कर उसे ही जेल में बंद कर दिया।

इंडिया की प्रतिष्ठा: तीसरी सदी ईसा पूर्व सिकंदर तक पहुंची संविधान में मिला 'इंडिया दैट इज भारत' नाम

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 19वीं शताब्दी तक अधिकांश राजकीय अभिलेखों में 'हिन्दुस्तान' नाम का उपयोग किया जाता था। इतिहासकार इयान जे. बैरो अपने लेख, 'फ्रॉम हिन्दुस्तान टु इंडिया : नेम्स चेंजिंग इन चेंजिंग नेम्स' में लिखते हैं कि '18वीं शताब्दी के मध्यकाल से इसके अंत तक हिन्दुस्तान शब्द का उपयोग अक्सर मुगल सम्राट के क्षेत्रों के संदर्भ में होता था।' हालांकि, 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से, ब्रिटिश मानचित्रों में 'भारत' शब्द का उपयोग तेजी से शुरू हो गया। 19वीं सदी में अंग्रेजों ने इंडिया शब्द का उपयोग बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया। अंग्रेजी दस्तावेजों और किताबों में इंडिया शब्द का उपयोग होने लगा। देशी रियासतों के राजा भी अपने राज्यों में अंग्रेजी भाषा में इंडिया शब्द का उपयोग करने लगे थे।

व्यापार के नाम पर किलेबंदी

16वीं और 17वीं सदी में यूरोपीय जातियों पुर्तगाली, फ्रेंच, डच तथा अंग्रेजों ने धीरे-धीरे भारत के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किए। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी फैक्ट्रियां स्थापित की और ये फैक्ट्रियां उनकी सत्ता की केन्द्र बन गईं। इन्होंने इनकी किलेबंदी की और सशस्त्र सेना तैनात की। स्थानीय राजाओं को प्रलोभन देकर भारत की भूमि पर राज्य स्थापित करना शुरू किया और इस दौड़ में अंग्रेज तेजी से आगे बढ़े। इस कारण 1857 ई. तक भारत के एक बहुत बड़े क्षेत्र पर अंग्रेजों यानी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का कब्जा हो गया। 1857 के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने उन इलाकों पर अधिकार कर लिया जो ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य में थे।

इस दौर में इंडिया नाम का प्रसार बढ़ता गया। जब देश आजाद हुआ तो इसके नाम पर भी चर्चा हुई। हमारे संविधान के अनुच्छेद 1(1) में देश का नाम 'इंडिया दैट इज भारत' रखा गया। इस तरह देश के मूल नाम 'भारत' का उल्लेख भी है और इंडिया का भी। नतीजतन इस तरह ये दोनों नाम साथ-साथ चलने लगे। 'भारत का संविधान' 'इंडिया का संविधान' बन गया और हर जगह 'इंडिया' शब्द का प्रयोग और लोकप्रिय किया गया।

हिन्दुस्तान एक और नाम है, जिससे दुनिया हमें जानती है। इस भूमि को मिला यह पहला ऐसा नाम था, जिसके पीछे राजनीतिक भावना थी। हिन्द और हिन्दुस्तान शब्द का इतिहास भी लगभग 2500 साल पुराना है। 262 ईस्वी में सिंध को ईरान के सासानी सम्राट शापुर प्रथम के नक्श-ए-रुस्तम शिलालेख में हिन्दुस्तान का उल्लेख है। यह भी माना जाता है कि हिंदूकुश की पहाड़ियों के पीछे का क्षेत्र हिंदुस्तान कहा जाता था।

अरबों ने इस देश को अल-हिन्द कहा और बाद के तुर्की के आक्रांताओं, दिल्ली के सुल्तानों और बादशाहों ने अपने भारतीय प्रभुत्व वाले भू-भाग का हिन्दुस्तान के रूप में उल्लेख किया। मुगलों के बाद अंग्रेजों ने भी हिन्दुस्तान शब्द का भारत के नाम के साथ अपने दस्तावेजों में उल्लेख किया।

आक्रमणों के बावजूद गहरी जड़ें

विदेशी आक्रांताओं ने देश के प्राचीन नालंदा जैसे सांस्कृतिक और शैक्षणिक केंद्रों को ध्वस्त कर दिया, लेकिन इसके बाद भी भारत की संस्कृति की जड़ें गहराई से अपना विकास करती रहीं। यह भूमि प्राकृतिक रूप से अलग-अलग तीर्थ स्थलों का नेटवर्क भी है। 8वीं शताब्दी में शंकराचार्य ने दक्षिण से उत्तर भारत आकर शैव मत के प्रचार-प्रसार में योगदान किया। उन्होंने चार शैव मठों - शृंगेरी शारदा, द्वारका, ज्योतिर्मय और गोवर्धन मठ की स्थापना की। इसी दौर में जबकि दक्षिण भारत में वैष्णव मत का प्रचार-प्रसार हुआ। इन आक्रमणों और सांस्कृतिक मेलजोल के बीच ही रामानुजाचार्य, वल्लभाचार्य, रामानंद, माधवाचार्य, चैतन्य महाप्रभु, निम्बार्काचार्य के विचारों ने विविध संप्रदायों की नींव रखी। नामदेव, तुकाराम, नानकजी, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, कबीर, रैदास ने भारतीय संस्कृति की बुनियाद को मजबूत किया। ये हिन्दुस्तान में भक्ति आंदोलन और सांस्कृतिक जनजागरण का दौर था।

1318 में कवि अमीर खुसरो ने हिन्दवी भाषा का उल्लेख किया। इस काल में हिन्दुस्तान ने कागज बनाना सीखा। कश्मीर, सियालकोट, जाफराबाद, पटना, मुर्शिदाबाद, अहमदाबाद, औरंगाबाद, मैसूर कागज उत्पादन के महत्वपूर्ण केन्द्र बन गए। इसी दौर में हिन्दुस्तान के कई शहरों में कारखाने खुले। 16वीं सदी में भारत आए यूरोपीय यात्री बर्नियर ने 'ट्रेवल्स इन मुगल एंपायर' किताब में इन कारखानों के बारे में लिखा है कि उस युग में कपड़ा (सूती, रेशम व ऊनी) उद्योग, कढ़ाई, जरी, रंगाई, चित्रकारी, लाख और लकड़ी उद्योग बड़े पैमाने पर हिन्दुस्तान में विकसित हुए थे।

सांड के सामने बछड़ा छोड़ दिया

बीजेपी की लिस्ट और पाटन सीट पर भगत बोले- सीएम भूपेश के सामने सांसद बघेल बछड़े हैं

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इस बार चुनाव में बघेल बनाम बघेल की चर्चा थी ही। भाजपा ने पाटन से विजय बघेल को टिकट देकर इस पर मुहर लगा दी। दिल्ली की बैठक के बाद प्रत्याशियों की लिस्ट आई तो सबसे अधिक चर्चा पाटन सीट की रही।

ये सीट हॉट सीट इस वजह से है क्योंकि यहां से सीएम भूपेश बघेल चुनाव लड़ते हैं। भाजपा ने उनके सांसद भतीजे विजय बघेल को उतार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कह रहे हैं कि हम पाटन जीतेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री अमरजीत भगत इसे सांड और बछड़े का युद्ध बता रहे हैं।

बीती रात दिल्ली से लौटकर भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी इस बार पाटन से पलायन करना पड़ सकता है। जैसे उनके नेता राहुल गांधी अमेठी में सुनिश्चित हार को देखते हुए

अमरजीत भगत ने दोनों की सांड और बछड़े से तुलना कर दी है

केरल के वायनाड पलायन कर गए, भूपेश बघेल भी पाटन में अपनी तयशुदा हार को देखते हुए पाटन के साथ किसी और सीट से भी चुनाव लड़ सकते हैं। क्योंकि पाटन में अब उनके लिए कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। भाजपा आने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री सहित पूरी कांग्रेस को हराकर एक नया इतिहास रचेगी। विजय बघेल उन्हें पहले भी हरा चुके हैं।

जवाब में छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री अमरजीत भगत ने कह दिया- ये तो सांड के सामने बछड़े को बांधने जैसा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने सांसद विजय बघेल बछड़े हैं। भाजपा की लिस्ट सिर्फ औपचारिकता है। कांग्रेस को कोई इससे चुनौती नहीं है। सरकार ने इतने काम किए हैं कि इस लिस्ट से फर्क ही नहीं पड़ेगा।

बैज बता रहे बकरा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लियेऽ 21 उम्मीदवारों की सूची जारी करके भाजपा ने मान लिया है कि इन 21 सीटों पर उसकी जमानत नहीं बचने वाली है।

वहां पर कोई दूसरा दावेदार नहीं है इसलिये इन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करके भाजपा चुनाव लड़ने की औपचारिकता निभा रही है। पाटन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकप्रियता उनके द्वारा किये गये विकास कार्यों के सामने भाजपा के उम्मीदवार की दुर्गति होना तय है तो वहां पर विजय बघेल को बलि का बकरा बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र कमेटी का ऐलान

मंत्री मोहम्मद अकबर बने चेयरमैन, पूरी लिस्ट

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के बाद अब छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भी चुनाव घोषणा पत्र समिति का ऐलान कर दिया है। इसमें मंत्री मोहम्मद अकबर को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। हालांकि बहुत पहले से ही उनके नाम पर मंथन चल रहा था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव घोषणा पत्र कमेटी में 23 सदस्यों की घोषणा की है। इसके अलावा इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी, डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी और प्लानिंग एंड स्ट्रेटजी कमेटी की भी घोषणा कर दी गई है।

जारी आदेश के मुताबिक, चुनाव घोषणा पत्र कमेटी में 23 सदस्य, इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी 7, डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी 9 और प्लानिंग एंड स्ट्रेटजी कमेटी में 18 सदस्य बनाए गए हैं।

खुली जीप और कार में स्टंट कर लहराया चाकू

'गदर भाई' नाम से रील्स बनाकर किया वायरल पुलिस ने लगवाई उठक-बैठक माफी भी मंगवाई

बिलासपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आजादी के जश्न मनाने निकली रैली में एक बदमाश का खुली जीप और कार में चाकू लहराने का वीडियो सामने आया है। पुलिस ने आरोपी युवक को दबोच लिया और कान पकड़कर उठक-बैठक करवाई। वो अपनी इस हरकत के लिए हंसते हुए माफी भी मांग रहा है।

15 अगस्त को मगरपारा निवासी मानस मेश्राम (22) अपने साथियों के साथ आजादी का जश्न मनाने के लिए डीजे के साथ रैली निकाल रहा था। इस दौरान उसने जमकर चाकू लहराया और आसपास के इलाकों में अपनी धौंस जमाता रहा। चाकू लहराते हुए उसने वीडियो भी बनाया, जिसका रील्स उनसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। खुलेआम चाकू लहराने का वीडियो पुलिस के पास पहुंच गया।

पुलिस ने कान पकड़कर मंगवाई माफी

पुलिस ने उसकी जानकारी जुटाकर तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी युवक मगरपारा का रहने वाला है। पुलिस की टीम ने युवक को पकड़ लिया। आरोपी युवक के गिरफ्तार होने के बाद पुलिस ने उससे कान पकड़कर उठक बैठक कराई और माफी मंगवाई। आरोपी युवक पर अलग से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है।

गैंगस्टर गदर के नाम से बनाया था आईडी

बदमाश युवक मोहल्ले में धौंस दिखाता है। अपना रौब दिखाने के लिए ही उसने चाकू लहराते हुए खुली जीप और कार में बैठकर स्टंट किया और चाकू भी लहराता रहा। उसने इंस्टाग्राम में गैंगस्टर गदर के नाम से आईडी बनाया है। पुलिस ने आरोपी युवक के इंस्टा अकाउंट को डिलीट करा दिया है।

कान पकड़कर माफी फिर भी हंस रहा बदमाश

पुलिस ने आरोपी मानस मेश्राम का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह पुलिस के सामने अपनी गलतियों की माफी मांगते हुए कान पकड़कर उठक-बैठक कर रहा है। लेकिन, उसके चेहरे पर अपनी गलती के लिए पछतावा नजर नहीं आ रहा है। बल्कि, माफी मांगते और कान पकड़कर उठक-बैठक करते हुए भी हंसता नजर आ रहा है।

हाइवा और टेलर के बीच भीषण टक्कर, एक की मौत

हजारीबाग, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बड़कागांव-हजारीबाग रास्ते में भीषण सड़क हादसा हुआ है।

हाइवा और टेलर के बीच टक्कर हो गयी। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गयी जबकि गाड़ी में मौजूद 8 महिलाएं भी घायल है।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि हाइवा 100 मीटर पीछे एक पहाड़ी से टकरा गयी। टेलर पलट गया । दोनों गाड़ियों को भी भारी नुकसान हुआ है। हादसे में मजदूर तिलेश्वर रजक (उम्र 40 वर्ष) की मौके पर मौत हो गई। वाहन के चालक और टेलर में बैठी 8 महिलाएं भी घायल हैं।

कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की लिस्ट जारी

कुमारी सैलजा बनाई गई अध्यक्ष, सीएम भूपेश, स्पीकर महंत, टीएस और बैज समेत 7 मंत्रियों के नाम

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर कमेटी जारी सूची में कमेटी की अध्यक्ष प्रभारी कुमारी सैलजा को बनाया गया। कमेटी में सीएम भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी शामिल हैं। बता दें कि कमेटी के इस जारी सूची में दीपक बैज समेत 14 नेताओं को जगह मिली है। साथ ही सप्तगिरी शंकर उल्का, चंदन यादव और विजय जांगिड़ को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा विशेष आमंत्रित सदस्यों में 7 लोगों को जगह दी गई है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी चुनाव में कई अहम रणनीति तैयार करती है। कई महत्वपूर्ण राजनीतिक मामलों पर कांग्रेस का स्टैंड तय करने से लेकर तुरंत फैसले लेने के लिए ये कमेटी बनाई गई है। राज्य में घोषणा पत्र में कौन सी बातें शामिल हो सकती है, इसमे अपने सुझाव कमेटी देती है। इसके अलावा किसी सीट में अगर किसी सीट में एंटी इनकंबेंसी की स्थिति है,तब इसे कैसे दूर किया जाए इसके सुझाव देती है। हर सीट के हिसाब से चुनावी रणनीति और मुद्दों के हिसाब से सामने वाली पार्टी को काउंटर किए जाने के सुझाव पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी देती है। इस कमेटी में कांग्रेस चुनाव समिति के ही ज्यादातर नामों को रिपीट किया गया है। फर्क सिर्फ इतना है कि चुनाव समिति में सीएम, डिप्टी सीएम समेत 8 मंत्रियों को जगह मिली थी लेकिन इस लिस्ट से में 7 मंत्रियों को ही जगह मिली है। मंत्री रूद्र गुरू का नाम गायब है। जबकि ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, मोहम्मद अकबर, अनिला भेड़िया, जयसिंह अग्रवाल, मोहन मरकाम और शिव डहरिया को जगह दी गई है।

बिलकिस बानो केस: सुप्रीम कोर्ट का गुजरात सरकार से सवाल

दोषियों को उम्रकैद की थी सजा, फिर 14 साल में कैसे रिहा हुए?

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में कल बिलकिस बानो मामले में सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार को कुछ कठिन सवालों का सामना करना पड़ा। जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने गुजरात सरकार से पूछा कि दोषियों को मौत की सजा हुई थी, जिसे बाद में उम्रकैद में बदला गया, ऐसे में वे 14 साल की सजा काटकर कैसे रिहा हुए? फिर 14 साल की सजा के बाद रिहाई की राहत बाकी कैदियों को क्यों नहीं दी जा रही?

इस मामले में सेलेक्टिवली इन दोषियों को पॉलिसी का लाभ क्यों दिया गया? शीर्ष अदालत 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ बलात्कार और उसके परिवार की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए लोगों की असामयिक रिहाई पर याचिकाओं की एक श्रृंखला पर सुनवाई कर रहा है। शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार से कहा, 'कठोर अपराधियों को 14 साल के बाद रिहा कर उन्हें सुधरने का मौका देने वाला यह नियम कहां तक अन्य कैदियों पर लागू किया जा रहा है? इस नीति को कुछ चुनिंदा कैदियों पर ही क्यों लागू किया जा रहा है? सुधार और पुनः एकीकृत होने का अवसर सभी को दिया जाना चाहिए। हमारी जेलें क्यों भर रही हैं? हमें डेटा दें।' अदालत ने यह भी सवाल किया कि बिलकिस बानो के दोषियों के लिए जेल एडवाइजरी कमेटी का गठन किस आधार पर किया गया? जिससे राज्य को विवरण प्रदान करने का आदेश दिया गया। इसमें यह भी पूछा गया कि जब मुकदमा गोधरा की अदालत में नहीं चलाया गया तो उसकी राय क्यों मांगी गई?

पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर सभी 11 दोषियों को रिहा किया गया था

पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिहा किए गए 11 लोगों को महाराष्ट्र की एक अदालत ने सजा सुनाई थी। जिस न्यायाधीश ने उन्हें दोषी पाया, उन्होंने राज्य के इस सवाल पर भी नकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी कि क्या दोषियों को रिहा किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दी गई, क्योंकि यह महसूस किया गया कि राज्य में निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं होगी। गौरतलब है कि 2002 में गोधरा स्टेशन पर जलती हुई साबरमती एक्सप्रेस में 59 कार सेवकों की मौत के बाद, राज्य के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे। गुजरात सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि अदालत के सवालों का जवाब सामान्य तौर पर देना मुश्किल है। हालांकि, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एक मामला यहां लंबित है, जिसमें सभी राज्यों को विस्तृत जानकारी देनी है। उन्होंने कहा कि दोषियों को कानून के मुताबिक रिहा किया गया है। चूंकि उन्हें 2008 में दोषी ठहराया गया था, इसलिए उन पर 1992 की नीति के तहत विचार किया जाना था। शीर्ष अदालत द्वारा राज्य को एक दोषी की याचिका पर निर्णय लेने के लिए कहने के बाद, दोषियों को एक पुरानी नीति के आधार पर रिहा किया गया था, जिसमें एक पैनल से परामर्श किया गया था जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े लोग शामिल थे।

बिलकिस की वकील ने दोषियों की रिहाई के फैसले को बताया गलत

पिछली सुनवाई में पीठ ने बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेश पर सवाल उठाया था। अदालत ने पूछा कि पिछला आदेश एक जनहित याचिका पर कैसे पारित किया गया था और कहा कि यह बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील होनी चाहिए थी। बिलकिस बानो की वकील शोभा गुप्ता ने कहा कि दोषियों की रिहाई पर गुजरात सरकार का फैसला गलत है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में महाराष्ट्र राज्य का पक्ष नहीं सुना गया। इसमें केंद्र को भी पार्टी नहीं बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश केवल दोषी राधेश्याम के आवेदन के संबंध में था, जबकि गुजरात सरकार ने सभी 11 दोषियों को रिहाई दे दी।' दोषी राधेश्याम शाह ने सुप्रीम कोर्ट में इस आधार पर राहत की मांग की थी कि उसने जेल में 15 साल और 4 महीने पूरे कर लिए हैं। अदालत ने गुजरात सरकार से मामले को देखने और दो महीने के भीतर फैसला करने को कहा था कि क्या उन्हें छूट दी जा सकती है। इसके जवाब में गुजरात सरकार ने सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया था। निर्णय लेने वाले एडवाइजरी पैनल के सदस्यों ने अपने फैसले को सही ठहराते हुए उन लोगों को 'संस्कारी' कहा, जो पहले ही 14 साल जेल में काट चुके हैं और अच्छे आचरण का प्रदर्शन कर चुके हैं। बिलकिस बानो ने दलील दी है कि उन्हें दोषियों की रिहाई के बारे में सूचित नहीं किया गया था। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अब 24 अगस्त को सुनवाई करेगा।

बीजेपी को मात देने के लिए कांग्रेस की क्या होगी रणनीति?

नाना: 'उनका मकसद सिर्फ सरकार को हटाना है'

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को हटाना है। आगे पटोले ने कहा, "हमारा लक्ष्य केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार को उखाड़ फेंकना है। यह सरकार केवल निर्दोष लोगों का पैसा लूटती है। मुंबई से कभी महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ नारा दिया था और अब राहुल गांधी इस सरकार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करेंगे। हमने एक बैठक की है और एजेंडे व रणनीतियों पर काम किया है।"

पटोले ने क्या कहा?

मुंबई अगस्त के अंतिम सप्ताह में इंडिया गठबंधन की तीसरी और महत्वपूर्ण बैठक की भी मेजबानी करेगा। पटोले ने कहा कि इंडिया कॉन्क्लेव की तैयारियां चल रही है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) की कोर कमेटी स्तर पर चर्चा के साथ कार्यक्रम की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस बीच, 12 अगस्त को पुणे में व्यवसायी अतुल चोरडिया के आवास पर शरद पवार और बागी अजित पवार के बीच हुई मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है।

शरद पवार और अजित की बैठक

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि उनकी पार्टी के शीर्ष नेता एनसीपी संस्थापक शरद पवार के साथ उनकी राजनीतिक रूप से अलग हो चुके भतीजे और राज्य के डिप्टी सीएम अजीत पवार के साथ बहुचर्चित मुलाकात पर चर्चा करेंगे, जब इस महीने के अंत में मुंबई में भारतीय गठबंधन का सम्मेलन होगा। राज्य कांग्रेस की कोर कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पटोले ने बुधवार को कहा कि बीजेपी विरोधी गठबंधन में शामिल वरिष्ठ पवार को लेकर उनकी पार्टी में कोई भ्रम नहीं है,

महिला को शादी का वादा करके

दो बार प्रेग्नेंट करने वाले एक्टर की बढ़ीं मुश्किलें, जमानत से इंकार

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एक महिला से शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित करने के आरोपी अभिनेता को मुंबई की एक अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्रीकांत भोसले ने 11 अगस्त को इस मामले में जमानत देने से इंकार किया। इस मामले से जुड़ा विस्तृत आदेश बुधवार को उपलब्ध कराया गया, जिसमें साफ तौर पर कहा गया कि इस पृष्ठभूमि पर आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है, खासकर जब जांच जारी हो।

मुंबई की सत्र अदालत ने 38 वर्षीय वर्सोवा स्थित अभिनेता की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों को देखने के बाद कहा कि शिकायतकर्ता दो मौकों पर

आरोपी से गर्भवती हुई, जिससे प्रथम दृष्टया पता चलता है कि हालांकि शारीरिक संबंध सहमति से था, लेकिन यह केवल शादी के वादे के कारण था। वहीं आरोपी ने दावा किया कि वह महिला से शादी करने को इच्छुक था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। अदालत ने कहा, 'आगे देखा गया है कि आवेदक ने तभी शादी से इनकार कर दिया जब उसे पता चला कि महिला दूसरी बार गर्भवती है।' मामले को देखते हुए कोर्ट का कहना है कि यह मानने का कारण है कि आवेदक ने कथित अपराध किया है। प्रॉसिक्यूशन के अनुसार पुलिस का कहना है कि पीड़ित महिला ने 10 जून को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि वह 2021 में आरोपी से मिली और उन्हें प्यार हो गया। अक्टूबर 2021 में मुंबई के अंधेरी निवासी, पेशे से एक अभिनेता ने महिला के साथ उसके आवास पर शारीरिक संबंध स्थापित किया। उनका रिश्ता जारी रहा और महिला गर्भवती हो गई। हालांकि, जुलाई 2022 में एक नेचुरल मिसकैरेज हुआ। नवंबर 2022 में महिला एक बार फिर गर्भवती हो गई, जिसके बाद आरोपी उससे बचने लगा। हालांकि, अप्रैल 2023 में आरोपी महिला से मिला। दोनों एक साथ कार में घूमने गए।

उनके बीच झगड़ा हुआ और आरोपी ने कथित तौर पर महिला के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया। जांच के अनुसार पुलिस ने ये भी कहा कि महिला के मुताबिक आरोपी बच्चा नहीं चाहता था कि बच्चा हो। इसके बाद महिला ने शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन उसे धोखा दिया गया। आरोपी को 23 जून को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह न्यायिक हिरासत में है।

ये है मुंबई की आम जिंदगी, लोकल ट्रेन में मौत के दरवाजे पर झूलती नजर आई लड़की

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लोकल में सफर करना मतलब जान हथेली पर लेकर चलना। सोशल मीडिया पर मुंबई लोकल के ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके जिसमें लोग अक्सर हादसे का शिकार होते हुए नजर आए हैं। ट्रेन में इतनी भीड़ होती है कि इंसान के पैर रखने तक की जगह नहीं होती। ऐसे में कई लोग तो ट्रेन के गेट पर ही लटक कर सफर करते हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है जिसमें एक लड़की ट्रेन के गेट पर लटक कर सफर कर रही है। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक ट्रेन स्टेशन से खुलती है और उस ट्रेन में लोगों की इतनी भीड़ होती है कि लड़की गेट पर ही ट्रेन के सीढ़ियों पर अपने पैर टिकाकर लटकी रहती है।

दिग्विजय सिंह ने बेरोजगारों से किया वादा

' हमारी सरकार बनी तो लोगों को रोजगार देंगे

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शिवराज सरकार पर निशाना चाहते हुए दावा किया है कि 50% कमीशन को लेकर मिस्टर 50% नाम से वेब सीरीज बन रही है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया है कि अगर मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनती है तो सरकारी नौकरियों के पद निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ भरे जाएंगे। मध्य प्रदेश में हुए कथित पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर कांग्रेस लगातार बीजेपी सरकार पर हमले बोल रही है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सरकारी नौकरियों को लेकर भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। इन सबके बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक कदम आगे बढ़कर दावा किया है। उनका कहना है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर शासकीय भर्तियों को लेकर अलग से कानून बनाए जाएगा। उनका यह भी कहना है कि सरकारी नौकरियों में पूरी जिम्मेदारी के साथ एकता और बिना भेदभाव पूर्ण रवैया के साथ नौकरियां दी जाएगी। दिग्विजय सिंह का कहना है कि हर साल नौकरियां निकाली जाएंगी। बता दें कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 'मुख्यमंत्री कमाओ सीखो योजना' 22 अगस्त से लॉन्च हो रही है। इससे पहले कांग्रेस युवा बेरोजगारों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए दावे भी कर रही है। हालांकि किसके दावे पर बेरोजगार यकीन करेगा या तो वक्त बताएगा, लेकिन मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बेरोजगारी भी एक बड़ा मुद्दा बन गया है

'कांग्रेस के शासन में पर्ची पर मिलती थी नौकरी'

वहीं नौकरियों को लेकर बीजेपी ने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा है कि जब कांग्रेस का कार्यकाल था, उस समय शासकीय नौकरी में भर्ती कैसे होती थी यह सबको पता है। उन्होंने यह भी कहा कि कागज की पर्ची पर नौकरी दे दी जाती थी। इसके अलावा कांग्रेस के कार्यकाल में तबादला उद्योग भी मध्य प्रदेश की जनता ने देखा है पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को आरोप लगाने तक का अधिकार नहीं है।

विस्तारा की दिल्ली-पुणे फ्लाइट में बम की धमकी

दिल्ली एयरपोर्ट पर जांच शुरू, यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर एयरलाइन कंपनी विस्तारा की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। आज दिल्ली-पुणे फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। फ्लाइट के पहुंचते ही जांच शुरू कर दी गई है। सभी यात्रियों को फ्लाइट से सुरक्षित उतार लिया गया है। एयरपोर्ट पर आइसोलेशन बे में विमान की जांच चल रही है। सभी यात्रियों को उनके सामान के साथ सुरक्षित उतार लिया गया है। आज सुबह 8 बजकर 53 मिनट पर जीएमआर कॉले सेंटर को फ्लाइट में बम होने की कॉल मिली। हालांकि राहत की बात है कि अभी तक जांच में कुछ नहीं मिला है। विमान में कोई भी

संदिग्ध सामान नहीं मिला है। फ्लाइट के अंदर और बाहर पूर्ण तौर पर खंगाला गया। लेकिन कोई भी विस्फोटक या संदिग्ध सामान नहीं मिला है।

छवि धूमिल करने की लगातार कोशिश

आत्महत्या के लिए उकसाने के समान है सम्मान को नष्ट करना

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि किसी अति संवेदनशील व्यक्ति की छवि धूमिल करना या उसके आत्मसम्मान को नष्ट करना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान होगा, अगर आरोपी व्यक्तियों ने लगातार शब्दों या कार्यों से संबंधित व्यक्ति को परेशान किया है। हाईकोर्ट ने एलजीबीटी समुदाय से संबंधित एक दलित कार्यकर्ता की मौत पर एक निजी फर्म के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार करते हुए फैसला सुनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट की एकल न्यायाधीश पीठ ने परिधान कंपनी 'लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड' के तीन अधिकारियों की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 4 जून को बेंगलुरु में 35 वर्षीय विजुअल मर्चेंडाइजिंग एक्जीक्यूटिव विवेक राज की मौत पर उनके खिलाफ दर्ज आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले को रद्द करने की मांग की थी। अपनी मौत से पहले विवेक ने अपने यौन रुझान के कारण दफ्तर में प्रताड़ित किए जाने को लेकर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कंपनी की समिति में शिकायतें दर्ज कराई थीं। अपनी मौत से एक दिन पहले उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत जातिगत भेदभाव की पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई थी। इस संबंध में विवेक के पिता राजकुमार रामअवध (67 वर्ष) द्वारा दर्ज कराए गए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की मार्केटिंग टीम में जनरल मैनेजर एसबी मैलाथी (40 वर्ष), एचआर विभाग में उपाध्यक्ष कुमार सूरज (45 वर्ष) और मार्केटिंग में असिस्टेंट मैनेजर नीतीश कुमार (30 वर्ष) को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। जस्टिस एम। नागप्रसन्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'अगर आरोपियों ने अपने कथित कृत्यों से किसी अति संवेदनशील व्यक्ति के आत्मसम्मान को धूमिल करने या नष्ट करने में सक्रिय भूमिका निभाई है, तो निश्चित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के दोषी बन जाएंगे। अगर अभियुक्तों ने मृतक को शब्दों या कार्यों से चिढ़ाना या परेशान करना जारी रखा है, उन्हें उकसाया है तो ऐसी परिस्थितियां भी बन जाएंगी, जो प्रथमदृष्टया उकसावे को बढ़ावा देंगी।' 4 जून को अपनी मृत्यु से एक दिन पहले विवेक राज ने अपने सहकर्मियों पर जातिगत दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

हाईकोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी को लगाई फटकार

कहा — आप स्पेशल नहीं हैं, ये है पूरा मामला

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली यूनिवर्सिटी लॉ एडमिशन केस मे नया डेवलेपमेंट सामने आया है। हाईकोर्ट ने डीयू को अपनी सफाई पेश करने के लिए कुछ दिन का समय दिया है और बदले में यूनिवर्सिटी ने भी कोर्ट को ये भरोसा दिलाया है कि जब तक इस मामले में फैसला नहीं आ जाता, लॉ कोर्स में एडमिशन शुरू नहीं होंगे। डीयू के क्लैट स्कोर के बेसिस पर लॉ कोर्स में एडमिशन देने के फैसले को एक छात्र ने कोर्ट में चैलेंज किया है। इसी मुद्दे पर सुनवाई चल रही है।

क्या है मामला

मामले की तह तक जाएं तो मुद्दा ये है कि डीयू पांच साल के लॉ कोर्स में एडमिशन के लिए क्लैट यानी कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट 2023 के स्कोर को मान्यता देता है। जबकि पिटिशन दायर करने वाले छात्र का कहना है कि जब यूजी कोर्स में एडमिशन के लिए

सीयूईटी यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी एडमिशन टेस्ट लिया जाता है तो लॉ कोर्स में एडमिशन के लिए अलग से परीक्षा आयोजित नहीं होनी चाहिए। सीयूईटी को ही आधार बनाकर लॉ कोर्स में भी प्रवे दिए जाने चाहिए।

क्या हुआ सुनवाई में

इस मामले में हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी को फटकार लगायी और कहा कि, 'आप स्पेशल नहीं हैं। एक नेशनल पॉलिसी है और अगर देश की दूसरी 18 सेंट्रल यूनिवर्सिटी, प्रवेश देने के लिए सीयूईटी स्कोर पर भरोसा कर रही हैं तो डीयू ऐसा क्यों नहीं कर रहा।' कोर्ट ने सेंट्रल गवर्नमेंट काउंसिल को इस मामले में जवाब देने के लिए कुछ वक्त दिया है।

अब कब होगी हियरिंग

डीयू ने भी कोर्ट में इस बात की स्वीकृति दी कि जब तक इस मुद्दे पर फैसला नहीं आ जाता, तब तक डीयू में लॉ कोर्स में एडमिशन पेंडिंग ही रहेंगे। कोर्ट की अगली सुनवाई 25 अगस्त के दिन होनी है। ये पीआईए डीयू की लॉ फैकल्ट के स्टूडेंट प्रिंस सिंह ने फाइल की है। इनका कहना है कि यूनिवर्सिटी को एडमिशन के लिए सीयूईटी स्कोर को ही कंसीडर करना चाहिए।

क्या पक्ष है याचिकाकर्ता का

पिटीशन में कहा गया है कि जब यूजीसी ने साफ किया है कि यूजी कोर्स में एडमिशन सीयूईटी के स्कोर के आधार पर होंगे तो डीयू के पांच साल के लॉ कोर्स में एडमिशन का आधार क्लैट स्कोर को क्यों बनाया जा रहा है। क्लैट केवल इंग्लिश में आयोजित होता है जबकि सीयूईटी 13 भाषाओं में। ऐसे में कैंडिडेट्स के लिए क्लैट क्लियर करना ज्यादा मुश्किल हो जाता है। ये लॉ के छात्रों के साथ भेदभाव है।

"भारतीयों में राष्ट्रवाद की प्रबल भावना को मजबूत करना जरूरी" : आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबले

कोझिकोड, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव, दत्तात्रेय होसबले ने गुरुवार को कहा कि भारत मानवता के लिए जीता है और कहा कि देश का मिशन अपने "सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन की अनूठी दृष्टि" के साथ दुनिया को एक प्रकाशस्तंभ के रूप में प्रकाश देना है। केसरी वीकली द्वारा आयोजित 'अमृतशतम्' लेक्चर सीरीज़ को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा, "भारत मानवता के लिए जीता है। भारत का मिशन अपने सांस्कृतिक मूल्यों और अद्वितीय जीवन दृष्टि के साथ दुनिया को एक प्रकाशस्तंभ के रूप में प्रकाश देना है।

केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

लिव-इन में रहने वाली महिलाएं भी कर सकती हैं घरेलू हिंसा की शिकायत

कोच्चि, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाएं भी घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करवा सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि महिलाएं डोमेस्टिक वायलेंस अधिनियम के तहत घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करवा सकती हैं। अदालत ने कहा कि जिस पुरुष के साथ वह लिव-इन रिश्ते में रह रही हैं, अगर वह अपने हाथों का इस्तेमाल उन पर हिंसा के लिए करता है तो इसके लिए डीवी अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस अनिल के नरेंद्रन और पीजी अजितकुमार की खंडपीठ ने फैसला सुनाया और कहा कि जिन पुरुषों के साथ उनका घरेलू संबंध है, उनके द्वारा की गई विभिन्न प्रकार की हिंसा में पीड़ित महिलाएं डीवी अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर सकती हैं। पीठ ने यह भी कहा कि अधिनियम घरेलू संबंध को दो व्यक्तियों के बीच के रिश्ते के रूप में परिभाषित करता है, यानी विवाह करने के बाद रह रहे लोगों के लिए भी और बिना शादीशुदा लोग जो आपसी साझेदारी से एक साथ रह रहे हैं। लिव-इन में रहने वाली महिलाएं डोमेस्टिक वायलेंस अधिनियम की धारा 12 के तहत शिकायत करवा सकती हैं। अदालत ने एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर विचार करते समय यह बात कही, क्योंकि उस पर डोमेस्टिक वायलेंस धिनियम की धारा 12 के तहत केस दर्ज था और वह इसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पारिवारिक अदालत में स्थानांतरित करना चाहता था, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी मनसे

बीजेपी के वोट बैंक में लगा सकती है सेंध, इन सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ठाणे और पालघर जिले के कुल 4 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एमएनएस ठाणे के तीन और पालघर की लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

पार्टी पदाधिकारियों से मिल रहे हैं राज

पिछले दो दिनों से राज ठाकरे ठाणे,नवी मुंबई और पालघर के पार्टी पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक एमएनएस ठाणे जिले की 3 सीट—ठाणे, भिवंडी और कल्याण-डोम्बिवली और पालघर जिला की लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगी। राज ठाकरे की पार्टी के मैदान में उतरने से शिंदे गुट और बीजेपी की परेशानी बढ़ेगी।

राज ठाकरे बीजेपी से चल रहे हैं नाराज

कल्याण-डोम्बिवली लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे के बेटे श्रीकांत शिंदे सांसद हैं। मनसे के इस सीट से चुनाव लड़ने से शिन्दे गुट के वोट बैंक में सेंध लग सकती है। जानकारी के मुताबिक राज ठाकरे पिछले कुछ दिनों से बीजेपी से नाराज़ हैं। विदर्भ के कई जिलों में एमएनएस कार्यकर्ताओं के बीजेपी में शामिल किए जाने से राज ठाकरे प्रदेश के बीजेपी नेताओं से नाराज़ हैं।

राजस्थान में पुराने जिलों के आधार पर ही होंगे चुनाव

> 33 रिटर्निंग ऑफिसर ही नियुक्त करेगा इलेक्शन कमीशन

> 2किमी के अंदर मिलेगा पोलिंग बूथ

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गहलोत सरकार ने चुनाव से पहले भले ही राजस्थान का मैप बदल दिया हो, लेकिन निर्वाचन आयोग ढाई माह बाद होने वाले विधानसभा के चुनाव पुराने जिलों के अनुसार ही करवाएगा। आयोग ने राज्य में 33 जिला निर्वाचन अधिकारी ही नियुक्त करने का निर्णय लिया है। नए जिलों के कलेक्टर भी पुराने जिलों (विभाजन से पहले जिलों में नियुक्त कलेक्टर) के कलेक्टर के अधीन रहकर चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया- पुराने जिलों के कलेक्टरों के हाथ में ही विधानसभा के चुनाव की पूरी बागडोर रहेगी। 33 जिलों के कलेक्टरों के लिए विशेष ट्रेनिंग गुरुवार से ही शुरू हो गई है। ओटीएस (ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल) में दो दिन की इस ट्रेनिंग में पुराने जिलों के कलेक्टरों को ही

बुलाया गया है। इन्हीं के पास नॉमिनेशन भरवाने से लेकर काउंटिंग और रिजल्ट जारी करने तक की जिम्मेदारी रहेगी।

हालांकि व्यवस्थाओं के लिए ये कलेक्टर अपने अधीन जिलों के कलेक्टर को कुछ न कुछ जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। किसी भी वाद-विवाद पर आखिरी निर्णय करने का अधिकार इन्हीं जिला निर्वाचन अधिकारियों के पास रहेगा।

एक पोलिंग बूथ पर 1425 से ज्यादा मतदाता नहीं

आयोग ने सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों (कलेक्टरों) को प्रस्ताव भिजवाया था।

इसमें किसी भी बूथ पर अगर 1425 से ज्यादा मतदाता है तो उन बूथों को रिवाइज्ड करके नए बूथ बनाए जाएं। इस प्रस्ताव पर एक्सरसाइज करने के बाद सभी जिलों में पोलिंग बूथों की संख्या 569 बढ़ गई है। वर्तमान में 200 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51 हजार 187 पोलिंग बूथ हैं, जो रिवाइज्ड करने के बाद बढ़कर 51 हजार 756 हो गए हैं।

2 किलोमीटर से ज्यादा नहीं होगी दूरी

आयोग ने अपने प्रस्ताव में मतदाताओं की संख्या के साथ-साथ वोटर्स और उनके पोलिंग बूथ की दूरी को भी 2 किलोमीटर से कम करने के निर्देश दिए हैं। ताकि वोटर्स को वोट देने के लिए निवास स्थान से ज्यादा दूर नहीं जाना पड़े।

जयपुर में सबसे ज्यादा, प्रतापगढ़ में सबसे कम

जिलेवार पोलिंग बूथों की संख्या देखें तो 33 जिलों में से सबसे कम पोलिंग बूथ प्रतापगढ़ जिले में है। यहां दो विधानसभा सीट (धरियावद और प्रतापगढ़) के लिए 560 पोलिंग स्टेशन, जबकि जयपुर जिले की 19 विधानसभा सीटों पर वोटिंग के लिए कुल 4589 पोलिंग स्टेशन बनाए हैं

जेडीए का महा घोटाला-2

ट्रिब्यूनल में जेडीए अफसरों ने गलती मानी

आवंटन रद्द करने के बजाय संविदा कर्मी को किया बर्खास्त

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जेडीए में घोटालों पर कैसे पर्दा डाला जाता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है कि जगतपुरा स्थित सेंट्रल स्पाइन योजना। जेडीए में दलालों, अफसरों और भू माफिया का गठजोड़ इतना मजबूत है कि अगर किसी प्रकरण में अफसर स्पष्ट तौर पर फंस भी रहे हों तो भी दोषी अफसरों का कुछ नहीं बिगड़ने देते, बल्कि नियम-कानूनों की गलियां निकालकर उन्हें बचा लेते हैं। सरकार में बैठे उच्चाधिकारी भी कार्यवाही इसलिए नहीं करते क्योंकि जेडीए में कोई भी अफसर उनकी कृपा के बिना लग नहीं पाता। पड़ताल में पता चला कि जोन-9 के रिकॉर्ड के मुताबिक सेंट्रल स्पाइन योजना की 602.5 वर्ग मीटर भूमि पहले सांगानेर के महल गांव निवासी भगवान सहाय शर्मा के लिए आरक्षित की गई थी। इसका आरक्षण पत्र संख्या डी-4021 उसे 22 सितंबर, 2008 को जारी किया गया। इस आरक्षण-पत्र के पेटे उसे भूखंड संख्या बी/सी-8 अलॉट किया जाना प्रस्तावित था। लेकिन, बाद में इसे विद्यादेवी तातेड़ द्वारा बेचे गए आरक्षण पत्र के आधार पर डॉ. वीरेंद्र प्रसाद शर्मा और इंदु शर्मा को आवंटित कर दिया गया। इसकी लीजडीड आलोक कुमार गुप्ता के पक्ष में जारी की गई। इस अवैध आवंटन को रद्द करवाने के लिए भगवान सहाय शर्मा ने जेडीए ट्रिब्यूनल में अपील की थी। सुनवाई के दौरान जेडीए अफसरों ने अपनी गलती मानते हुए भूलवश (सहवन) से यह आवंटन होना माना। तब भी विद्यादेवी तातेड़ का आवंटन रद्द करने के बजाय संविदाकर्मी तत्कालीन अरबन प्लानर सुरेंद्र सिंह को दोषी मानते हुए बर्खास्त कर दिया।

जेडीए ट्रिब्यूनल ने कहा-निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए अफसरों ने किया गलत आवंटन

भगवान सहाय शर्मा के रेफरेंस प्रार्थना पत्र 70/2017 पर 23 मार्च, 2023 को सुनाए फैसले में जेडीए ट्रिब्यूनल ने कहा था कि आरक्षित ब्लॉक में से किसी अन्य को भूखंड आवंटित कर देना उचित नहीं है। यह सहवन से किया गया कार्य भी प्रतीत नहीं होता है। क्योंकि जेडीए जैसी संस्था में प्रत्येक कार्य के लिए कार्यालय टिप्पणी बनती है। यह फाइल कई स्तरों से होकर गुजरती है। इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि आरक्षित ब्लॉक में से किसी अन्य को पट्टा जारी करने में संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी का कोई निजी हित अथवा दुर्भावना रही है। जिसकी जांच कराया जाना आवश्यक है। लेकिन, जेडीए अफसरों ने इस सिफारिश को भी दबा दिया। जेडीए के डॉयरेक्टर (लॉ) ने भी इस मामले की सीबीआई अथवा ईडी जैसी संस्था से जांच कराए जाने की सिफारिश की है।

मेहरबानी ऐसी कि करीब 6 वर्गमीटर कामर्शियल जमीन ज्यादा अलॉट की:

रोचक तथ्य यह है कि इस स्कीम में समर्पित जमीन के बदले बतौर मुआवजा 5 प्रतिशत यानि 860 वर्ग मीटर जमीन विद्यादेवी तातेड़ के लिए आरक्षित की गई थी। इसके बदले में जेडीए अफसरों ने उसे 05.81 वर्गमीटर जमीन ज्यादा अलॉट कर दी। वह भी तब जबकि हाईकोर्ट के स्टे का जोन-9 की एक फाइल में कई बार जिक्र आया और फोटो कॉपियां भी लगी हुई हैं। उसके बावजूद तत्कालीन जेडीए आयुक्त और सचिव के स्तर बड़ी फुर्ती के साथ भूखंड आवंटन, लीजडीड जारी करने आदि कार्यवाहियां की गईं हैं।

बता दें कि कि विद्यादेवी तातेड़ को जमीन उसके पति दलपत सिंह तातेड़ ने मूल खातेदार कैलाश पुत्र रोड के मुखत्यार आम (पावर ऑफ अटॉर्नी) के आधार पर बेची थी। उसी जमीन को मूल खातेदार कैलाश पुत्र रोडू करीब 5 साल पहले जेडीए को समर्पित कर चुका था। पावर ऑफ अर्टानी भी विवादित है, क्योंकि उस पर एक पक्षकार के दस्तखत ही नहीं है। इस विवादित पावर ऑफ अर्टानी के आधार पर जेडीए अफसरों ने बिजली की गति से काम करते हुए भूखंडों की ना केवल लीजडीड जारी की बल्कि नाम ट्रांसफर भी कर दिए।

रणथम्भौर में बाघ-बाघिनों को मिलेगा नया नाम

अब 'T' की जगह साल के आधार पर जारी होगा 'कोड', 15 साल बाद बदलाव

सवाई माधोपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रणथम्भौर में बाघ-बाघिनों को उनके 'नंबर' से पहचाना जाता है। वन विभाग ने अब इस 'नंबर'में बदलाव किया है। साल और बाघ-बाघिन के नंबर को जोड़कर जो संख्या आएगी, वह नंबर इनकी नई पहचान होगी। इससे पहले वन्यजीव प्रेमियों की ओर से भी बाघ-बाघिनों को कई अलग-अलग नाम दिए जाते रहे हैं। रणथम्भौर की बाघिन मछली, ऐरोहैड, रिद्धी, सिद्धी, शर्मिली, सुंदरी, कालू, धोलू, जय, वीरु नाम काफी फेमस भी हुए। इसके अलावा बाघ-बाघिनों को रणथम्भौर में टी-1 और टी-2 इस तरह के कोड नम्बर जारी किए जाते रहे हैं।

एनटीसीए के निर्देश पर हुए बदलाव

वन अधिकारियों ने बताया कि एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) की ओर से इस साल की शुरुआत में बाघ-बाघिनों को जारी किए जाने वाले कोड को लेकर एक गाइडलाइन जारी की गई थी। गाइड लाइन के अनुसार बाघ-बाघिन को विभाग की ओर से जिस भी साल में नंबर जारी किया जाएगा। उसके कोड नम्बर में साल का अंक शामिल करना अनिवार्य होगा। इसका मकसद बाघ या बाघिन के रिकॉर्ड को सहज और सुगम करना था। वन्यजीव विशेषज्ञ और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के डीएफओ संजीव शर्मा का कहना है कि बाघ-बाघिनों को जारी किए जाने वाले कोड के प्रारूप में बदलाव किया गया है।

राजस्थान के सरकारी हॉस्पिटल में गार्ड ले रहा ब्लड सैंपल

प्रेग्नेंट महिला के पति ने मना किया, पास खड़ी नर्स बोली-इसे सब आता है

भरतपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी हॉस्पिटल में प्रेग्नेंट महिलाओं का ब्लड सैंपल गार्ड ले रहा है। महिला के पति ने इस पर आपत्ति जताई तो पास खड़ी नर्स झट से बोल पड़ी-इसे सैंपल लेने आता है। खास बात यह है कि इसका वीडियो सामने आने के बाद भी हॉस्पिटल प्रबंधन जांच की बात कहता रहा। घंटों बाद उस गार्ड और नर्स की पहचान नहीं हो पाई थी। जिम्मेदारों का यह रवैया लापरवाही की पोल खोल रहा है। मामला भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल कैंपस में बने जनाना हॉस्पिटल का है। ब्रज नगर कॉलोनी की रहने वाली रविंद्री (25) 8 महीने की प्रेग्नेंट है। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पति सोनू (28) रविंद्री को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे थे। प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहे सोनू अपनी पत्नी को रूटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल लेकर गए थे। रविंद्री लैब में पहुंची। यहां एक नर्स और हॉस्पिटल का सिक्योरिटी गार्ड मौजूद था।

वीडियो बन रहा है तो बनने दो

सोनू कहते हैं- सोनू ने बताया कि हमारे जाते ही वहां सिक्योरिटी गार्ड आ गया। स्टूल पर सामने बैठ गया। जब नर्स की बजाय सिक्योरिटी गार्ड ब्लड सैंपल लेने लगा तो मैंने मना किया। इसके बाद वहां मौजूद नर्स ने कहा कि ये सिक्योरिटी गार्ड सब जानता है। ये ब्लड सैंपल ले लेगा। इस पर मैंने ऐतराज जताया कि ये कैसे सैंपल ले लेगा। हॉस्पिटल का स्टाफ नहीं माना और सिक्योरिटी गार्ड ने ब्लड सैंपल लिया। इस पूरे घटनाक्रम का मैंने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने सिक्योरिटी गार्ड को बताया कि मैं वीडियो बना रहा हूं। इस पर वहां मौजूद नर्स और गार्ड बोले-वीडियो बन रहा है, तो बनाने दो।

वीडियो सामने आया

सोनू ने यह वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर डॉ. जिज्ञासा सहानी से शाम करीब 5 बजे भास्कर ने बात की। डॉ. सहानी ने कहा- वीडियो को लेकर जांच की जा रही है। इसके बाद ही कार्रवाई होगी। ड्यूटी के दौरान कौन नर्सिंग स्टाफ था, कौन सिक्योरिटी गार्ड था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। डॉ. सहानी का इस तरह का जवाब यह बताने के लिए काफी है कि हॉस्पिटल प्रबंधन इस लापरवाही को लेकर कितना गंभीर है। जनाना हॉस्पिटल में गिने-चुने गार्ड और नर्सिंग स्टाफ होंगे। रजिस्टर पर सबकी ड्यूटी दर्ज होगी। वीडियो सामने है। उसमें पहचान कराना कोई मुश्किल काम नहीं है।

जयपुर में बदमाश को पकड़ने गई पुलिस के साथ मारपीट

महिलाएं हाथ में चाकू लेकर धमकाने लगीं, युवक लाठी और डंडे लेकर आए

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में हैड कॉन्स्टेबल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। हैड कॉन्स्टेबल राजेश कुमार ने 12 से ज्यादा महिला और पुरुषों पर मारपीट की शिकायत झोटवाड़ा थाने में दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया- एक घर पर रेड करनी थी। पुलिस पहुंची तो मौके पर मौजूद लोगों ने हमला कर दिया। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झोटवाड़ा थाना पुलिस ने बताया-16 अगस्त को हैड कॉन्स्टेबल राजेश की ड्यूटी चेतक पर थी। सुबह करीब 8 बजे सीएसटी से फोन आया। इसके बाद चेतक को लेकर श्रीरामपुरी कॉलोनी निवारू रोड पर पहुंचे। यहां पर पहले से सीएसटी के राजकुमार कॉन्स्टेबल, कॉन्स्टेबल मन्त्री कुमार, कॉन्स्टेबल राजेन्द्र कुमार, कॉन्स्टेबल विकास कुमार, कॉन्स्टेबल अजय कुमार मौजूद मिले।

मौके पर पहुंचे राजेश कुमार को सीएसटी टीम ने बताया- श्रीरामपुरी कॉलोनी में रहने वाले साहिल को पकड़ना था। हमारे पास पुख्ता सूचना थी कि उसके पास अवैध हथियार हैं। सूचना पर राजेश कुमार आईसी चेतक पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचा। राजेश ने पूछताछ शुरू की तो बबली पत्नी सुनिल ने आवाज लगा कर अपने परिवार के सदस्यों को बुला लिया। इस पर अंगुरी, राजकुमार, पायल, आरती, माया, रेशमा, बाबु, विनोद, पिंकी भारती, मनोज, सुनिल, रिया व इनके अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी आ गए। आते ही पुलिस जाब्ते के साथ गाली गलौच करते हुए हाथापाई करने लगे। पुलिस ने साहिल पुत्र सुनिल उर्फ मुली को पकड़ने का प्रयास किया। सारे परिवार के सदस्य पुलिस जाब्ता के साथ हाथापाई की। हमें धमकी दी कि हमारे पूरे परिवार में हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के आने की हिम्मत कैसे हुई।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान में विद्यार्थियों का हंगामा

गार्ड पर छात्रा की फोटो वायरल करने का आरोप

अजमेर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान में गुस्साए विद्यार्थियों ने सिक्योरिटी ऑफिसर की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सिक्योरिटी केबिन में की तोड़फोड़ कर दी। गुरुवार रात 9 बजे विद्यार्थियों ने यहां जमकर उत्पात मचाया।

विश्वविद्यालय के गुस्साए छात्रों ने सिक्योरिटी ऑफिस से पैदल मार्च के सीयूआर के गेट नम्बर 3 के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने सिक्योरिटी ऑफिसर की बर्खास्तगी की मांग की है। जानकारी के अनुसार कॉलेज की एक छात्रा की फोटो वायरल होने से विद्यार्थी भड़क गए। विद्यार्थियों ने सिक्योरिटी ऑफिसर पर एक छात्रा की फोटो वायरल करने का आरोप लगाते हुए गुरुवार रात 9 बजे जमकर उत्पात मचाया। सिक्योरिटी केबिन में तोड़फोड़ कर एक वाहन में आग लगा दी। बाद में कुलपति हाउस पर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने कहा कि सिक्योरिटी हमारी सुरक्षा के लिए है, प्राइवेसी के साथ खेलने के लिए नहीं।

भाजपा की निष्कासित विधायक शोभारानी कुशवाह की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक

हाईकोर्ट से मिली राहत

धौलपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर से बीजेपी की निष्कासित विधायक शोभारानी कुशवाह को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल उपमान ने निचली अदालत के गिरफ्तारी वारंट पर अंतरिम रोक लगा दी है।

बता दें, धौलपुर के मथुरा के थाने में विधायक शोभारानी और उनके पति पूर्व विधायक बनवारी लाल कुशवाह सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। धौलपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने निचली अदालत के आदेश को सही माना था और कोर्ट ने निगरानी याचिका को खारिज कर दिया था। इसी को लेकर विधायक शोभा रानी ने हाईकोर्ट में आदेश को चुनौती दी थी।

निचली अदालत ने 18 अक्टूबर 2022 को संज्ञान लेते हुए विधायक शोभा रानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इससे पूर्व 13 जनवरी 2017 को श्याम बाबू शर्मा ने कंपनी के निदेशक के खिलाफ 420, 120- बी आपराधिक षड्यंत्र में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने शोभारानी के पति पूर्व विधायक बनवारी लाल कुशवाह के खिलाफ चालान पेश किया था। एक दर्जन लोगों के खिलाफ जांच पेंडिंग चल रही थी।

कोटा में आत्महत्या के मामलों को कम करने के लिए स्प्रिंग-लोडेड पंखे लगाए गए

कोटा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छात्रों के आत्महत्या के मामलों को कम करने के लिए कोटा के सभी छात्रावासों और पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों में स्प्रिंग-लोडेड पंखे लगाए गए हैं। राजस्थान के कोटा में हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन मित्तल ने छात्रों में बढ़ते आत्महत्या के मामले और इसे कम करने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों पर बात की।

कुख्यात गैंगस्टर के तीन साथी कोर्ट में पेश

307 में दोषी करार, मुठभेड़ में कांस्टेबल को मारी थी गोली

नागौर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नागौर पुलिस ने सुबह हार्डकोर तीन बदमाशों को पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच नागौर के कोर्ट में पेश किया। इनमें एक अपराधी जोधपुर जेल में बंद था बाकी दो अजमेर जेल बंद थे। नागौर पुलिस तीनों हार्डकोर अपराधियों को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच नागौर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आईपीसी की धारा 307 में तीनों को दोष पाया है।

बता दें कि नागौर जिले के गुड़ा भगवानदास गांव में वर्ष 2016 में राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल सिंह और उसके साथी फरारी काटने के लिए नागौर से गुजरते हुए जोधपुर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान देर रात कंट्रोल रूम पर वायरलेस के जरिए सूचना मिली, जिसमें बताया कि फॉर्च्यूनर गाड़ी में कुछ संदिग्ध बदमाश हैं। सूचना मिलते ही नागौर की क्यूआरटी टीम ने उनका पीछा शुरू किया।

शादी के 20 साल बाद जीता मिसेज इंडिया इंटरनेशनल खिताब

बेटियां बोलीं-पहले बुरा लगता था मां वक्त नहीं देती, नए-नए कपड़े आते तो खुशी होती

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मैं छठी क्लास में थी। टीवी पर ब्यूटी कॉन्टेस्ट देखकर रैंप वॉक करती थी। बचपन से इच्छा थी कि लाइफ में इतनी कामयाबी मिले लोग मुझे जाने। मेरी खुद की पहचान बने। मैं हमेशा एक गाना गुनगुनाया करती थी- मैं बनूंगी मिस इंडिया, लेकिन नहीं बन पाई। शादी होने के 20 साल बाद दो बेटियां भी हो गईं। अब मिसेज इंडिया का खिताब जीता है। ये कहना है मिसेज इंडिया इंटरनेशनल 2023 की विनर परमप्रीत मेहरा का।

परमप्रीत जयपुर की ही रहने वाली हैं। उनकी बेटी ने बताया- मां जब पेजेंट की तैयारी कर रही थी। तब टाइम नहीं दे पाती थीं। बुरा लगता था। जब घर में ब्यूटी कॉन्टेस्ट के नए-नए कपड़े आते थे तो खुशी भी होती थी। परमप्रीत के पति तेजवीर सिंह एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में जूनियर साइंटिस्ट के पद पर हैं। बेटियों में बड़ी दिव्यांका 11th स्टैंडर्ड में पढ़ रही है। छोटी नंदिनी 9th में है। परमप्रीत खुद जयपुर की एक प्रतिष्ठित कंपनी में मैनेजर इन कॉर्पोरेट कॉर्डिनेशन की पोस्ट पर हैं।

परमप्रीत गाजियाबाद उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। इनकी शादी 2003 में गाजियाबाद के ही तेजवीर सिंह से हुई। शादी लव कम अरेंज थी। परमप्रीत ने बताया- पिता फिल्म लाइन से जुड़े हुए थे। बचपन से ही मिसेज इंडिया बनने का सपना था, लेकिन शादी और करियर के बीच में इतना समय ही नहीं मिल पाया कि अपने सपने को पूरा कर सकें। अब पति के सपोर्ट से मिसेज इंडिया इंटरनेशनल 2023 का खिताब अपने नाम किया। परमप्रीत ने बताया-फरवरी 2023 में ग्लोबल इंडिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के मिसेज इंडिया 2023 के लिए ऑडिशन जयपुर में चल रहे थे। मैंने उसमें अप्लाई किया। फिर मेरे पास कॉल आया। इसके लिए सिलेक्ट हो गई। उस वक्त मेरे पूरे परिवार में खुशी का ठिकाना नहीं था। मुझे उसी वक्त से ऐसा लग रहा था कि मैं यह खिताब जरूर जीतूंगी।

उन्होंने बताया-मैंने तैयारी शुरू की। तैयारी के लिए 4 महीने का समय मिला। इस दौरान ऑफिस, घर और इस पेजेंट की तैयारी तीनों एक साथ मैनेज करना पड़ा। साथ ही अपने हेल्थ और फिटनेस का भी ध्यान रखना था। मेरी मदर भी हमारे साथ ही रहती हैं। उनका काफी सपोर्ट मिला। बच्चे और फैमिली को समय नहीं दे पा रही थी। घर के कामों में मां हाथ बंटा देती थीं। फिर भी काफी मुश्किल होता था। किसी तरह से टाइम मैनेज किया। सुबह जल्दी उठती थी। जिम और योगा के लिए सुबह-सुबह डेढ़ से 2 घंटे देने पड़ते थे। उसके बाद घर में आकर खाना बनाना। बच्चों को अपने पति को खाना पैक करके देना।

अध्यापन में शिक्षण के साथ-साथ कौशल विकास पर जोर दें : प्रो. कुलकर्णी

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 462वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र पर महाराष्ट्र राज्य के भंडारा जिले के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 462वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने पूर्व परीक्षण के द्वारा अध्यापकों के स्तर की जाँच की। पाठ्यक्रम में कुल 41 प्रशिक्षणार्थियों ने नियमित कक्षा में उपस्थित होकर भाग लिया। इस दौरान क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे के साथ-साथ डॉ. साईनाथ चपले, डॉ. योगेंद्रनाथ मिश्र, डॉ. सी. कामेश्वरी, डॉ. राजीव कुमार सिंह तथा डॉ. कुमारी संध्या दास ने अध्यापन कार्य किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने हस्तलिखित पत्रिका "'भंडारा जिले की विशेषताएँ'' तैयार की। प्रशिक्षण के बाद पर परीक्षण लिया गया। 462वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने की तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गंगाधर वानोडे थे। मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शुभदा वांजपे उपस्थित थीं। समापन सत्र के अध्यक्ष के रूपमें आभासीय मंच से जुड़े प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि कि आपने यहाँ पर जो कुछ ज्ञान पाया है वह आप अपने छात्रों तक सम्प्रेषित करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। अध्यापक को अपने अध्यापन में शिक्षण के साथ-साथ कौशल विकास पर जोर देना चाहिए। इस तरह के प्रशिक्षण के माध्यम से हमें भाषा कौशल को क्रियान्वित करने का अवसर मिलता है। नवीकरण पाठ्यक्रम के संयोजक तथा क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रतिभागी अध्यापकों को नवीकरण पाठ्यक्रम में जो ज्ञानार्जन हुआ उसे अपने अध्यापन में अपनाने को कहा। कार्यक्रम के अंत में बालूसिंह चव्हाण ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वतंत्रता सेनानी पं. गंगारामजी की जीवनी पुस्तक का प्रकाशन जल्द

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। क्रांतिवीर, स्वतंत्रता सेनानी, हैदराबाद मुक्ति संग्राम के योद्धा, महर्षि देव दयानंद सरस्वती जी के अनन्य भक्त, आर्य समाज को अभूतपूर्व गौरव दिलाने वाले वैदिक विद्वान, दूसरों के विकास में संतुष्टि मानने वाले, दीन और निर्बलों के जीवन में उजियारा फैलाने वाले एडवोकेट पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी की जीवनी प्रकाशित की जा रही है। पं. गंगाराम स्मारक मंच के मंत्री श्रृतिकांत भारती ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती 200वीं जयंती एवं हैदराबाद मुक्ति अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम जी की जीवनी जीवन संग्राम, क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी के लेखक आर्य जगत के वरिष्ठ 93 पर्षीय एवं प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. राजेन्द्र जिज्ञासु, जिन्होंने लगभग 400 पुस्तकों के लेखन, अनुवादक, सम्पादक किया है, द्वारा लिखित यह जीवनी पुस्तक का प्रकाशन अंतिम चरण पर है और इसी महीने के अंत तक पाठकों के हाथ में पहुंच जाएगा।

भारत ने 2 रन से जीता पहला टी-20 मैच

बारिश के कारण डीएलएस मैथड लगाया गया; चोट से वापसी कर रहे बुमराह ने लिए 2 विकेट

डबलिन, 18 अगस्त (एजेंसियां)140 रन का टारगेट चेज करते हुए भारत ने 6.5 ओवर में दो विकेट पर 47 रन बनाए थे, तभी बारिश आ गई।

टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 2 रनों से जीत लिया है। टीम को डीएलएस मैथड के तहत जीत मिली।

डबलिन के द विलेज स्टेडियम में खेला गया मुकाबला भारतीय पारी के 6.5 ओवर में बारिश के कारण रोका गया। तब तक टीम इंडिया ने दो विकेट पर 47 रन बना लिए थे। ऋतुराज गायकवाड और संजू सैमसन नाबाद लौटे।

नंबर-3 पर उतरे तिलक वर्मा जीरो पर आउट हुए। उन्हें क्रेग यंग ने विकेटकीपर टेक्कर हाथों कैच कराया। इसकी पिछली बॉल पर यंग ने यशस्वी जायसवाल (24 रन) को आउट किया था।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 162वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 162वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन 20 अगस्त रविवार को चिंतलमेट, अत्तापुर स्थित गुरुद्वारा साहिब ब्रह्म बाला सिख छावनी में किया जाएगा। मंच के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रयोजक गोपीनाथ एवं श्रीमती संतोष कुमारी अग्रवाल, बंजारा हिल्स, हैदराबाद है। शिविर में रेनोवा ग्रुप ऑफ हास्पिटल, लगर हाउस के डाक्टरो द्वारा रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, ह्रदय रोग हेतु ईसीजी, 2डी इको, हड्डी रोग, समान्य रोग, स्त्री रोग आदि की जांच की जायेगी। साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा के विशेषज्ञों द्वारा नैत्र रोग जांच की जायेगी। शिविर में नैत्र जांच में मिले मोतियाबिंद रोगियों का नि: शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा द्वारा किया जाएगा। इस जांच शिविर में नि: शुल्क दवाईयों का वितरण भवानी ग्रुप, इदंरबाग, कोटी, हैदराबाद महेश अग्रवाल के नेतृत्व उनकी पूरी टीम द्वारा किया जायेगा। शिविर में जांच हेतु रजिस्ट्रेशन रविवार सुबह 10 से दोपहर 12 तक होगा। स्थानीय जनता से अग्रवाल मानव सेवा मंच की अपील है कि इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भरपूर लाभ उठाये।

श्री राधारमण भागवत सेवा समिति की साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राधारमण भागवत सेवा समिति द्वारा आगामी 1 सितंबर से 7 सितंबर तक मध्याह्न 2.30 से सायं 6 बजे तक नामपल्ली स्थित नुमाईश मैदान में डॉ. संजय कृष्ण सलिल (वृन्दावन निवासी) के मुखरविन्द से श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा के संदर्भ में नुमाइश मैदान में साधारण सभा का आयोजन हुआ।

सभा में कलश यात्रा के कूपन का विमोचन किया गया है। श्रीमदभागवत कथा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा शुक्रवार 1 सितंबर को प्रातः 10 बजे श्री खेमदास मठ, जुमेरात बाजार से प्रारम्भ होकर चुडी बाजार, बेगम बाजार, गोशामहल से होते हुए कथा स्थल नुमाईश मैदान पहुचेगी।

श्रीमद्भागवत कथा में मुख्य यजमान, दैनिक यजमान, प्रसाद, लंगर प्रसाद, कलश धारन करने एवं स्वयं सेवा बनने हेतु रमेशचन्द गोयल एवं श्रवण अग्रवाल से सम्पर्क कर सकते है। सभा में तुलसीराम बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, रुपचन्द संतोष अग्रवाल, रमेशचन्द गोयल, रामनाथ गोयल, अशोक कुमार अग्रवाल, सुकुल जैन, रोहित मेह अग्रवाल, सीए पंकज आडोकिया, संवरमल अतिन कुमार, गोयाल चान्दगोटिया, रामानन्द अग्रवाल, शावन प्रसाद कपिल अग्रवाल, विनाश वोशान, राकेश अग्रवाल, अर्जुन फिटकरीवाल, विकाश अग्रवाल, हनुमान अग्रवाल, केसरीनन्दन कन्दोई एवं सुमीत गर्ग उपस्थित थे।

वसुधैव कुटुंबकम महिलाओं ने हरियाली तीज मनाई

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वसुधैव कुटुंबकम की महिलाओं ने श्रीदेवी के निवास स्थान हिल रिज स्प्रिंग्स गच्चीबोली पर हरियाली तीज धूमधाम से मनाई, जिसमें तीज क्वीन राज माथुर चुनी गई। तीज संबंधित तंबोला एवं विभिन्न गेम रखे गए जिसका आयोजन गीता अग्रवाल ने किया। सभी ने लोक गीतों पर आधारित नृत्य, गीत आदि का आनंद लिया एवं सभी सखियों ने झूला झूला। कार्यक्रम में कमलेश अग्रवाल, हरिणी, श्रीदेवी ,गीता अग्रवाल, मंजू शर्मा, नेहा खाडीकर, प्रभा मेहता, राज माथुर आदि उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक लोगों ने मंत्री तलसानी को दी समस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक भाई-बहनों ने स्थानीय बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर अपनी समस्याओं की जानकारी दी। की। मंत्री ने उन्हें चार दिनों के अंदर क्षेत्र का दौरा करने का वादा किया। मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार हमेशा अल्पसंख्यकों का साथ है। मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार कल्याणकारी योजनाएं प्रदान कर रही है जो अतीत में किसी भी सरकार द्वारा शुरू नहीं की गई थीं। अल्पसंख्यकों को कोई समस्या हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास जारी है। इस अवसर पर जामबाग डिवीजन के मुख्य सचिव जी. नंदू कुमार, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद गौस, साजिद, सैयद सिराज, यूसुफ पटेल, असद, मजीद, सैयद शरीफ, सैयद असद, मोहम्मद मजीदरी, सैयद रियाज, मोहम्मद फारूक, अल्ताफ अनवर, शेख आजम, शेख इरफान, मोहम्मद अज़हर, शबाना बेगम, बानू बेगम, पौज़िया बेगम, मिराज बेगम, कनीस फातिमा, अमरीन बेगम और अन्य ने भाग लिया।

बीआरएस सरकार की नाकामी पर धरना आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी गोशामहल द्वारा संयोजक कृष्णा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने बीआरएस सरकार की नाकामी पर आबिड्स रोड चौराहे पर रास्ता रोककर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बीआरएस सरकार पर लोगों से किये गये वादे पूरे न करने का आरोप लगाये। प्रदर्शन में बीजेपी के वरिष्ठ नेता गोविंद राठी, कन्वीनर कृष्णा, जामबाग के कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल, गोपाल, शैलेंद्र यादव, गुड्डू श्रीनिवास यादव, नरहरी, दासारी शेखर गोपाल, मयूर कालेकर, शैलेंद्र सिंह, रमेश, दसारी अनिल, अरविंद, नितिन नंदीकर, मनोज जायसवाल आदि ने भाग लिया। सभी को बेगम बाजार पुलिस द्वारा अरेस्ट कर उनको बेगम बाजार थाने ले गए उसके पश्चात 4 बजे उन्हें छोड़ा गया।

नागौर स्थित खरनाल पधार कर तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लेते हुए जाट एकता मंच के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका। इस अवसर पर उनका स्वागत करते हुए मंदिर कमेटी व भोपाजी दरियावजी धोलीया व अन्य।

मनसूराबाद स्थित कृष्णा मार्केटिंग गोल्डमेडल स्वीच शोरूम में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लते हुए पूज्य गुरुवर श्री सोहन महाराज व पंडित बाबुलाल शर्मा, बतौर मुख्य अतिथि उप्पल काचवानी सिंगारम कुमावत समाज चेयरमैन अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड, पुखाराम अडाणीया, शंकरलाल पिपाडा, प्रबंधक कृष्णकुमार, जितेन्द्र, रमेश अडाणीया व समाज बन्धु।

कैंटोनमेंट बोर्ड के बोइनपल्ली जयनगर चौरास्ते पर बोइनपल्ली गौड़ा वेलफेयर सोसायटी द्वारा सरदार पपन्ना गौड़ा की 373वीं जयंती पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोर्ड माल्यार्पण करते हुए बौर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपना प्रताप व अन्य।

पपन्ना गौड़ महाराज 373वीं जयंती पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पार्षद राकेश जयसवाल पार्षद, रमन गौड़, अक्षय, नरसिंग राव, जाकिर व अन्य।

टीपीसीसी अध्यक्ष जाति-आधारित व्यवसायों का अपमान कर रहे हैं : मंत्री

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद शुल्क और पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने आरोप लगाया कि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी पिछड़े वर्गों के जाति-आधारित व्यवसायों का अपमान कर रहे थे और उनके खिलाफ एक गुप्त अभियान में भी शामिल थे। शुक्रवार को यहां रवींद्र भारती में स्वतंत्रता सेनानी सरदार सरवई पापन्ना गौड़ की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी राजनीति में बीसी के उद्भव को पचाने में असमर्थ हैं और बीसी मंत्रियों के खिलाफ साजिश रच रहे हैं, जो मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की कैबिनेट में शामिल हैं।

मंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मुद्दों को हल करने का वादा किया

हैदराबाद, 18 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने वादा किया कि राज्य सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सभी मुद्दों को जल्द से जल्द हल करेगी। मंत्री ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के यूनियन नेताओं के साथ बैठक की और उनके मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान यूनियन नेताओं ने मुख्य रूप से सेवानिवृत्ति लाभ, बीमा, पीआरसी, अनुकंपा नियुक्ति, मिनी आंगनबाडी केंद्रों को मुख्य आंगनबाडी केंद्रों में परिवर्तित करने, आंगनबाडी शिक्षकों और सहायिकाओं की पदोन्नति में सेवा मानदंडों में छूट, सभी लंबित बिलों की मंजूरी, भुगतान जैसे मुद्दे उठाए। टीए, डीए, परीक्षा के स्थान पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति हेतु वरिष्ठता प्रस्ताव की संभावना।

इस अवसर पर, मंत्री ने कहा कि मुद्दों को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के संज्ञान में लाया जाएगा और वादा किया कि वह आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मुद्दों को यथासंभव हल करने का प्रयास करेंगी। यह कहते हुए कि तेलंगाना आंगनवाड़ी शिक्षकों और नर्सों को सबसे अधिक वेतन देने वाला एकमात्र राज्य है, मंत्री ने कहा कि योजनाएं तैयार की गई हैं ताकि आंगनवाड़ी शिक्षकों को अब से हर महीने की 14 तारीख को वेतन मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार जल्द ही आंगनवाड़ी केंद्रों में एक ब्रिज कोर्स शुरू करने की योजना बना रही है।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी गठित, प्रथम बैठक कल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा वर्ष 2023-25 के कार्यकाल हेतु मैरेज डेटा कमेटी का गठन किया गया है जिसमें चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल, संयोजक रमेश कुमार तुलस्यान, वाइस चेयरमैन दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, अशोक ददरीवाला, सतीश अग्रवाल, सुनील मित्तल हैं। पदेन सदस्य के रूप में समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल तथा मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता कमिटी के सदस्य रहेंगे। इस सत्र की प्रथम बैठक समाज के कार्यालय 301, राघव रत्ना टॉवर, चिराग़ अली लेन, ऑबिड्स में प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। सभी अग्रबंधुओं से आग्रह है कि अपने विवाह योग्य बालक, बालिकाओं के बायोडेटा जमा करवायें तथा पिछले कार्यकाल के जो बायोडेटा समाज कार्यालय में उपलब्ध है उसमे से देखकर मिलान कर सकते हैं। 20 अगस्त को प्रथम बैठक की रूप रेखा निर्धारित करने हेतु अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी के सदस्यों की एक विशेष बैठक समाज कार्यालय में आयोजित की गई थी जिसमे उपरोक्त विषय पर निर्णय लिया गया। बैठक में कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

भाग्यनगर की पावन धरा पर शिवकथा आज से

पूज्य गिरी बापु महाराज व भजन सम्राट अनूप जलोटा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 18 अगस्त (परबत सोलंकी)।

शमशाबाद एयरपोर्ट रोड़ स्थित क्लासिक कन्वेंशन 3 में परम् पूज्य गिरी बापु महाराजजी के मुखारविन्द से भाग्यनगर की पावन धरा पर श्रावण मास के उपलक्ष्य में शिवकथा का रसपान शनिवार 19 अगस्त से रविवार 27 अगस्त तक अपराह्न 2 बजे से सायं 6 बजे तक किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक नरेन्द्रकुमार गोयल (वेन्कटेश्वरा ग्रूप) व श्रीकिशन अग्रवाल (क्लासिक गार्डन) ने बताया कि श्रावणमास के पावन अवसर पर आयोजित होने वाली शिवकथा में परम् पूज्य गिरी बापू महाराजजी अपनी अमृतवाणी में कथा का रसपान करायेंगे। कथा वाचक के नगरागमन पर शमशाबाद एयरपोर्ट पर नरेन्द्रकुमार गोयल परिवार, प्रसिद्ध गजल गायक अनूप जलोटा, पूज्य आचार्य पंडित पुरुषोत्तम (लाला) व आयोजकों द्वारा पुष्प-वर्षा से सम्मानकर, गाजे-बाजे के साथ कथा स्थल पर पधारने के पश्चात् शिवकथा गोयल परिवार को सौंपी गयी। शिवकथा के लिए पंडाल को विशेष फूलों से सजाकर मंच को तैयार किया गया है। पधारे भक्तों, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था की गयी है। शिवकथा के लिए कार्यकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारीयों से अवगत कराकर सभी तैयारीयां पूर्ण की जा चुकी है। अवसर पर विशेष मीडिया वार्ता में कथा वाचक परम पूज्य गिरी बापू महाराजजी ने कथा की पूर्व संध्या पर बताया कि भाग्यनगर की पावन धरा पर शनिवार 19 अगस्त मध्यान् 2 बजे से भक्तों के लिए कथा का रसपान कराया जाएगा। श्रावणमास के पावन अवसर पर जो भक्त प्रतिदिन शिव पूजाकर कथा का श्रवण करता है, उस भक्त को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है। देवों के देव महादेव कभी अपने भक्तों से रुष्ट नही होते है, भोले बाबा की सच्चे मन से अगर पुजा व उपासना की जाये तो निश्चय ही परिवार मे सुख समृद्धि बनी रहती है।

सभी देवताओं मे शिव को मनाना सबसे आसान है। पूजा-अर्चना के वक्त शिवलिंग पर जल व बील पत्र अर्पण करने मात्र से ही भोले बाबा प्रसन्न हो जाते है व सभी मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं। भाग्यनगर के भक्त कोई भी धार्मिक कार्य व कथा का कार्यक्रम हो तो सपरिवार पधारकर लाभ लेते है। भूखे को समय पर भोजन दिया जाये तो उसकी भूख मिटती है, उसी प्रकार कथा वाचक द्वारा शिवकथा का रसपान जो भक्त सपरिवार सच्चे मन से करता है वो भक्त मोक्ष को प्राप्त होता है। जो भक्त नौ दिवसीय कथा का प्रतिदिन रसपान करेगा उसे समस्त ज्योर्तिलिंगों का पुण्य मिलेगा।

श्रावणमास के पावन अवसर पर भाग्यनगर की पावन धरा पर शिवकथा का आयोजन कराने के लिए नरेन्द्रकुमार गोयल परिवार प्रशंसा के पात्र है। भगवान शिव की असीम कृपा उनपर बनी रहे। आयोजक नरेन्द्रकुमार गोयल ने बताया कि 9 दिवसीय शिवकथा के दौरान प्रतिदिन शिवकथा व अमरनाथ गुफा दर्शन, त्रिनेत्र रणथम्बोर गणपति दर्शन, सिद्धपीठ जिण माता के दर्शन, खाटु श्यामजी के श्रृंगारिक दर्शन, काशी विश्वनाथ सप्त ऋषि आरती, महाकाल की भस्म आरती एवं भव्य श्रृंगार, वेंकटेश्वर बालाजी दर्शन, श्री रानी सती दादी दर्शन, सालासर धाम दर्शन, द्वारकाधीश दर्शन, श्रीनाथजी दर्शन, वाराणसी गंगा आरती, गौमाता दर्शन, सप्तपुरी दर्शन, प्रतिदिन संत वाणी, प्रतिदिन अभिषेक एवं श्रृंगार, प्रतिदिन गंगा आरती, धार्मिक, प्रजावत्सल, शांति दूत, अग्रवंशी श्री अग्रेसनजी महाराज का अलौकिक दरबार सजाया जाएगा व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विभिन्न झांकियों का आयोजन किया जाएगा। सम्पूर्ण कथा पंडाल को शिवमय बनाया जाएगा।

जिसका दर्शनकर भक्त पूण्य के भागीदार बनेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे नरेन्द्रकुमार गोयल, श्रीकिशन अग्रवाल, विजेन्दरकुमार गोयल, धमेन्द्रकुमार गोयल (बबलु), तरुणकुमार गोयल, अरुणकुमार गोयल, पुनीत गोयल, राहुल गोयल, रुद्राक्ष गोयल एवं समस्त गोयल परिवार उपस्थित रहेंगे।

समाज बन्धुओं एवं भाग्यनगर के सभी शिवभक्तों से नम्र निवेदन है सपरिवार, इष्टमित्रों सहित समयपर पधारकर कथा के रसपान का आनन्द लेकर पुण्य के भागीदार बने।

वेंकटराव ने वाईएसआरसीपी छोड़ी, टीडीपी सदस्यता पर नजर

विजयवाड़ा, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गन्नावरम के प्रमुख नेता यारलागड्डा वेंकटराव ने वाईएसआरसीपी से अलग होने के अपने फैसले की घोषणा की है। वह अब टीडीपी में शामिल होने का लक्ष्य बना रहे हैं और उन्होंने अपनी पार्टी के नेता चंद्रबाबू से मिलने की इच्छा व्यक्त की है। विजयवाड़ा में अपने समर्थकों के साथ एक करीबी बैठक के दौरान, वेंकटराव ने आगामी चुनावों में टीडीपी के बैनर तले गन्नावरम से चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की। यरलागड्डा को भरोसा है कि अगर उन्हें टिकट दिया गया तो वह विधायक पद हासिल कर लेंगे और इसे पार्टी को श्रद्धांजलि के रूप में पेश करना चाहते हैं। उन्होंने सभा में जगन से मुकाबला करने की अपनी भविष्य की योजनाओं का मज़ाकिया ढंग से उल्लेख किया। अपने अतीत पर विचार करते हुए, वेंकटराव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2005 में अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्राप्त करने के बाद भी, राजनीति के प्रति उनका जुनून उन्हें गन्नवरम में वापस खींच लाया। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से जुड़ने के अपने प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके समर्पण और प्रतिबद्धता को याद किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भी अपने कार्यकर्ताओं से मिले अटूट समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी नेतृत्व के प्रति निराशा व्यक्त की। गन्नावरम में वाईएसआरसीपी की उपस्थिति को मजबूत करने के उनके ईमानदार प्रयासों के बावजूद, उन्हें कम महत्व दिया गया महसूस हुआ। उन्होंने टिकटों के आवंटन के बदलते मेट्रिक्स पर चिंता जताई और दरकिनार किए जाने का संकेत दिया।

कोहली के इंटरनेशनल क्रिकेट में 15 साल पूरे

22 गज की पिच पर 500 कि.मी. से ज्यादा दौड़े

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। विराट कोहली ने आज से ठीक 15 साल पहले इंटरनेशनल डेब्यू किया था। कोहली ने टीम इंडिया के लिए अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ खेला था। कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर (वनडे, टेस्ट, टी-20) में अब तक 501 मैच में 76 शतक की मदद से 25582 रन बनाए हैं। इस स्टोरी में हम कोहली के इंटरनेशनल करियर से जुड़े 15 रिकॉर्ड के बारे में जानेंगे। इनपुट क्रिकइंफो से लिए लिया गया है।

15 साल के करियर में कोहली 22 गज की पिच पर 500 कि.मी से ज्यादा दौड़े

विराट कोहली ने अपने 15 साल के करियर में क्रिकेट की पिच पर 510 किलोमीटर रनिंग की है। उन्होंने अपने रन के लिए 277 किमी दौड़ लगाई, जबकि अपने पार्टनर के लिए दौड़ते हुए 233 किमी की दूरी तय की। इनमें वही रन शामिल हैं जो उन्होंने दौड़कर बनाए, यानी इनमें बाउंड्री की दौड़ शामिल नहीं है।

चेज करते हुए 518 का औसत

टी-20 वर्ल्ड कप में बल्ले से कोहली ने शानदार परफॉर्म किया है। वह टी-20 वर्ल्ड कप 2014 और 2016 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। इस दौरान टारगेट चेज करते हुए उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप में चेज करते हुए कोहली का बैटिंग औसत 518 का है। अन्य कोई बल्लेबाज 200 के औसत तक भी नहीं पहुंच सका। इस दौरान भारत ने 10 मैचों में से 9

में जीत हासिल की है, और 8 में कोहली नॉटआउट रहे।

83 वेन्यू में से 46 पर शतक बनाए

कोहली ने अब तक अपने इंटरनेशनल करियर में 83 वेन्यू पर क्रिकेट खेला है, इनमें से 46 पर उन्होंने शतक भी बनाए हैं। अपने 76 शतक में सबसे ज्यादा पांच शतक उन्होंने एडिलेड ओवल मैदान पर लगाए। केवल सचिन ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने कोहली से ज्यादा वेन्यू पर शतक लगाए हैं। सचिन ने 53 वेन्यू पर शतक लगाए हैं।

वर्ल्ड कप डेब्यू पर सेंचुरी

कोहली ने वनडे वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में शतक और टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में अर्धशतक लगाया था। वो ऐसा करने वाले उस समय पहले खिलाड़ी थे। वनडे वर्ल्ड कप 2011 कोहली का पहला वर्ल्ड कप था। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपने पहले मैच में ही 100 रन बना दिए। फिर 2012 में अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में ही फिफ्टी लगा दी। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच ने 2014 टी-20 वर्ल्ड कप में अपने पहले मैच में फिफ्टी और 2015 में वनडे वर्ल्ड कप के अपने डेब्यू मैच में शतक लगाकर कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की। विराट कोहली ने उन सभी नौ देशों में शतक बनाया है जहां-जहां उन्होंने वनडे मैच खेला है। वहीं टेस्ट में आठ देशों में से सात देशों में उन्होंने सेंचुरी लगाई। इनमें केवल बांग्लादेश ऐसा देश है जहां उन्होंने शतक नहीं लगाया। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज में कोहली ने इन्हीं देशों के खिलाफ वनडे और टेस्ट दोनों फॉर्मेट में शतक लगाए हैं। केवल 2 खिलाड़ियों (सात सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा) ने कोहली के बराबर या उनसे अधिक देशों में मेजबान देश के खिलाफ टेस्ट और वनडे दोनों में शतक बनाए हैं।

कोहली के दस पारियों में लगभग 1000 रन

साल 2018 में फरवरी और अक्टूबर के बीच कोहली ने 10 वनडे पारियों में करीब 1000 रन बनाए थे। कोहली ने 197वीं और 206वीं वनडे पारी के बीच 142 की औसत से 995 रन बनाए थे, जिसमें 5 शतक और तीन अर्धशतक शामिल थे। यह किसी भी बल्लेबाज का वनडे की 10 पारियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कोहली ने अक्टूबर 2016 से जून 2017 के बीच 857 रन बनाने वाले डेविड वार्नर के पिछले रिकॉर्ड को 138 रन से पीछे छोड़ा था। इस साल के शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में तिरुवनंतपुरम में कोहली ने नाबाद 166 रन की पारी खेली। भारत ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 390 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका 73 रन पर आउट हो गया।

एथलीट दुती चंद पर 4 साल का बैन

नाडा के दोनों सैम्पल पॉजिटिव निकले जनवरी 2023 के बाद जीते मेडल भी अमान्य

दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। 2018 एशियन गेम्स में 2 मेडल जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद पर नाडा ने चार साल का बैन लगा दिया है। उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ लेने का दोषी पाया गया। दुती पर यह बैन इस साल के 3 जनवरी से लागू हो चुका है। इस पीरियड के बाद उन्होंने जिस इवेंट में भी मेडल जीते हैं वह अमान्य होंगे। यानी उनसे वह मेडल वापस ले लिए जाएंगे।

दोनों नमूने फेल

दुती के दिसंबर में लिए गए दोनों नमूल फेल पाए गए। उनके खून में एनाबोलिक एजेंट-एसएआरएमएस पाए गए, जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। एसएआरएमएस ऐसे नॉन स्टेरॉइड पदार्थ हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), एनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है।

दुती के दोनों नमूने 5 और 26 दिसंबर को लिए थे। उनके पहले सैंपल में एंडारॉइन, ऑस्ट्राइन और लिंगनड्रोल पाया गया है। वहीं दूसरे सैंपल में एंडारॉइन और ऑस्ट्राइन मिला है।

एंटी डोपिंग डिस्पलेनरी पैनल के समक्ष अपने को बेगुनाह साबित नहीं कर पाई

नाडा (नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी) के मुताबिक दुती एंटी डोपिंग डिस्पलेनरी पैनल (एडीडीपी) के सामने खुद को बेगुनाह साबित नहीं कर पाईं। एडीडीपी को उन्होंने बताया कि उन्होंने हड्डियों से संबंधित समस्या के लिए अपने पर्सनल फिजियो के कहने पर इस दवा का सेवन किया था। उन्होंने मान्यता प्राप्त फिजियो से सलाह नहीं ली और न ही इसकी जानकारी उन्होंने फेडरेशन या स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) को दी। यही नहीं उन्होंने दवा लेने से पहले वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) के बैन पदार्थों की भी जांच नहीं की।

2018 एशियन गेम्स में जीते थे दो सिल्वर मेडल

दुती 2018 एशियन गेम्स में देश को दो सिल्वर मेडल दिला चुकी हैं। उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर में सिल्वर मेडल जीते थे। इससे पहले उन्होंने एशियन चैंपियनशिप 2013 में पुणे में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम चार देशों के टूर्नामेंट में करेगी विश्वकप की तैयारी

स्पेन से होगा पहला मुकाबला

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर हॉकी टीम जर्मनी के डसेलडोर्फ में शुरू हो रहे चार देशों के टूर्नामेंट में स्पेन के खिलाफ मुकाबले से विश्वकप की तैयारी शुरू करेगी। भारत का सामना 19 अगस्त को मेजबान जर्मनी से होगा। इसके दो दिन बाद टीम इंग्लैंड से खेलेगी। शीर्ष दो टीमों का सामना 22 अगस्त को फाइनल में होगा। भारतीय जूनियर टीम ने जून में ओमान में जूनियर एशिया कप जीतकर दिसंबर में क्वालालंपुर में होने वाले विश्वकप के लिए क्वालिफाई किया था।

भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार खिताब जीता था। अभ्यास शिविर में चोटिल हुए उत्तम सिंह की जगह विष्णुकांत सिंह भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, हमारे पास मजबूत और अनुभवी खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों की लय हम कायम रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें आत्मविश्वास हासिल करने के लिए जीत के साथ आगाज करना होगा। यह टूर्नामेंट विश्व कप से पहले यूरोप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलकर अनुभव हासिल करने के लिए अहम है। भारत को पिछली बार 2019 में मैड्रिड में अंडर 21 टूर्नामेंट में स्पेन ने 3-1 से हराया था।

स्पेन और भारत ने 2016 के बाद से एक-दूसरे के खिलाफ चार मैच खेले हैं जिनमें से तीन भारत ने जीते। जर्मनी और भारत ने 2013 के बाद से चार मैच खेले जिनमें से भारत ने तीन मैच जीते हैं। भुवनेश्वर में जूनियर विश्वकप 2021 में जर्मनी ने भारत ने 4-2 से हराया था। लखनऊ में 2016 जूनियर विश्वकप में इंग्लैंड को 5-3 से हराने के बाद से उसके खिलाफ भारत का यह पहला मुकाबला है। भारत के मुख्य कोच सी आर कुमार ने कहा, स्पेन, जर्मनी और इंग्लैंड मजबूत टीमें हैं। हमारा फोकस अपनी रणनीति पर अमल करके अपनी ताकत पर खेलने पर होगा।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-4 में भारत को 2 मेडल

भारतीय मेंस और विमेंस रिकर्व टीम ने ब्रॉन्ज जीता; कंपाउंड पुरुष और महिला टीम फाइनल में

पेरिस, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस में चले रहे आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-4 में भारतीय रिकर्व टीम ने दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। भारतीय पुरुष टीम और विमेंस टीम तीसरे स्थान पर रही। धीरज बोम्मादेवारा, अतानु दास और तुषार शेल्के की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ब्रॉन्ज मेडल के प्लेऑफ मुकाबले में आंद्रेस तेमिनो, युन सांचेज और पाब्लो आचा की स्पेन की टीम को 6-2 (54-56, 57-55, 56-54, 57-55) से हराया। इससे पहले भारतीय टीम को चीनी ताइपे के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस तरह भारतीय टीम गोल्ड की होड़ से बाहर हो गई।

वहीं, भारतीय महिला टीम को भी सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ ही 0-6 (52-57, 47-56, 52-53) से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। ताइपे की टीम ने 53 अंक जुटाए थे, लेकिन भारतीय टीम 52 अंक ही बना सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। ब्रॉन्ज मेडल के प्ले ऑफ में भारतीय टीम ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैक्सिको को 5-4 (52-55, 52-53, 55-52, 54-52) (27-25) से हराकर पदक जीता। टीम में अंकिता भकत, भजन कौर और सिमरनजीत कौर शामिल थीं। इससे पहले भारतीय महिला रिकर्व टीम ने जापना को 6-2 और इटली को 5-1 से मात दी थी। कंपाउंड में विमेंस और मेंस ने टीम फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। ओजस प्रवीण देवतले, प्रथमेश जावकर और अभिषेक वर्मा की पुरुष टीम शनिवार को अमेरिका से भिड़ेगी, जबकि अदिति गोपीचंद स्वामी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी मैक्सिको का सामना करेगी। वहीं, इंडिविजुअल कंपाउंड में अदिति और ओजस मेडल की दौड़ में शामिल हैं। गुरुवार को अदित और ओजस ने अपनी-अपनी क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। कंपाउंड तीरंदाजी में व्यक्तिगत पदक राउंड शनिवार से शुरू होंगे, जबकि रिकर्व तीरंदाजों के लिए मेडल राउंड रविवार को होंगे।

एशिया कप 2023 : केएल राहुल पूरी तरह हुए फिट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2023 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान किया जाना है और इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई है। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान 21 अगस्त को किया जा सकता है। केएल राहुल अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं और माना जा रहा है कि एशिया कप टूर्नामेंट के लिए वो भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं। केएल राहुल आईपीएल 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे और उनके जांघ का ऑपरेशन किया गया था और वह उसके बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे और अपनी फिटनेस पर काम कर रहे थे। अगर केएल राहुल की टीम में वापसी होती है तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत होगी। न्यूज 18 के मुताबिक एशिया कप 2023 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का चयन 21 अगस्त को किया जाएगा और टीम की चयन के लिए जो बैठक होगी उसमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल होंगे। केएल राहुल पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और ऐसी संभावना है कि उन्हें एशिया कप टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने एमएसके प्रसाद को रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारत की चयन समिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद रणनीतिक सलाहकार के रूप में आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) में शामिल हो गए हैं। आईपीएल में लगातार दो बार प्लेऑफ में जगह बनाने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। फ्रेंचाइजी ने घोषणा की कि पूर्व भारतीय विकेटीकपर एमएसके प्रसाद को अपने साथ जोड़ लिया है। वह रणनीतिक सलाहकार के रूप में लखनऊ का हिस्सा रहेंगे।

प्रसाद ने 2016 से 2020 तक बीसीसीआई की वरिष्ठ चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। बीसीसीआई के साथ अपने जुड़ाव के अलावा, उन्होंने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन में क्रिकेट संचालन के निदेशक के रूप में भी काम किया है, जहां उन्होंने आंध्र क्षेत्र के 13 जिलों में अत्याधुनिक कोचिंग सुविधाओं की स्थापना की। एलएसजी ने एक बयान में कहा, प्रसाद अपने साथ ढेर सारा अनुभव और क्रिकेट संचालन में एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं, साथ ही एक जुनून भी है जिसने उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में कई उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया है। आईपीएल 2023 में एलएसजी लीग चरण में आठ जीत के साथ तीसरे स्थान पर रहने के बाद प्लेऑफ में पहुंची, लेकिन एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस से हार गई थी।

रोनाल्डो ने मेसी के 'दोस्त' का उड़ाया मजाक

इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को लेकर तंज कसा

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे चर्चित एथलीट हैं। इस सोशल मीडिया एप पर उनके 600 मिलियन यानी 60 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स के मामले में दूसरे किसी भी एथलीट से ज्यादा प्रसिद्ध हैं। इस बीच रियल मैड्रिड में रोनाल्डो के साथ खेल चुके सर्जियो रामोस ने भी इंस्टाग्राम पर 60 मिलियन यानी छह करोड़ फॉलोअर्स पूरे होने पर जश्न मनाया।

रामोस रोनाल्डो के साथ स्पेन के फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड में खेल चुके हैं। इसके अलावा वह लियोनल मेसी के साथ फ्रेंच फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) में भी काफी समय तक खेल चुके हैं। जब मेसी बार्सिलोना और रामोस-रोनाल्डो रियल मैड्रिड में हुआ करते थे, तो रामोस और मेसी की खूब लड़ाई होती थी। रामोस डिफेंडर और मेसी फॉरवर्ड में खेलते हैं। ऐसे में

दोनों के बीच काफी भिड़ंत देखने को मिलती थी। हालांकि, इसके बाद मेसी बार्सिलोना छोड़कर पीएसजी और रामोस मैड्रिड छोड़कर पीएसजी पहुंचे। एक क्लब में खेलने के दौरान रामोस और मेसी काफी अच्छे दोस्त बन गए। ऐसे में रोनाल्डो ने रामोस का मजाक उड़ाने में जरा भी समय नहीं लगाया।

रामोस ने इंस्टाग्राम पर अपनी उपलब्धि गिनाते हुए स्पैनिश में लिखा- हमने 2014 में इस अकाउंट को शुरू किया था। भले ही ये असंभव दिखता हो, लेकिन अब हम 60 मिलियन का आंकड़ा छू चुके हैं और मजबूत हो चुके हैं। इस पोस्ट पर रोनाल्डो ने कमेंट करते हुए मजाक में लिखा- मेरी बराबरी करने के लिए आपको एक और जीरो की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद रोनाल्डो ने हंसने वाला इमोजी लगाया है। रोनाल्डो ने कमेंट स्पैनिश में किया है।

इस पर रामोस ने फिर से कमेंट किया और लिखा- बहुत ज्यादा आश्वस्त मत हो क्रिस। खासतौर पर वापसी में...93 मिनट और ज्यादा समय में (हंसते हुए)। वैसे भाग लेने के लिए याद रखें, आपको # का उपयोग करना होगा। रामोस मौजूदा समय में एक फ्री-एजेंट हैं और उन्होंने 2022-23 सीजन के अंत में पेरिस सेंट-जर्मेन छोड़ दिया है। उनके सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो या मेजर लीग सॉकर में मेसी के साथ जुड़ने की अफवाहें हैं, लेकिन स्पेनिश डिफेंडर ने अभी तक अपना मन नहीं बनाया है। दूसरी ओर रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग के एक क्लब अल-नस्र में अपने दूसरे सीजन में हैं। पुर्तगाली फॉरवर्ड ने कुछ दिन पहले क्लब के साथ अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी जब उनके क्लब ने अरब क्लब चैंपियंस कप में अल-हिलाल को फाइनल में हराया था। वहीं, मेसी मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए शानदार गोल स्कोरिंग रन पर हैं। छह मैचों में उनके नौ गोलों ने टीम को लीग कप के फाइनल में पहुंचा दिया है।

वर्ल्ड कप से पहले स्टीव स्मिथ चोटिल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की मेजबानी में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप से करीब डेढ़ महीने पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम पर संकट आ खड़ा हुआ है। दरअसल, टीम के अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ चोट की वजह से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। स्मिथ के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टीव स्मिथ को एशेज के दौरान कलाई में चोट लगी थी। उनकी यह चोट पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। इसी कारण उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। हालांकि रिपोर्ट्स में यहा कहा जा रहा है कि स्मिथ विश्व कप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के पास वनडे विश्व कप जीतने का बेहतरीन मौका है : माइक हसी

दुबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर माइक हसी का मानना है कि मौजूदा 50 ओवर की टीम के पास इस साल भारत में होने वाले 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप जीतने का एक बड़ा मौका है, उन्होंने इसके लिए खिलाड़ियों के वर्तमान समूह के लंबे समय तक एक साथ खेलने के सकारात्मक कारक का हवाला दिया। हसी ने वेस्ट इंडीज में ऑस्ट्रेलिया के साथ 2007 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप जीता और उनके कोचिंग सेटअप के सदस्य के रूप में इंग्लैंड को पिछले साल अपने पहले पुरुष टी20 विश्व कप खिताब को जीतने में मदद करने में प्रमुख भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया 2019 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गया था, जहां वे अंतिम चैंपियन इंग्लैंड से हार गए थे।

आईसीसी ने हसी के हवाले से कहा, ₹मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के पास एक अच्छा मौका है क्योंकि उन्होंने खिलाड़ियों के एक बड़े समूह को कुछ समय के लिए एक साथ रखा है। वे सभी अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं और उन्हें अपनी टीम में थोड़ी निरंतरता भी मिली है। मैं मुझे लगता है कि वे कुछ अलग चीजें आजमा रहे हैं।" उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय विश्व कप कप को पांच बार जीतने के महान रिकॉर्ड के साथ-साथ इस साल मार्च में भारत पर 2-1 से श्रृंखला जीत का भी हवाला दिया।

हसी ने कहा, उन्होंने भारतीय परिस्थितियों में भारत के खिलाफ (मार्च में) श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया और इससे उन्हें विश्व कप में आने के लिए काफी आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा, और ऑस्ट्रेलिया का विश्व कप आयोजनों में एक महान इतिहास है। इसलिए, मुझे पता है कि वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। वहां बहुत सारी बेहतरीन टीमें हैं। पसंदीदा चुनना मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया खुद को एक बड़ा मौका देगा। हसी ने टिप्पणी की कि उन्हें उम्मीद है कि लेग स्पिनर एडम ज़म्पा और तेज ऑलराउंडर मिशेल मार्श भारत में पुरुष वनडे विश्व कप के दौरान उपमहाद्वीप की पिचों पर ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रमुख भूमिका निभाएंगे। एडम ज़म्पा पूरे टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वह पिछले कुछ वर्षों में वास्तव में अच्छे रहे हैं। और मुझे लगता है कि मिच मार्श ऐसे व्यक्ति हैं जो निश्चित रूप से एक बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। उन्हें बल्लेबाजी करते हुए एक बड़ी भूमिका दी गई है।

यातायात समस्याओं को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास : तलसानी

मंत्री ने इंदिरा पार्क से वीएसटी तक निर्मित स्टील ब्रिज का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुसंवर्धन और डेयरी उद्योग विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सरकार लोगों की यातायात समस्याओं को दूर करने के लिए शहर में नए पुलों का निर्माण कर रही है। साथ ही मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व और नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव के मार्गदर्शन में हैदराबाद को एक वैश्विक शहर में तब्दील किया जा रहा है।

मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को इंदिरा पार्क से वीएसटी तक 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित स्टील ब्रिज के शुभारंभ की तैयारी के संदर्भ में विधायक मुथा गोपाल, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज सहित अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इसका उद्घाटन शनिवार को मंत्री केटी रामा राव द्वारा किया जाना है। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीनिवास यादव ने कहा कि फ्लाईओवर, अंडरपास के निर्माण और सड़कों के विकास के लिए, राज्य सरकार ने रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) के तहत 48 परियोजनाएं शुरू की थीं, जिनमें से अब तक 35 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और वीएसटी फ्लाईओवर 36वां प्रोजेक्ट है। तलसानी ने कहा कि यह भारत का पहला इस्पात पुल है और इस पुल का नाम पूर्व मंत्री नयिनी नरसिम्हा रेड्डी के नाम पर रखना मुख्यमंत्री द्वारा लिया गया एक अच्छा निर्णय है। इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने कहा कि इंदिरा पार्क, आरटीसी क्रॉस रोड और वीएसटी जंक्शन पर ट्रैफिक जाम से वाहन चालकों और लोगों को भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की यातायात समस्याओं को दूर करने के विचार से नगरपालिका मंत्री कल्वाकुंतला तारक रामा राव की पहल पर इंदिरा पार्क से वीएसटी जंक्शन तक 2.62 किमी लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया है। बताया गया कि शनिवार से इस पुल का उपयोग लोग कर सकेंगे और पुल खुलने से वाहन चालकों की यातायात संबंधी समस्या दूर हो जायेगी।

उन्होंने बताया कि सरकार लोगों की सुविधा के लिए कई विकास कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मुख्यमंत्री केसीआर और नगरपालिका मंत्री केटीआर के नेतृत्व में हैदराबाद एक महानगरीय शहर के रूप में आकार ले रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न हिस्सों में यातायात की समस्याओं के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास का निर्माण और सड़कों का विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को आरामदायक यात्रा मुहैया कराने के लिए बड़े पैमाने पर रोड कनेक्टिविटी पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुसी नदी का विकास कार्य जल्द शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुसी नदी के किनारे घर बनाने वाले गरीबों को डबल बेडरूम घर आवंटित करने और पुनर्वास प्रदान करने का निर्णय लिया है और अनुमान है कि लगभग 10 हजार लोग होंगे।

बेघरों को घर उपलब्ध कराने के वादे को पूरा करने में केसीआर विफल : एनवीएसएस

गरीबों के लिए डबल बेडरूम मकान की मांग को लेकर बीजेपी ने दिया धरना

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के वादे के अनुसार बेघर लोगों को डबल बेडरूम मकान आवंटित करने की मांग को लेकर रामनाथपुर में अपना 48 घंटे का धरना शुरू किया।

धरने को संबोधित करते हुए, जिसमें योजना के तहत आवेदन करने वालों बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया, प्रभाकर ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर योजना के तहत गरीब लोगों को घर उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं और पिछले नौ वर्षों से खोखले वादे कर गरीबों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। धरने में आवेदकों के अलावा पार्टी पार्षद और वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। उन्होंने बीआरएस सरकार पर लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता, स्थानीय विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि लाभार्थियों से डबल बेडरूम घर के लिए तीन लाख रुपये, दलित बधु योजना के लिए पांच लाख रुपये तथा बीसी बंधु योजना पाने के लिए 15000 रुपये की मांग करके लोगों को लूट रहे हैं।

प्रभाकर ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों के दौरान उनके उप्पल विधानसभा क्षेत्र में इस योजना के तहत एक भी नया घर नहीं बनाया गया और जब वह विधायक थे तब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण किया गया था, तब लोगों को लाभ हुआ था।

प्रभाकर ने सीएम केसीआर को चेतावनी दी कि अगर उनके निर्वाचन क्षेत्र में योजना के तहत आवेदन करने वाले सभी गरीब लोगों को डबल बेडरूम घर आवंटित नहीं किए गए तो लोग कलेक्टरेट कार्यालय का घेराव करेंगे और बंद का आह्वान करेंगे।

फा.सं. 19/2/2019 पीआर
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग

द्वितीय तल, जीवन दीप बिल्डिंग
संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), नई दिल्ली में पूर्णकालिक (विधि) सदस्य के पद के लिए आवेदन आमंत्रित हैं।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), नई दिल्ली में पूर्णकालिक (विधि) सदस्य के पद के लिए आवेदन आमंत्रित हैं, जिसका कार्यकाल 5 (पाँच) वर्ष की अवधि या 62 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होगा।

पीएफआरडीए के पूर्णकालिक सदस्य (विधि) का प्रतिमाह का समेकित वेतन और भत्ता, बिना आवास और कार की सुविधा या अन्य किसी भत्ते के, 4.00 लाख रुपए होगा। पद के संबंध में विवरण और पात्रता संबंधी शर्तें मंत्रालय की वेबसाइट http://www.financialservices.gov.in और पीएफआरडीए की वेबसाइट http://www.pfrda.org.in पर दी गई हैं। पूरी तरह भरे हुए आवदेन जमा करने की अंतिम तिथि 15.09.2023 शाम 5.30 बजे तक है। योग्यता को स्पष्टतया दर्शाते हुए आवेदन नीचे दिए गए पते पर भेजे जा सकते हैं :

श्री हरकेश चन्द्र,
अवर सचिव, भारत सरकार,
वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार,
कमरा नं. 1, द्वितीय तल, जीवन दीप भवन,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
दूरभाष सं. 011-23748760

cbc 15102/12/0005/2324

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए उपाय करें : कविता

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के मद्देनजर मौसमी बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए उपाय करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, बीआरएस एमएलसी के कविता ने शुक्रवार को निज़ामाबाद जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों को संक्रामक रोगों को नियंत्रित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। एमएलसी ने निज़ामाबाद जिला स्वास्थ्य विभाग अधिकारी, जिला सरकारी अस्पताल अधीक्षक और नगर निगम आयुक्त से फोन पर बात की और कई सुझाव दिए।

उन्होंने सलाह दी कि स्वास्थ्य अधिकारियों को डेंगू रोग के प्रसार को रोकने के लिए सावधानी से काम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, समय-समय पर मच्छर निरोधक दवाओं का छिड़काव करके आसपास के क्षेत्रों को साफ रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से डेंगू बुखार की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान चलाने को कहा। उन्होंने कहा कि जिले भर के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मौसमी बीमारियों के लिए निवारक दवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना चाहिए और मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए उपाय करने चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.